@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 23 दिसंबर 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 43 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

हैदराबाद में अल्लू अर्जुन के आवास पर तोड़फोड़

नई दिल्ली, 22 दिसंबर। साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन के आवास पर उस्मानिया विश्वविद्यालय संयुक्त कार्रवाई समिति के सदस्य होने का दावा करने वाले व्यक्तियों के एक समूह ने तोड़फोड़ की। इस मामले में छह लोग हिरासत में लिए गए हैं। एक चौंकाने वाला वीडियो सामने आया है, जिसमें उस्मानिया विश्वविद्यालय के संयुक्त कार्य समिति के सदस्यों ने अर्जुन के हैदराबाद स्थित जुबली हिल्स स्थित आवास पर हमला किया है। वीडियो में कार्यकर्ताओं को उनके आवास पर पत्थरबाजी करते हुए देखा जा सकता है। रविवार को उस्मानिया यूनिवर्सिटी के छात्रों के एक समूह ने अर्जुन के घर के बाहर हंगामा किया और टमाटर फेंके। इस घटना में घर के अंदर रखे फूलों के गमले भी टूट गए। इसके तुरंत बाद पुलिस ने घटना के सिलसिले में छह व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया और उन्हें जुबली हिल्स पुलिस स्टेशन ले जाया गया। घटना के समय अल्लू अर्जुन अपने घर पर नहीं थे। उस्मानिया विश्वविद्यालय के संयुक्त कार्य समिति के सदस्य अभिनेता के घर में जबरन घुसने की कोशिश कर रहे थे और रेवती के परिवार को एक करोड़ का मुआवजा देने की मांग कर रहे थे। उन्होंने भगदड़ में घायल हुए नौ वर्षीय पीड़ित श्रीतेज को न्याय दिलाने की भी मांग की, जिसका हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस मामले में जुबली हिल्स पुलिस ने कहा कि उस्मानिया विश्वविद्यालय संयुक्त कार्रवाई समिति के छह सदस्यों ने अभिनेता अल्लू अर्जुन के आवास पर पथराव किया, तख्तियां पकड़ लीं और विरोध प्रदर्शन किया। हालांकि, हमें अल्लू अर्जुन के परिवार से कोई शिकायत नहीं मिली है। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है। यह घटना रविवार को अल्लू अर्जुन द्वारा एक बयान जारी करने के कुछ घंटों बाद आई है, जिसमें उन्होंने अपने प्रशंसकों से अपील की थी कि वे संध्या थिएटर भगदड़ मामले में उनके खिलाफ नए आरोपों के बीच ऑनलाइन और ऑफलाइन किसी भी तरह की अपमानजनक भाषा या व्यवहार का सहारा न लें।

पीएम मोदी को मिला कुवैत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान

सिम्मी कौर बब्बर

कुवैत सिटी, 22 दिसंबर। कुवैत में प्रधानमंत्री मोदी को वहां के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया गया है। कुवैत के अमीर अमीर शेख मेशाल अल-अहमद अल-जबर अल सबा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को द ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर से सम्मानित किया। पीएम मोदी कुवैत के दो दिवसीय दौरे पर हैं। इससे पहले 19 देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित कर चुके हैं। इस लिस्ट में शुमार होने वाला यह 20वां देश है। पीएम मोदी को यह सम्मान भारत और कुवैत के बीच अच्छे संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को यह पुरस्कार दिया गया है। द ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर मित्रता के संकेत के रूप में राष्ट्राध्यक्षों और विदेशी संप्रभुओं और विदेशी शाही परिवारों के सदस्यों को प्रदान किया जाता है। पीएम मोदी से पहले बिल क्लिंटन, प्रिंस चार्ल्स और जॉर्ज बुश जैसे विदेशी नेताओं को भी द ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर प्रदान किया जा चुका है। इससे पहले पिछले महीने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गुयाना और बारबाडोस ने पीएम मोदीको अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया था। गुयाना ने पीएम मोदी को सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान- द ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस से सम्मानित किया था, वहीं बारबाडोस में पीएम मोदी को प्रतिष्ठित ऑनररी ऑर्डर ऑफ फ्रीडम ऑफ बारबाडोस सम्मान दिया गया था। डोमिनिका ने भी उन्हें हाल ही में सर्वोच्च सम्मान दिया था। वैश्विक स्तर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता सर्वाधिक है। एक सर्वे में उन्हें सबसे लोकप्रिय नेता करार दिया गया था। इतना ही नहीं कई देश भी उन्हें अपने सर्वोच्च पुरस्कार से सम्मानित कर चुके हैं। क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर उनके नेतृत्व के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 2014 से अब तक 20 देशों के सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कारों समेत संयुक्त राष्ट्र का सर्वोच्च पर्यावरण पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है। बता दें कि पीएम मोदी को साल 2016 में अफगानिस्तान द्वारा स्टेट ऑर्डर ऑफ गाजी अमीर अमानुल्लाह खान, फरवरी 2018 में फिलिस्तीन द्वारा ग्रैंड कॉलर ऑफ द स्टेट ऑफ फिलिस्तीन, अक्तूबर 2018 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा यूएन चैंपियन ऑफ द अर्थ अवार्ड दिया गया था। वहीं, अप्रैल 2019 में यूएई द्वारा ऑर्डर ऑफ जायद और

अप्रैल 2019 में ही रूस द्वारा ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू अवार्ड से सम्मानित किया गया था। इसके अलावा, पीएम मोदी को जून 2019 में मालदीव से ऑर्डर ऑफ द डिस्टिंग्विश्ड रूल ऑफ इजुद्दीन, अगस्त 2019 में बहरीन द्वारा किंग हमाद ऑर्डर ऑफ द रेनेसां, दिसंबर 2020 में अमेरिका द्वारा लीजन ऑफ मेरिट, दिसंबर 2021 में भूटान द्वारा ऑर्डर ऑफ द ड्रैगन किंग और इस साल मई में फिजी द्वारा ऑर्डर ऑफ फिजी और पापुआ न्यू गिनी द्वारा ऑर्डर ऑफ लोगोहू से सम्मानित किया गया था। वहीं, पिछले साल जून में मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी ने प्रधानमंत्री मोदी को ऑर्डर ऑफ द नाइल पुरस्कार से सम्मानित किया। यह मिस्र का सर्वोच्च राजकीय सम्मान है। मई 2023 में पापुआ न्यू गिनी द्वारा कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ लोगोहू, मई 2023 में कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी, मई 2023 में पलाऊ गणराज्य द्वारा एबाकल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। जुलाई 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फ्रांस ने लीजन ऑफ ऑनर से सम्मानित किया। यह फ्रांस का सर्वोच्च सम्मान है। पीएम मोदी यह सम्मान पाने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं।

नाना पटोले ने चुनाव नियम में संशोधन को लेकर केंद्र पर साधा निशाना

कौमी संवाददाता

मुंबई, 22 दिसंबर। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने चुनाव नियम में किए गए बदलाव की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में महायुति सरकार जनता के जनादेश को चुराकर सत्ता में वापस आई। पटोले ने इस संशोधन और चुनाव आयोग पर सवाल उठाया और कहा कि इसमें कुछ गड़बड़ है। पटोले ने कहा, महाराष्ट्र में जो सरकार बनी है, वह चुनाव आयोग और केंद्र में बैठे कुछ बड़े अफसरों की मदद से सत्ता में आई है। यह सरकार लोगों के जनादेश को चुराकर बनी है। कल ही चुनाव आयोग ने एक नोटिफिकेशन जारी किया था, जिसमें कहा गया था कि अब कोई जानकारी नहीं दी जाएगी। इसका मतलब कुछ गड़बड़ है। कांग्रेस नेता का यह बयान पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के एक हालिया फैसले का बाद आया है। कोर्ट ने महमूद प्राचा बनाम चुनाव आयोग के मामले में आदेश दिया था कि

हरियाणा विधानसभा चुनाव से जुड़े सारे दस्तावेज सार्वजनिक किए जाएं, जिसमें सीसीटीवी फुटेज भी शामिल है। लेकिन,केंद्र द्वारा किए गए हालिया संशोधन के बाद सीसीटीवी फुटेज जैसे कुछ इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों पर सार्वजनिक जांच को सीमित कर दिया गया है और यह बदलाव चुनाव आयोग की सिफारिश पर किया गया है। केंद्रीय कानून मंत्रालय ने हाल ही में चुनाव नियम 93 (2) में बदलाव किया, जिससे यह स्पष्ट किया गया कि कौन से दस्तावेज सार्वजनिक निरीक्षण के लिए उपलब्ध होंगे। हालांकि, चुनाव आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि उम्मीदवारों को पहले से ही सभी दस्तावेजों और कागजात तक पहुंच हासिल है और इस संबंध में कोई नया संशोधन नहीं किया गया है। जबकि नियम चुनाव कागजात की बात करता है।

कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम को बड़ी राहत

नई दिल्ली, 22 दिसंबर। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने आईएनएक्स मीडिया मामले में आरोपी कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम को 4 से 12 जनवरी के बीच ऑस्ट्रिया और ब्रिटेन की यात्रा करने की अनुमति दे दी है। अदालत ने कहा कि उन्होंने अतीत में दी गई स्वतंत्रता का कभी दुरुपयोग नहीं किया। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने चिदंबरम को अपनी कंपनी से संबंधित कार्यक्रमों में शामिल होने और अपनी बेटी से मिलने के लिए वियना (ऑस्ट्रिया) और यूके की यात्रा करने की अनुमति दी है। सुनवाई के दौरान प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से विशेष सरकारी वकील एनके मट्टा ने चिदंबरम के आवेदन का विरोध करते हुए कहा कि वह स्वतंत्रता का दुरुपयोग कर सकते हैं। इस पर जज बावेजा ने कहा कि यह रिकार्ड में दर्ज है कि आवेदक ने पहले भी अनेक अवसरों पर विदेश यात्रा के लिए अदालत से अनुमति मांगी थी।

राहुल गांधी हिंसा प्रभावित परभणी का करेंगे दौरा

नई दिल्ली, 22 दिसंबर। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सोमवार को महाराष्ट्र के परभणी शहर का दौरा करेंगे। इसके दौरान वह इस महीने की शुरुआत में हुई हिंसा में मारे गए दो लोगों के परिवारों से मुलाकात करेंगे। हालांकि राहुल गांधी के इस दौरे को भाजपा ने नाटक करार दिया है। बता दें कि, 10 दिसंबर की शाम को मराठवाड़ा क्षेत्र में स्थित इस शहर के रेलवे स्टेशन के बाहर डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा के पास संविधान की कांच से बनी प्रतिकृति को क्षतिग्रस्त कर दिया गया था। जिसके बाद परभणी में हिंसा भड़क उठी थी। कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार द्वारा साझा किए गए कार्यक्रम के अनुसार राहुल गांधी अंबेडकरवादी सोमनाथ सूर्यवंशी के परिवारों से मिलेंगे। जिनकी पुलिस हिरासत में मृत्यु हो गई थी। इसके अलावा वह विजय वाकोडे के परिवार से भी मिलेंगे, जिनकी विरोध प्रदर्शन में भाग लेने के दौरान मृत्यु हो गई थी। बता दें कि, आरोप लगाए गए हैं कि सूर्यवंशी की पुलिस हिरासत में हत्या कर दी गई थी। हालांकि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने हाल ही में राज्य विधानसभा में कहा कि उस व्यक्ति ने एक मजिस्ट्रेट को बताया था कि उसे प्रताड़ित नहीं किया गया था और सीसीटीवी फुटेज में भी क्रूरता का कोई सबूत नहीं मिला है। मुख्यमंत्री फडणवीस पहले ही परभणी हिंसा की न्यायिक जांच की घोषणा कर चुके हैं। अब राज्य भाजपा प्रमुख और राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने राहुल गांधी के दौरे को नाटक करार दिया। उन्होंने संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि, इस तरह के नाटक करने के बजाय, इस बात पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए

विदेश मंत्री जयशंकर को मिला श्री चंद्रशेखरेंद्र सरस्वती पुरस्कार

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 22 दिसंबर। विदेश मंत्री एस. जयशंकर को दक्षिण भारतीय शिक्षा सोसायटी द्वारा सार्वजनिक नेतृत्व के लिए श्री चंद्रशेखरेंद्र सरस्वती राष्ट्रीय उत्कृष्टता सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर विदेश मंत्री ने अपने संबोधन में देश के सबसे पुराने शैक्षणिक समाजों में से एक की ओर से सम्मान दिए जाने पर एसआईईएस का आभार व्यक्त किया। उनके भाषण को एक्स पर स्ट्रीम किया गया। अपने भाषण में उन्होंने महा-पेरियावर की वैश्विक मंच पर योगदान की सराहना की। उन्होंने मैत्रीम भजतम जैसे संगीत रचनाओं का उल्लेख किया, जो सार्वभौमिक भाईचारे और करुणा को बढ़ावा देते हैं। जयशंकर ने कहा, वैश्विक मंच पर हमने खुद को एक स्वतंत्र शक्ति के रूप में स्थापित किया है, जो वैश्विक भलाई, विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी कहा कि हमें अपने राष्ट्रीय क्षमताओं पर विश्वास करना चाहिए और आलोचनात्मक आवाजों से प्रभावित नहीं होना चाहिए। जयशंकर ने विदेश नीति का उदाहरण देते हुए कहा कि हमारी स्वतंत्रता की भावना का मतलब यह नहीं है कि हम दिन की प्रमुख सोच से अलग हट रहे हैं, बल्कि यह समस्याओं को समझने और समाधान खोजने की हमारी क्षमता को दर्शाता है। इस मानसिकता का उदाहरण देते हुए

जयशंकर ने कहा, विदेश नीति में यह संघर्ष के दौरान कूटनीति और संवाद की वकालत है, जब दुनिया के अधिकांश लोग इससे मुंह मोड़ चुके हैं। आतंकवाद के खिलाफ कड़ा रुख अपनाना, कोविड महामारी के दौरान वैश्विक दक्षिण के लिए खड़े होना और अफ्रीकी संघ का समर्थन करना उनके बताए उदाहरणों में शामिल थे। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता को कभी भी तटस्थता के रूप में नहीं समझा जाना चाहिए। भारत जो भी करेगा, वह राष्ट्रीय हित और वैश्विक भलाई के लिए होगा। भारत कभी भी दूसरों को अपने विकल्पों पर वीटो करने की अनुमति नहीं दे सकता। जयशंकर ने भारत के पारंपरिक खाद्य (श्री अन्ना), योग और सांस्कृतिक धरोहर को पुनर्जीवित करने के प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जब भारत की पहचान वैश्विक चेतना में गहराई से दर्ज होगी, तो इसके परिणाम गहन होंगे। उन्होंने कहा कि महा-पेरियावर के विचार और शिक्षाएं हमें इस दिशा में मार्गदर्शन करती हैं। हमारी क्षमताओं में विश्वास और हमारी परंपराओं की पहचान भारत के समृद्ध भविष्य की नींव है। बता दें कि, विदेश मंत्री जयशंकर को सार्वजनिक नेतृत्व के लिए 27वें स्ङ्क्षश्वस श्री चंद्रशेखरेंद्र सरस्वती राष्ट्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। ये पुरस्कार चार क्षेत्रों में दिया जाता हैं- सार्वजनिक नेतृत्व, सामुदायिक नेतृत्व, मानव प्रयास, विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा सामाजिक नेतृत्व, जिसमें आध्यात्मिकता को प्राथमिकता दी जाती है।

आज से शुरू होगा महिला सम्मान और संजीवनी योजना के लिए रजिस्ट्रेशन: केजरीवाल

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 22 दिसंबर। दिल्ली की महिलाओं और बुजुर्गों के लिए खुशखबरी है। दिल्ली में आज से महिला सम्मान और संजीवनी योजना के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू होगा। आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल ने इसकी घोषणा की है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा, हाल ही में हमने दो योजनाओं की घोषणा की थी, एक महिला सम्मान योजना, हमारी महिलाओं की सुविधा के लिए हमने घोषणा की थी कि हम उनके बैंक खातों में 2,100 रुपये जमा करेंगे। इसका पंजीकरण कल से शुरू हो रहा है। दूसरी घोषणा संजीवनी योजना की थी। इसके तहत 60 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को मुफ्त इलाज मिलेगा। मध्यम वर्ग की कोई सुध नहीं लेता। रिटायरमेंट के बाद कई परिवारों में बुजुर्गों की कोई सुध नहीं लेता। अब आप सरकार उनका इलाज कराएगी। इस योजना का पंजीकरण भी कल से शुरू हो जाएगा। केजरीवाल ने कहा कि हमारी टीम घर-घर जाकर संजीवनी योजना और महिला सम्मान योजना के लिए पंजीकरण करेगी। इसके लिए दिल्ली का वोटर आईडी कार्ड होना जरूरी है और आप वेबसाइट पर जाकर चेक कर सकते हैं

कि आपका वोट रद्द हुआ है या नहीं। वे (भाजपा) बड़े पैमाने पर वोट रद्द कर रहे हैं। आप ने बुजुर्गों के लिए संजीवनी योजना शुरू करने की घोषणा की थी। इसके तहत दिल्ली में 60 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्गों का इलाज मुफ्त होगा। अरविंद केजरीवाल ने योजना की घोषणा करते हुए कहा था कि दिल्ली वालों के लिए संजीवनी लेकर आया हूं। दिल्ली में 60 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्गों को मुफ्त इलाज मिलेगा। इलाज का सारा खर्च दिल्ली सरकार उठाएगी। ये केजरीवाल की गारंटी है। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता घर-घर जाकर रजिस्ट्रेशन करेंगे। अरविंद केजरीवाल ने महिलाओं के लिए महिला सम्मान योजना की घोषणा की थी। इस योजना के तहत पात्र महिलाओं के खाते में हर महीने सरकार एक हजार रुपये भेजेगी। वहीं, केजरीवाल ने चुनाव के बाद महिलाओं को एक हजार की जगह 2100 रुपये देने की भी बात कही। केजरीवाल का दावा है कि दोबारा आप की सरकार बनने पर यह राशि 2100 रुपये कर दी जाएगी। अरविंद केजरीवाल के मुताबिक, हर महिला के अकाउंट हर महीने कुछ पैसे डलवाने का वादा बीते मार्च में किया था। 18 वर्ष से अधिक उम्र की हर महिला को योजना का लाभ मिलेगा। इसके लिए महिलाओं को रजिस्ट्रेशन करना होगा। जो महिलाएं रजिस्ट्रेशन करेंगी उनके अकाउंट में हर महीने पैसे आने शुरू हो जाएंगे।

अपराध साबित करने के लिए हमारे पास ऑडियो-वीडियो सबूत

बंगलूरू, 22 दिसंबर। कर्नाटक में भाजपा एमएलसी सीटी रवि पर महिला और बाल कल्याण मंत्री लक्ष्मी हेब्बलकर के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां करने के मामले में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि भाजपा एमएलसी ने 19 दिसंबर को विधान परिषद में मंत्री लक्ष्मी हेब्बलकर के खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल किया था, इसे साबित करने के लिए ऑडियो और वीडियो सबूत मौजूद हैं। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि कई एमएलसी ने इस घटना को देखा। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा, हम मामले की जांच करा रहे हैं। यह एक आपराधिक मामला है। वह (रवि) न्यायिक जांच की मांग क्यों कर रहे हैं? उन्होंने आगे कहा, उनके (रवि) अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने के ऑडियो और वीडियो सबूत हैं। कई एमएलसी ने उन्हें सुना। यह आपराधिक श्रेणी में आता है, है ना? मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भाजपा नेता की इस हरकत को अत्यधिक निंदनीय बताया। इससे पहले शनिवार को कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने भी इस मामले में अपनी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने भाजपा पर मूल मुद्दे से जनता का ध्यान भटकाने का आरोप लगाया। डिप्टी सीएम ने कहा था कि सीटी रवि ने जो कहा, उससे उनकी पार्टी और नेताओं के संस्कार के बारे में पता चलता है।

राम जन्मभूमि के मुख्य पुजारी को आजीवन मिलेगा वेतन

अयोध्या, 22 दिसंबर। यूपी में अयोध्या स्थित रामजन्मभूमि में पिछले 34 सालों से मुख्य पुजारी का जिम्मा संभाल रहे आचार्य सत्येंद्र दास को आजीवन ट्रस्ट वेतन देता रहेगा। हालांकि सत्येंद्र दास की बढ़ती उम्र व खराब स्वास्थ्य के चलते राममंदिर ट्रस्ट ने उनसे कार्य से मुक्ति का निवेदन भी किया है। मुख्य पुजारी पहले की तरह जब भी चाहेंगे, उनके राममंदिर में आने-जाने व पूजा-अर्चना करने पर कोई रोक नहीं रहेगी। पिछले 25 नवंबर को हुई रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक में यह निर्णय हुआ कि राममंदिर में पिछले 34 सालों से सेवा दे रहे आचार्य सत्येंद्र से कार्य से मुक्ति का निवेदन किया जाए। सत्येंद्र दास 87 साल के हो गए हैं। उनका स्वास्थ्य भी अब अनुकूल नहीं रहता, इसलिए उनसे सेवा से मुक्ति का निवेदन किया जाना चाहिए। यह भी निर्णय हुआ कि अभी उन्हें जो पारिश्रमिक यानी वेतन दिया जा रहा है, वह वेतन आजीवन दिया जाएगा। इस पर ट्रस्ट के सभी पदाधिकारियों की सहमति भी मिल गई। आचार्य सत्येंद्र दास 1 मार्च 1992 से राममंदिर में मुख्य अर्चक के रूप में सेवा दे रहे हैं। शुरुआत में उन्हें 100 रुपये प्रति माह वेतन दिया जाता था। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद उनका वेतन बढ़कर 38500 रुपये हो गया है। आचार्य सत्येंद्र दास को यही वेतन आजीवन दिया जाता रहेगा। इस समय राममंदिर में आचार्य सत्येंद्र दास सहित कुल 14 पुजारी सेवा दे रहे हैं। उनके साथ चार सहायक पुजारी भी लंबे समय से राममंदिर में कार्यरत हैं, जबकि नौ नए पुजारियों की नियुक्ति हाल ही में की गई है।

क्या जीएसटी में बदलाव करने का साहस दिखाएंगे पीएम: जयराम रमेश

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 22 दिसंबर। कांग्रेस ने रविवार को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली में पॉपकॉर्न के लिए तीन अलग-अलग कर दरों (टैक्स स्लैब्स) को बेतुका करार दिया और कहा कि यह जीएसटी प्रणाली की जटिलता को उजागर करती है। विपक्षी पार्टी ने यह भी पूछा कि क्या नरेंद्र मोदी सरकार जीएसटी 2.0 को लागू करने के लिए प्रणाली में पूरी तरह से बदलाव करने का साहस दिखाएगी। पार्टी के महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने एक्स पर कहा, जीएसटी के तहत पॉपकॉर्न के लिए तीन अलग-अलग कर दरों की बेतुकी बात ने सोशल मीडिया पर मीम्स की सुनामी ला दी है। यह एक गहरे मुद्दे को उजागर करता है। एक ऐसी प्रणाली की बढ़ती जटिलता को बताता है, जिसे अच्छा और आसान होना चाहिए था। रमेश ने कहा, जीएसटी में बड़ी मात्रा में कर चोरी हो रही है। इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) धोखाधड़ी आम है और कई फर्जी कंपनियां जीएसटी का गलत फायदा उठा रही हैं। उन्होंने कहा कि जीएसटी प्रणाली में कई खामिया हैं, जैसे आपूर्ति श्रृंखला में की सही तरीके से निगरानी नहीं की जा रही है, पंजीकरण की प्रक्रिया में खामियां हैं। टर्नओवर छूट के नियमों में खामियां हैं, जिनका गलत फायदा उठाया जा रहा है। नियमों का पालन अब भी

मुश्किल है और माल की गलत श्रेणी (मिसक्लासिफिकेशन) अक्सर होती है। कांग्रेस नेता ने कहा कि जीएसटी की धोखाधड़ी से जुड़ी हालिया रिपोर्ट्स के अनुसार वित्त वर्ष 2024 में 2.01 लाख करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी सामने आई है। उन्होंने सवाल उठाया कि अब जब केंद्रीय बजट सिर्फ चालीस दिन दूर है, तो क्या प्रधानमंत्री (नरेंद्र मोदी) और वित्त मंत्री (निर्मला सीतारमण) पूरी तरह से जीएसटी प्रणाली में बदलाव करने का साहस दिखाएंगे और जीएसटी 2.0 लागू करेंगे? इस बीच, जीएसटी परिषद ने आज पॉपकॉर्न पर कर की दरों को लेकर एक स्पष्टीकरण जारी किया। इसके मुताबिक, प्री-पैकेज्ड और लेबल वाले तैयार खाने योग्य स्नैक्स पर 12 फीसदी जीएसटी लगेगा और कैरेमल पॉपकॉर्न (जिसमें चीनी डाली जाती है) पर 18 फीसदी जीएसटी लगेगा। लेकिन पॉपकॉर्न पर जीएसटी की दर में कोई बदलाव नहीं किया गया है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड ने केवल यह बताया कि पॉपकॉर्न पर अभी जो कर लागू हैं, उन्हें समझाने के लिए एक सर्कुलर जारी किया जाएगा। - खाने के लिए तैयार पॉपकॉर्न (जो नमक और मसाले के साथ तैयार किया गया है) की अगर पैकेजिंग नहीं की गई है और लेबल नहीं किया गया है, तो पांच फीसदी जीएसटी लगेगा। अगर पॉपकॉर्न की पैकेजिंग है और लेबल किया गया है, तो 12 फीसदी जीएसटी लगेगा।

महापंचायत में राकेश टिकैत ने दिया एकजुट रहने का मंत्र

एटा, 22 दिसंबर। एटा के मारहरा रोड पर शनिवार को किसान महापंचायत में आए भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश टिकैत ने हक की लड़ाई के लिए किसानों को एकजुट रहने का मंत्र दिया। कहा कि बंटोगे तो लुटोगे। केंद्र व प्रदेश की सरकार ने किसानों की आय दोगुनी करने की बात कही थी, लेकिन आय दोगुनी नहीं हुई। कर्ज जरूर दोगुना हो गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने संसद परिसर में धक्का-मुक्की मामले को लेकर कहा कि देश के इतिहास में यह पहली घटना हुई है कि तहरीर के आधार पर एक बड़े नेता पर रिपोर्ट दर्ज की गई। इससे संसद की गरिमा को गिराने का कार्य हुआ है। महापंचायत में उन्होंने कहा कि खेत में हम पैदावार करते हैं उसका सही मूल्य हम तक नहीं पहुंचता। बिचौलिए बीच में अपना हिस्सा लेते हैं। किसानों को यूरिया, डीएपी नहीं मिल पा रही है। सरकार चाहती है कि किसान परेशान होकर उसे अपनी जमीन बेच दे। कहा कि संगठित रहो, सरकार हमें लूट लेगी। जल्द दिल्ली से एक बड़ा आंदोलन होने जा रहा है। कहा कि 2013 से सर्किल रेट नहीं बढ़ाए हैं। जबकि सरकार किसानों की जमीन का अधिग्रहण लगातार कर रही है, सर्किल रेट बढ़ाना चाहिए। इस पर कोई बात नहीं होती है। किसान आयोग की रिपोर्ट पर कुछ नहीं होता है। स्थानीय मुद्दे उठाते हुए कहा कि जिले में पानी के लिए पाइप लाइन डाली जा रही है। भूमि अधिग्रहण हो रहा है। उसका मूल्य मिलना चाहिए। जैसे गेल ने पाइप लाइन डालने के दौरान दिया है। भाजपा के बड़े नेता मुरली मनोहर जोशी, आडवाणी जो हमेशा किसानों के हित की बात किया करते थे, उन्हें दरकिनार कर दिया गया।

खैबर पख्तूनख्वा में आतंकी हमले में 16 सैनिकों की मौत, आठ घायल

एजेंसी

इस्लामाबाद। उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक सुरक्षा चेक पोस्ट पर हुए आतंकी हमले में 16 सैनिक मारे गए हैं जबकि हमले में आठ जवान घायल हो गए। सूत्रों के अनुसार आतंकियों ने अफगानिस्तान की सीमा से लगे दक्षिण वजीरिस्तान जिले के मकीन में लिटा सार चेक पोस्ट को निशाना बनाया। बताया जा रहा है कि यह हमला पाकिस्तानी सुरक्षाबलों की तरफ से सारोरोघा इलाके में चलाए गए गुप्त अभियान की प्रतिक्रिया स्वरूप रहा। सुरक्षा बलों के इस अभियान में दो आतंकी मारे गए थे। बतादें कि इसी महीने बलूचिस्तान प्रांत में दो अलग-अलग स्थानों पर आतंकी हमलों में तीन सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई थी। इसमें एक मामला डुकी जिले का था, जहां कोयला खदान के पास एक जांच चौकी पर आतंकी हमले में फ्रंटियर कोर के दो सैनिक मारे गए और तीन अन्य जवान घायल हुए थे। हमलावरों ने घंटों तक चले हमले के दौरान रॉकेट, ग्रेनेड और भारी हथियारों का इस्तेमाल किया था।

ब्राजील में भीषण सड़क हादसा, बस में आग लगने से 38 लोगों की मौत

ब्राजील। ब्राजील में बस में आग लगने से एक भीषण हादसा हुआ। इस हादसे में बस सवार 38 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में 13 लोग घायल बताए जा रहे हैं। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि दक्षिण-पूर्वी ब्राजील के राज्य मिनास गेरैस में सड़क दुर्घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 38 हो गई है, जबकि 13 अन्य घायल हैं। हादसे में घायल लोगों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह हादसा सुबह टेओफिलो ओटोनी नगरपालिका में हुआ, जब ट्रक से ग्रेनाइट का एक बड़ा ब्लॉक सड़क पर गिर गया, जिससे बस विपरीत दिशा में जा रहे ट्रक से टकरा गई। वाहनों के टकराने के बाद बस में आग लग गई। संघीय राजमार्ग पुलिस के अनुसार, बस के पीछे जा रही कार ने उसमें टक्कर मार दी। पुलिस ने समाचार एजेंसी सिन्हुआ को बताया कि अधिकांश मौत टक्कर के बाद बस में लगी आग के कारण हुईं। टेओफिलो ओटोनी के अधिकारियों के अनुसार, कार सवार तीन लोगों सहित 13 घायल हो गए, जिनकी हालत गंभीर है।

अमेरिकी-ब्रिटिश नौसेना ने हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर हवाई हमला किया, अपना ही विमान मार गिराया

सना। अमेरिकी-ब्रिटिश नौसेना गठबंधन ने तड़के यमन के होदेदाह में हूती ठिकानों पर हवाई हमला किया। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हमले में होदेइदाह के अल-लुहय्याह क्षेत्र की एक साइट को निशाना बनाया गया, जिसमें आगे कोई विवरण नहीं दिया गया और न ही किसी के हताहत होने की सूचना दी गई। एजेंसी ने हूती द्वारा संचालित अल-मसीरा टीवी के हवाले से बताया कि गठबंधन ने कथित हमले पर अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है। यूएस सेंट्रल कमांड ने एक्स पर एक बयान जारी कर कहा कि शनिवार रात को सना में हूतियों के मिसाइल भंडारण फैसिलिटी और एक कमांड-एंड-कंट्रोल यूनिट पर सटीक हवाई हमले किए। बयान में कहा गया है कि कमांड बलों ने लाल सागर के ऊपर कई हूती के वन-वे अटैक ड्रोन और एक एंटी-शिप क्रूज मिसाइल को भी मार गिराया। हवाई हमले हूतियों द्वारा मध्य इजरायल पर बैलिस्टिक मिसाइल हमले की जिम्मेदारी लेने के कुछ घंटों बाद हुए। तेल अवीव में हुए हमले में 20 इजरायली घायल हो गए थे। इस बीच, अमेरिकी सेना ने बताया कि नौसेना द्वारा यमन में हवाई हमले किए जाने के दौरान लाल सागर के ऊपर फ्रेंडली फायर में एक अमेरिकी एफ/ए-18 लड़ाकू विमान को गलती से मार गिराया गया। घटना के दौरान, दो अमेरिकी नौसेना पायलटों को गोली लगी। हालांकि, उन्हें बचा लिया गया, जबकि एक पायलट को मामूली चोट आई।

इजरायल ने गाजा पर फिर बरसाए बम, 9 की मौत

गाजा। गाजा पट्टी पर इजरायली गोलाबारी में नौ लोग मारे गए हैं। यह जानकारी फिलिस्तीनी सूत्रों ने दी। गाजा में नागरिक सुरक्षा के प्रवक्ता महमूद बसल ने बताया कि इजरायली लड़ाकू विमानों ने शनिवार की सुबह अल-शती शरणार्थी शिविर के पश्चिम में फिलिस्तीनियों की एक सभा को निशाना बनाया। बसल ने सिन्हुआ को बताया कि हमले में सात लोग मारे गए और कुछ अन्य घायल हो गए, जिन्हें गाजा सिटी के बैपटिस्ट अस्पताल ले जाया गया। बसल के अनुसार, मध्य गाजा में अल-तामिन स्कूल के निकट एक घर पर भी बम बरसाए गए। यहां से बाद में चिकित्साकर्मियों को एक शव और कई घायल मिले। इस बीच, समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, दक्षिणी गाजा के राफा में चिकित्सकों ने बताया कि शहर के उत्तर में खिरबेट अल-अदस इलाके में एक इजरायली ड्रोन द्वारा एक फिलिस्तीनी की हत्या कर दी गई। स्थानीय सूत्रों और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि इजरायली सेना सुबह से ही राफा के पूर्व में अल-जनीना इलाके में आवासीय इमारतों को उड़ा रही है। हालांकि इजरायली सेना ने इन घटनाओं पर कोई टिप्पणी नहीं की है। उत्तरी गाजा के बेत लाहिया स्थित कमाल अदवान अस्पताल के निदेशक हुसैन अबू सफिया ने भी अस्पताल के अंदर की स्थिति की गंभीरता के बारे में चेतावनी दी।

अरब देश से नेपाल लौटे एक व्यक्ति में मंकीपॉक्स का संक्रमण दिखा, देशभर में अलर्ट जारी

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में मंकीपॉक्स का नया मामला सामने आया है। सऊदी अरब से लौटे तनहु जिले के एक 36 वर्षीय व्यक्ति की आई जांच रिपोर्ट में यह घातक बीमारी होने की पुष्टि हुई है। इसके साथ स्वास्थ्य मंत्रालय ने देशभर में अलर्ट जारी कर दिया है। नेपाल स्वास्थ्य विभाग के प्रवक्ता डॉ यदुचंद्र घिमिरे ने कहा कि गुरुवार को एकत्रित किए गए नमूनों में से एक व्यक्ति में मंकीपॉक्स का सकारात्मक रिपोर्ट मिला है। स्वास्थ्य विभाग ने पिछले साल जून में भी देश का पहला मंकीपॉक्स रोगी के बारे में पता लगा था। करीब एक वर्ष बाद यह दूसरा मामला मिला है। उस समय एक 60 वर्षीय विदेशी नागरिक के परीक्षण में मंकी पॉक्स होने की पुष्टि हुई थी। मंकीपॉक्स एक दुर्लभ बीमारी है जो बंदर के वायरस के संक्रमण के कारण होती है और 10 संक्रमित व्यक्तियों में से एक मर सकता है। मध्य और पश्चिम अफ्रीका के दूरदराज के हिस्सों में सबसे आम, अब कम से कम 122

देशों में फैला यह बीमारी नेपाल में भी दिखी है। इसके लक्षणों में बुखार, सिरदर्द, सूजन, शरीर में दर्द, थकावट और चेहरे, हाथों और पैरों पर खुजली वाले चकत्ते शामिल हैं।

यह बीमारी मुख्य रूप से व्यक्ति-से-व्यक्ति संपर्क के माध्यम से फैलती है इसलिए स्वास्थ्य विभाग ने इससे बचने के लिए इससे ग्रसित व्यक्ति को आइसोलेशन में रखने का निर्देश दिया गया है। अब स्वास्थ्य विभाग उन सभी व्यक्तियों की पहचान कर रहा है जो पिछले तीन दिनों में इस संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि भले ही यह दुर्लभ वायरल संक्रमण आमतौर पर हल्का होता है और अधिकांश लोग हफ्तों के भीतर ठीक हो जाते हैं, लेकिन फिर भी जोखिम को कम करके नहीं आंका जाना चाहिए। उनका कहना है कि सावधानियां अपनानी चाहिए क्योंकि यह व्यक्ति व्यक्ति के बीच के संपर्क से तेजी से फैलता है। मंकीपॉक्स दशकों से अफ्रीका के कुछ हिस्सों में सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या रही है। मई 2022 के बाद यह बीमारी उस वक्त व्यापक ध्यान में आई, जब अफ्रीका के बाहर के देशों ने नए मामलों की रिपोर्ट की। तब से यह बीमारी वैश्विक स्तर पर फैल गया है। 122 देशों के एक लाख से अधिक लोग पहले ही इस बीमारी के लिए पॉजिटिव पाए जा चुके हैं। भारत में 2022 के बाद से कम से कम 30 संक्रमण दर्ज किए गए हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने टेनिस फैलने वाले इस बीमारी से संक्रमित व्यक्ति के मिलने के बाद देशभर में हेल्थ अलर्ट जारी कर दिया है। अरब देशों और अफ्रीकी देशों से विमान से आने वाले यात्रियों की सघन जांच करने के भी आदेश दिए गए हैं। भारतीय सीमा से सटे इलाके में भी तीसरे देश से आने वाले व्यक्तियों की जांच को अनिवार्य बनाया गया है।

क्रिसमस बाजार हमले में घायल लोगों में 7 भारतीय भी, नागरिकों के संपर्क में दूतावास

एजेंसी

बर्लिन। जर्मनी के एक शहर मैगडेबर्ग में बेकाबू कार के हमले में घायल हुए लोगों में सात भारतीय नागरिक भी हैं। भारतीय नागरिकों को गंभीर चोटें नहीं आई हैं और प्राथमिक इलाज के बाद इन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। भारतीय दूतावास ने कहा है कि वो घायल हुए सभी लोगों के संपर्क में है।

भारत ने जर्मनी के मैगडेबर्ग में हुई इस हमले की निंदा की है। भारतीय दूतावास की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि हम जर्मनी के मैगडेबर्ग में क्रिसमस बाजार में हुए भयानक और संवेदनहीन हमले की निंदा करते हैं। कई बहुमूल्य जानें चली गईं और कई घायल हो गए। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं पीड़ितों के साथ हैं। बयान में कहा गया है कि उनका मिशन घायल भारतीयों और उनके परिवारों के संपर्क में है और हरसंभव सहायता प्रदान कर रहा है।

बतादें कि जर्मनी की राजधानी बर्लिन से 150 किमी दूर एक शहर मैगडेबर्ग में शुक्रवार शाम क्रिसमस बाजार में एक बेकाबू कार ने लोगों को रौंदा था। इस घटना में दो लोगों की मौत हुई थी और 60 से ज्यादा घायल हुए थे। इस घटना के आरोपित सउदी अरब के निवासी तालेब ए. पेशे से एक डॉक्टर है और पिछले 18 साल से जर्मनी में रह रहा है। पुलिस आरोपित को गिरफ्तार कर मामले की जांच कर रही है।

भारत ने जर्मनी के मैगडेबर्ग में हुई इस हमले की निंदा की है। भारतीय दूतावास की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि हम जर्मनी के मैगडेबर्ग में क्रिसमस बाजार में हुए भयानक और संवेदनहीन हमले की निंदा करते हैं।

दक्षिण-पूर्वी ब्राजील में यात्री बस और ट्रक में भिड़ंत, 22 लोगों की मौत

एजेंसी

ब्रासीलिया। दक्षिण-पूर्वी ब्राजील में मिनास गैरैस राज्य में एक राजमार्ग पर बड़ा सड़क हादसा हुआ। यहां एक यात्री बस और ट्रक के बीच आमने-सामने की भिड़ंत हुई जिसमें 22 लोगों की मौत हो गई। वहीं, घटना में घायल हुए लोगों को टेओफिलो ओटोनी शहर के पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना को लेकर दमकल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि टक्कर इतनी भीषण थी कि बस के परखच्चे उड़ गए। घटना में 22 लोगों की जान गई है, जबकि 13 लोगों को टेओफिलो ओटोनी शहर के पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में तीन की हालत गंभीर है।

बतादें कि उक्त बस साओ पाउलो से निकली थी जिसमें 45 लोग सवार थे। रास्ते में अचानक बस का टायर फट गया, जिससे वाहन अनियंत्रित हो गया और एक ट्रक से टकरा गया। दमकल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि

अनियंत्रित बस ने एक कार को भी टक्कर मारी, हालांकि कार में सवार तीनों लोग सुरक्षित हैं। दमकल अधिकारी लेफ्टिनेंट अलोंसो ने बताया कि बचाव दल दुर्घटनास्थल पर काम कर रहे हैं और अब भी और पीड़ितों को निकाला जाना बाकी है।

भारतीय अभिनेता जॉन अब्राहम ने नेपाल सरकार को खत लिखकर हाथी महोत्सव बंद करने का किया आग्रह

एजेंसी

काठमांडू। भारत के जाने माने फिल्म अभिनेता जॉन अब्राहम ने नेपाल सरकार को खत लिख कर जनवरी में होने वाले हाथी महोत्सव को रोकने का आग्रह किया है। उन्होंने पर्यटन प्रवर्धन के नाम पर हाथियों के साथ किए जाने वाले व्यवहार पर आपत्ति जताई है। जॉन अब्राहम ने नेपाल के पर्यटन तथा संस्कृति मंत्री बद्री पांडे को संबोधित करते हुए यह पत्र भेजा है। नेपाल में जंगल सफारी के लिए मशहूर चितवन में हर वर्ष होने वाले हाथी महोत्सव को रोकने और इस तरह के महोत्सव में हाथियों के प्रयोग पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। उन्होंने पत्र में लिखा है कि हाथी महोत्सव में प्रतियोगिता और खेलों के नाम पर हाथी के साथ किए जाने वाला व्यवहार

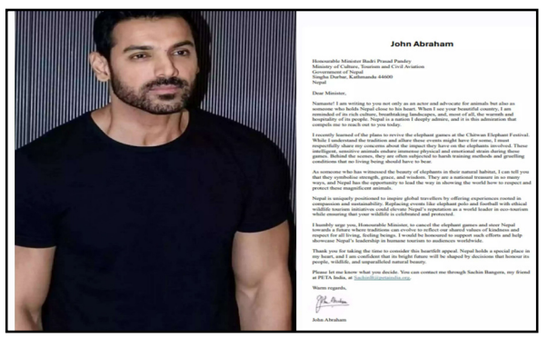

John Abraham

Honourable Minister Badri Prasad Pandey
Ministry of Culture, Tourism and Civil Aviation
Singha Durbar, Kathmandu 44600
Nepal

Dear Minister,

संवेदनहीन है इसलिए इस तरह के महोत्सव में हाथी के प्रयोग पर रोक लगानी चाहिए। खुद को जानवरों का प्रेमी बताते हुए जॉन अब्राहम ने लिखा है कि हाथी महोत्सव में हाथियों के बीच होने वाले फुटबॉल और पोलो जैसे खेलों से उनके शारीरिक स्थिति पर नकारात्मक असर होता है इसलिए इस तरह की प्रतियोगिता को बंद किया जाना चाहिए। इतना ही नहीं जॉन अब्राहम ने हाथी के ऊपर पर्यटकों को सवार करा कर उसे पूरे जंगल में घुमाए जाने को भी मानवीय संवेदना के विपरीत बताया है। जॉन ने अपने पत्र में लिखा है कि नेपाल सरकार को इस विषय पर गंभीरता से विचार करना चाहिए कि आखिर हाथी का इस तरह के प्रयोग कितना उचित है? उन्होंने कहा कि पर्यटकों को बिठाकर हाथी दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन होना भी दुखद है इसलिए सिर्फ मनोरंजन के लिए इस तरह के खेलों पर रोक लगाने की आवश्यकता है।

पाकिस्तान में 09 मई के दंगों के मामले में 25 लोगों को जेल की सजा

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की सैन्य अदालतों ने बीते साल मई में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद भड़के दंगों के दौरान सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला करने के लिए 25 लोगों को दो से 10 साल तक की जेल की सजा सुनाई है। पाकिस्तानी सेना ने एक बयान में कहा कि 9 मई को देश ने कई स्थानों पर राजनीतिक रूप से भड़काई गई हिंसा और आगजनी की दुखद घटनाओं को देखा, जो पाकिस्तान के इतिहास में एक काला अध्याय है% जब नफरत और झूठ के कथानक पर आधारित, सेना के प्रतिष्ठानों और शहीदों के स्मारकों पर राजनीतिक रूप से सुनियोजित हमले किए गए। बयान के अनुसार दोषियों को सैन्य सुविधाओं पर हमला करने के लिए दो से 10 साल तक की जेल की सजा सुनाई गई है। इसमें 14 लोगों को दस वर्ष का कारावास की सजा मिली जबकि अन्य को कम अवधि की सजा दी गई। सेना ने कहा कि शेष अभियुक्तों की सजा का भी ऐलान किया जा रहा है और उचित प्रक्रिया पूरी होने के बाद जल्द ही

इसकी घोषणा की जाएगी। सेना ने इस घटनाक्रम को राष्ट्र को न्याय प्रदान करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया और उन सभी लोगों को एक कड़ा संदेश दिया जो निहित स्वार्थों की तरफ से शोषित हैं और उनके राजनीतिक प्रचार और मादक झूठ के शिकार हो गए हैं, कि वे भविष्य में कभी भी कानून को अपने हाथ में न लें। इसमें यह भी कहा गया कि कई अभियुक्तों पर कई आतंकवाद निरोधी अदालतों में मुकदमा भी चल रहा है और उनके मामलों को कानून के अनुसार आगे बढ़ाया जा रहा है। इसमें %मास्टरमाइंड% को दंडित करने का इरादा दिखाया गया है, जिसमें कहा गया है कि %न्याय तभी होगा जब 9 मई की त्रासदी के मास्टरमाइंड और योजनाकारों को संविधान और देश के कानून के अनुसार दंडित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि बीते 9 मई 2023 को पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के समर्थकों ने भ्रष्टाचार के एक मामले में पार्टी के संस्थापक एवं पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के खिलाफ रावलपिंडी में सेना मुख्यालय और फैसलाबाद में आईएसआई के भवन समेत कई सैन्य प्रतिष्ठानों पर कथित तौर पर हमला किया था। इस मामले में सैकड़ों की संख्या में लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

अमेरिका में शटडाउन संकट से उबरने के लिए लाया गया नया विधेयक, अब सीनेट की मंजूरी का इंतजार

एजेंसी

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका में शटडाउन संकट को टालने के प्रयास जारी हैं। इसके लिए संघीय सरकार नया विधेयक लेकर आई है। स्टॉपगैप फंडिंग विधेयक को अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स की मंजूरी मिल गई है। अब इस पर उच्च सदन सीनेट में मतदान होना है। इसे सीनेट के पास भेज दिया गया है। आज अगर सीनेट की मंजूरी मिल जाती है तो अमेरिका के नागरिकों को क्रिसमस की छुट्टियों में शटडाउन की वजह से परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। एनबीसी न्यूज और सीएनएन ने अपनी रिपोर्ट्स में कहा है कि संघीय सरकार इस संकट को टालने के प्रयास तो कर रही है पर उसने नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सलाह नहीं मानी है। ट्रंप चाहते थे कि नए विधेयक में ऋण सीमा में वृद्धि शामिल की जाए। राष्ट्रपति जो बाइडेन की संघाय सरकर ने उनकी सलाह को दरकिनार कर दिया। इसलिए इसे ट्रंप के लिए झटका भी कहा जा सकता है। हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स के सभापति माइक जॉनसन ने नया विधेयक सदन में पेश किया। निचले सदन ने इसे 366-34 के भारी बहुमत से मंजूरी

दी। जॉनसन ने कहा कि यह अमेरिका के लिए अच्छा परिणाम है। कांग्रेस देश में शटडाउन नहीं होने देने की पूरी कोशिश कर रही है। हालांकि ट्रंप अभी भी अपनी ऋण सीमा बढ़ाने की मांग पर अड़े हुए हैं। ऐसे में सीनेट से विधेयक के पास होने को लेकर अभी भी संशय है। ऋण सीमा बढ़ाने की ट्रंप की मांग के पीछे एलन मस्क का दिमाग माना जा रहा है। उल्लेखनीय है कि ट्रंप ने सरकारी खर्च कम करने की जिम्मेदारी मस्क को सौंपी है। कई सांसद इससे नाराज हैं। उनका कहना है कि मस्क कांग्रेस के सदस्य नहीं हैं, लेकिन वह दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। प्रभावशाली नेता चक शूमर ने एक्स पर लिखा है कि वह इस बात के लिए आश्वस्त हैं कि सीनेट शटडाउन को रोकने के लिए मतदान करेगी।

रूस के कजान में यूक्रेन का ड्रोन हमला, ऊंची इमारतों को बनाया निशाना

एजेंसी

मॉस्को। रूस के कजान में आज सुबह किए गए ड्रोन हमले से अफरातफरी मच गई। मानवरहित ड्रोन आवासीय ऊंची इमारतों से टकरा गए। इससे आग लग गई। कजान मेयर कार्यालय ने इसकी पुष्टि की। रूस की सरकारी न्यूज एजेंसी तास के अनुसार, कजान मेयर कार्यालय ने कहा कि तातारस्तान की राजधानी कजान शहर के तीन जिलों में मानवरहित हवाई वाहनों ने आवासीय भवनों पर हमला किया। इसके बाद इन इमारतों को खाली करा लिया गया। तातारस्तान के प्रमुख रुस्तम मिन्निकानोव मौके पर हैं। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि मॉस्को समयानुसार सुबह 7:50 बजे तातारस्तान क्षेत्र में एक ड्रोन को नष्ट कर दिया गया। मगर इस हमले के बाद कजान के सोवेत्स्की, किरोव्स्की और प्रिवोलज्स्वकी जिलों में आवासीय इमारतों में आग लग गई।

राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। नगर निगम की आपातकालीन सेवाओं को हाई अलर्ट पर रखा गया है। एक नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया गया है। कजान के मेयर इल्सुर मेत्शिन ने प्रभावित लोगों को अस्थायी आवास, गर्म कपड़े और भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। कुछ रिपोर्ट्स में इस हमले को अमेरिका के 9/11 जैसा बताया गया है। कजान एयरपोर्ट को भी अस्थायी रूप से बंद करने का दावा किया गया है।रूस की विमानन निगरानी संस्था रोसावियात्सिया ने टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप के माध्यम से कहा, कजान पर यूक्रेनी ड्रोन हमले के बाद यह कदम उठाया गया है। दो अन्य हवाई अड्डों पर भी अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया गया है। कजान मॉस्को से लगभग 800 किलोमीटर दूर पूर्व में स्थित है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने हमले के बाद आरोप लगाया कि इसके पीछे यूक्रेन का हाथ है। रूस का कजान शहर 2024 ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए चर्चा में रहा है। इसे रूस की तीसरी राजधानी भी कहा जाता है। वर्ष 2018 में यहीं पर फीफा वर्ल्ड कप आयोजित किया गया था। यहां भारत भी अपना दूतावास खोलने वाला है। यूक्रेन की राजधानी कीव से कजान की दूरी करीब 1400 किलोमीटर है।

स्वच्छ श्रीलंका अभियान के लिए कार्यबल की स्थापना

एजेंसी

काठमांडू। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के स्वच्छ श्रीलंका अभियान की सफलता के लिए कार्यबल की स्थापना की गई है। एक राजपत्र अधिसूचना में कार्यबल में शामिल लोगों के नामों की घोषणा की गई है। न्यूज के अनुसार, यह अभियान राष्ट्रपति के सचिव डॉ. एनएस कुमानायके की देखरेख में शुरू होगा। वह कार्यबल का नेतृत्व करेंगे। राष्ट्रपति के वरिष्ठ अतिरिक्त सचिव जीएमआरडी अपोंसु सचिव के रूप में कार्य करेंगे। कार्यबल के सदस्यों में सेना, नौसेना और वायुसेना के कमांडर को भी शामिल किया गया है। अन्य सदस्यों में कार्यवाहक महानिरीक्षक प्रियंता वीरसुरिया, शहरी विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष कुमुदु लाल डी सिल्वा, आईएस जयरत्न, गिहान डी सिल्वा, सैंड्या सालगाडो, डॉ. गामिनी बटुविटेज, डॉ. अनुरुद्ध

गमागे, दिल्रुक वानासिंघे, दीपल सोरियाराच्ची, सिसिरा अमरबंदु, कृष्णथा कुरे, जयथु परेरा, रुवान वीरसूर्या और दयान करुणारत्न हैं। स्वच्छ श्रीलंका अभियान का मकसद समाज में नैतिक पर्यावरणीय जागरुकता पैदा करना है। यह अभियान सारे देश में शुरू किया जाना है। इसमें सामाजिक संगठनों का भी सहयोग लिया जाएगा।

भारतीय जेल में दो साल की सजा काटने के बाद 15 बांग्लादेशी घर लौटे

एजेंसी

ढाका। भारत की एक जेल में दो साल की सजा काटने के बाद नौ महिलाओं सहित 15 बांग्लादेशी बेनापोल चेक पोस्ट के माध्यम से स्वदेश लौट आए। उनके छह बच्चे भी साथ आए। पेट्रापोल आव्रजन पुलिस ने उन्हें कल रात करीब साढ़े 10 बजे बेनापोल आव्रजन पुलिस को सौंपा।

कोलकाता में जन्मे बांग्लादेश के पूर्व अटॉर्नी जनरल आरिफ का 83 वर्ष की आयु में ढाका में निधन

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश के पूर्व अटॉर्नी जनरल और अंतरिम सरकार के नागरिक उड्डयन और पर्यटन सलाहकार एएफ हसन आरिफ का 83 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने कल दोपहर बाद राजधानी ढाका के लैबैड अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके बेटे मोअज आरिफ ने इसकी पुष्टि की। बीडीन्यूज24डॉटकॉम के अनुसार, हसन आरिफ को दोपहर करीब तीन बजे अस्पताल ले जाया गया था। वह खाना खाते समय गिर गए थे। परीक्षण के के बाद उन्हें अपराह्न 3:35 बजे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल के जनसंपर्क अधिकारी चौधरी मेहर-ए-खोदा ने कहा, उन्हें कार्डियक अरेस्ट हुआ था। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील एएफ हसन आरिफ का जन्म 1941 में कोलकाता में हुआ था। उन्होंने अपनी माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा

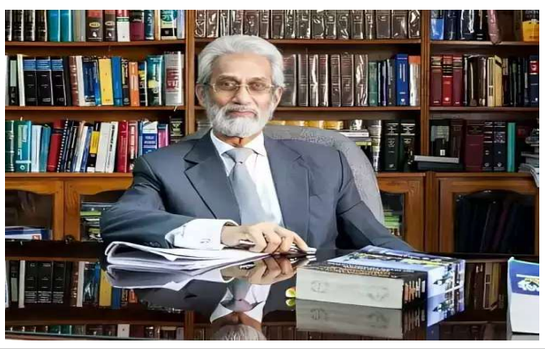

कोलकाता के सेंट जेवियर्स कॉलेज से पूरी की। इसके बाद उन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री और एलएलबी की उपाधि प्राप्त की। 1967 में कलकत्ता हाई कोर्ट में एक वकील के रूप में नामांकन कराने के बाद वह पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) चले गए। उन्होंने 1970 में ढाका हाई कोर्ट में प्रैक्टिस शुरू की।

हसन आरिफ सैन्य तानाशाह एचएम इरशाद के शासन के समय अप्रैल 1982 से अगस्त 1985 तक सहायक अटॉर्नी जनरल के रूप में और अगस्त 1985 से मार्च 1996 तक डिप्टी अटॉर्नी जनरल के रूप में कार्य किया। बाद में उन्होंने अक्टूबर से बीएनपी-जमात-ए-इस्लामी गठबंधन सरकार के दौरान अटॉर्नी जनरल के रूप में कार्य किया। जनवरी 2008 से जनवरी 2009 तक उन्होंने फखरुद्दीन अहमद के नेतृत्व वाली कार्यवाहक सरकार के कानूनी सलाहकार के रूप में कार्य किया। पूर्व अटॉर्नी जनरल ने कई मामलों में मोहम्मद यूनुस का प्रतिनिधित्व किया। नागरिक उड्डयन और पर्यटन मंत्रालय के प्रवक्ता महबुबुर रहमान तुहिन ने बताया कि आज सुबह 11 बजे हाई कोर्ट परिसर में अंतिम संस्कार प्रार्थना की गई। उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा, इसकी घोषणा बाद में की जाएगी।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

एनडीएमसी उपाध्यक्ष ने दो दिवसीय अखिल भारतीय शीतकालीन गुलाब प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने एनडीएमसी द्वारा द रोज़ सोसायटी ऑफ इंडिया के सहयोग से दो दिवसीय ऑल इंडिया विंटर रोज़ शो का आज उद्घाटन किया। एनडीएमसी गुलाब प्रदर्शनी में 198 खंडों और 22 वर्गों में 200 से अधिक प्रतिभागियों द्वारा 1400 प्रदर्शनों में गुलाब की 92 किस्मों को प्रदर्शित किया गया। इस दौरान कुलजीत सिंह चहल ने जीवन को प्रेरणा देने वाले गुलाब का महत्व बताते हुए कहा कि गुलाब के फूल की खासियत है कांटों के बीच खिलना और सौन्दर्यमयी होना, जो हर किसी का मन मोह लेता है। इससे हमें प्रेरणा मिलती है कि जीवन में चाहे कितनी भी पथरीली, कंटीली परेशानियां क्यों न आएं, हमें मुस्कुराते हुए आगे बढ़ते रहना चाहिए, एक दिन जिंदगी की सुंदरता अपने आप चमक उठेगी। चहल ने आगे कहा कि गुलाब की पौध उगाना उन लोगों का जुनून है, जो अपने दशकों को विभिन्न प्रकार के गुलाबों की किस्मों को उगाने में समर्पित करते हैं। वे आम जनता के लिए विभिन्न प्रकार के गुलाबों को उगाते हैं, खिलाते हैं और इसके लिए प्रकृति के बहुत करीब रहते हैं। यह प्रदर्शनी उनके लंबे समय के प्रयासों का परिणाम है और दुनिया के रोज़-मूवमेंट का एक हिस्सा है।

केजरीवाल पर मुकदमा चलाने की मंजूरी देने का आदेश सार्वजनिक करे ईडीः आआपा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के खिलाफ उपराज्यपाल द्वारा ईडी को मुकदमा चलाने की मंजूरी देने की खबरों पर आम आदमी पार्टी (आआपा) ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। मीडिया में इस आशय की खबरें आने के बाद मुख्यमंत्री आतिशी, आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया और सांसद संजय सिंह समेत कई अन्य वरिष्ठ नेताओं ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा की गई पोस्ट में ईडी को उपराज्यपाल के उस आदेश की कॉपी दिखाने की चुनौती दी है। साथ ही कहा है कि यह सिर्फ बाबा साहब आंबेडकर के अपमान के मुद्दे से दिल्ली के लोगों का ध्यान भटकाने और उन्हें गुमराह करने के लिए किया जा रहा है। इस मामले पर दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा, अगर उपराज्यपाल ने अरविंद केजरीवाल के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दी है, तो ईडी को मंजूरी की कॉपी सार्वजनिक करने में क्या दिक्कत है? यह खबर सिर्फ लोगों को गुमराह करने और मुद्दों से भटकाने के लिए फैलाई जा रही है। भाजपा ये साजिशें बंद करो। सच सामने लाओ। इसी क्रम में पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि अगर उपराज्यपाल विनय सक्सेना ने अरविंद केजरीवाल के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दी है, तो ईडी उस मंजूरी की कॉपी क्यों नहीं दिखा रहा है? यह साफ है कि ये खबर पूरी तरह गुमराह करने वाली है।

बम की झूठी कॉल पर एलजी का एक्शन, स्कूलों के शिक्षकों और छात्रों को इन मुद्दों से निपटने की दे ट्रेनिंग

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में स्कूलों को फर्जी बम धमकी और साइबर अपराध जैसे गंभीर खतरों से निपटने के लिए नई पहल की जा रही है। उपराज्यपाल (एलजी) वीके सक्सेना ने दिल्ली पुलिस को स्कूलों के शिक्षकों और छात्रों को इन मुद्दों से निपटने के लिए प्रशिक्षण देने का निर्देश दिया है। फर्जी बम धमकी और साइबर अपराध से जुड़ी घटनाओं ने सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है, जिस पर उपराज्यपाल ने सख्त रुख अपनाया है। एलजी ने पुलिस आयुक्त को निर्देश दिया है कि स्कूलों में शिक्षकों और छात्रों को फर्जी बम धमकी से निपटने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाए। उन्होंने जोर दिया कि इस तरह की घटनाओं से घबराने के बजाय सटीक और शांतिपूर्ण तरीके से निपटने की आवश्यकता है। एलजी ने कहा कि यह शिक्षकों और छात्रों को आपातकालीन स्थितियों में तेजी से और सही प्रतिक्रिया देने में मदद करेगा। एलजी ने फर्जी बम धमकी के साथ-साथ साइबर अपराध और साइबर बुलिंग जैसे बढ़ते खतरों पर भी ध्यान देने की जरूरत बताई। उन्होंने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया कि छात्रों और शिक्षकों को इनसे बचाव के उपाय सिखाए जाएं। साइबर अपराध के तहत बच्चों और शिक्षकों को न केवल ऑनलाइन खतरों की पहचान करना सिखाया जाएगा, बल्कि उनसे बचने और सुरक्षित रहने के उपाय भी बताए जाएंगे। एलजी ने पुलिस आयुक्त को 15 दिनों के भीतर इस दिशा में उठाए गए कदमों पर एक रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है।

गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिले के एंटी स्नैचिंग सेल और सरोजिनी नगर थाना की पुलिस टीम ने गांजा तस्करी के मामले में नदीम नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 990 ग्राम फाइन क्वालिटी का गांजा बरामद किया गया है। वह लक्ष्मीबाई नगर इलाके का रहने वाला है। जांच पड़ताल में पता चला है कि यह पहले भी इस तरह के मामलों में शामिल रहा है।

दक्षिण पश्चिम जिले के डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि नदीम के बारे में पुलिस टीम को एक गुप्त सूचना मिली थी। उसी आधार पर सफदरजंग एनक्लेव के एसीपी रणवीर सिंह की देखरेख में इंस्पेक्टर हरि सिंह, सब इंस्पेक्टर मांगीलाल, हेड कांस्टेबल अजय, मनोज, भगत, अनिल कुमार, नरेंद्र और कांस्टेबल बबलू यादव की टीम ने पिलंजी गांव में नदीम को धर दबोचा। इसके पास से बैग मिला, जिसमें गांजा रखा हुआ था। आगे की पूछताछ में पता चला कि बाहर से गांजा लाकर वह आसपास के इलाकों में बेचता है। वह लक्ष्मीबाई नगर के अर्जुन दास कैंप की झुग्गी बस्ती में रहता है।

अश्विनी वैष्णव ने 101 रेलवे अधिकारियों को अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार प्रदान किए

एजेंसी

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 101 रेलवे अधिकारियों को 69वां अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार और विभिन्न श्रेणियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 22 जोन को शील्ड प्रदान किए। वैष्णव ने सभी पुरस्कार विजेताओं को उनके असाधारण कार्य और प्रयास के लिए बधाई दी। उन्होंने पिछले एक दशक में भारतीय रेलवे में हुई परिवर्तनकारी प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने निर्माण की तीव्र गति, कश्मीर से कन्याकुमारी रेल लिंक जैसी परियोजनाओं को पूरा करने और पूर्वोत्तर कनेक्टिविटी पहलों का उल्लेख किया । उन्होंने कहा कि 2025 तक 100त्न विद्युतीकरण के लक्ष्य के साथ विद्युतीकरण के प्रयासों में तेजी आई है, जबकि वंदे भारत, नमो भारत और माल ढुलाई गलियारों जैसी परियोजनाओं ने गति पकड़ी है। कवच सुरक्षा प्रणाली को

बड़े पैमाने पर लागू किया गया है। वैष्णव ने स्टेशन पुनर्विकास में उल्लेखनीय प्रगति, परिणामी दुर्घटनाओं में पर्याप्त कमी (345 से 90 तक) और शिकायतों से मुक्त कुशल भर्ती प्रक्रिया, 1.5 लाख पदों को भरने का उल्लेख किया । उन्होने बताया कि रेलवे में स्वच्छता पहलों की प्रशंसा की गई है, जिसमें विपक्षी नेताओं की प्रशंसा भी शामिल है, और एक नया सुपर ऐप जल्द ही यात्रियों के अनुभव में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाला है वैष्णव ने बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण और यात्रियों को विश्व स्तरीय अनुभव प्रदान करने के लिए सुरक्षा, रखरखाव, गुणवत्ता और प्रशिक्षण में प्रयासों को तीन गुना करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने रखरखाव नवाचार पर महत्वपूर्ण ध्यान देने की घोषणा की, जिसमें उद्योग सहयोग, उन्नत निरीक्षण प्रणाली और अधिकारियों और तकनीशियनों के लिए बेहतर प्रशिक्षण शामिल है, जिसमें जमीनी स्तर से फीडबैक शामिल है। सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है, अगले वर्ष जीरो डिरेलमेंट वाली ज़ोन जैसी पहलों को शील्ड और वित्तीय पुरस्कारों से प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने सतत प्रगति सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक तकनीक, नीति सुधारों और संरचनात्मक परिवर्तनों के एकीकरण पर जोर दिया।

अब मटिया महल सीट पर प्रत्याशी बदलेगी आआपा, शोएब इकबाल की जगह उनके बेटे लड़ेंगे चुनाव

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) द्वारा सभी 70 सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा के बाद अब प्रत्याशी अपने-अपने क्षेत्र में चुनाव प्रचार में जुट गए हैं। वहीं, दो प्रत्याशी ऐसे भी हैं जिन्होंने अपनी मर्जी से विधानसभा चुनाव न लड़ने की इच्छा जताई है। दो दिन पहले ही महरौली सीट से मौजूदा विधायक नरेश यादव द्वारा चुनाव लड़ने को लेकर असमर्थता जताने के बाद आम आदमी पार्टी ने इस सीट पर महेंद्र चौधरी को प्रत्याशी बनाया दिया था। अब दिल्ली की मटिया महल विधानसभा सीट से आम आदमी पार्टी के मौजूदा विधायक शोएब इकबाल ने अपने बेटे के साथ पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल के आवास पर मुलाकात की। इस दौरान बैठक में दिल्ली के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। साथ ही शोएब इकबाल ने केजरीवाल से कहा कि इस बार वह चुनाव नहीं लड़ना चाहते हैं। इसके बाद केजरीवाल ने कहा कि अगर आप चुनाव नहीं लड़ते हैं तो आले मोहम्मद इक़बाल हमारे प्रत्याशी होंगे।

शोएब इकबाल ने खुद बयान देकर इस बात की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि केजरीवाल आज के समय में सुलझे हुए नेता हैं। उन्होंने बताया कि वो केजरीवाल से इस बार चुनाव न लड़ने के लिए कई कारण भी बताए हैं।

लहर-2024 आर्ट प्रदर्शनी का मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के डॉ. बी. आर. अंबेडकर स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस के परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (पीवीए) के युवा कलाकारों की आर्ट प्रतिभा के प्रदर्शन के लिए लहर-2024 आर्ट प्रदर्शनी का शानदार आगाज़ हुआ। चाणक्यपुरी स्थित शंकर चिल्ड्रन ट्रस्ट सेंटर में आयोजित प्रदर्शनी में सरकारी स्कूलों के बच्चों द्वारा बनाई गई आर्ट को देखकर लोग उनके मुरीद हो गए। यहां संगीत, विजुअल आर्ट्स, फिल्म मेकिंग, एक्टिंग और मीडिया स्टडीज के क्षेत्र में छात्रों ने अपना हुनर दिखाया। दो दिवसीय प्रदर्शनी का मुख्यमंत्री आतिशी व पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने उद्घाटन किया और बच्चों की प्रतिभाएं देखीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि इस प्रदर्शनी में छात्रों द्वारा दिखाई गई रचनात्मकता और अभिव्यक्ति बेहद सराहनीय है। इस प्रदर्शनी ने न केवल हमारे बच्चों की प्रतिभा को उजागर किया है बल्कि इन युवा कलाकारों की रचनात्मकता और क्रिटिकल थिंकिंग को भी बढ़ावा दिया है। इन स्कूलों में मिल रहे शानदार एक्सपोज़र द्वारा हम युवा आर्टिस्टों के लिए भविष्य के लिए शानदार मौक़े तैयार कर रहे है। आज हमारे लिए बहुत खुशी और गर्व की बात है कि, डॉ.बीआर. अंबेडकर स्कूल ऑफ़ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस जिनकी कुछ साल पहले ही शुरुआत हुई, एक सपने के साथ शुरुआत हुई कि सरकारी स्कूलों में भी टैलेंटेड बच्चे पढ़ते है। सरकारी स्कूलों के बच्चे जो ग़रीब परिवारों से आते है उनमें टैलेंट की कोई कमी नहीं है और उनके टैलेंट को सही दिशा मिलनी चाहिए।

100 दिन के सघन तपेदिक उन्मूलन अभियान के तहत अबतक 53 लाख लोगों की स्क्रीनिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने 100 दिन के सघन तपेदिक उन्मूलन अभियान पर सभी राज्य एवं केन्द्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों और स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ समीक्षा बैठक की। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि 100 दिन के इस अभियान के तहत अबतक 53 लाख लोगों की स्क्रीनिंग की गई। इनमें से करीब सवा दो लाख लोगों की टीबी की जांच की गई। इस अभियान के तहत टीबी के 22,178 नए मरीज मिले। निर्भय पोषण योजना के तहत 17,621 लाभार्थी हैं। इस बैठक में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, त्रिपुरा, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के साथ जुड़े थे। इसके साथ केरल सहित कई राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के स्वास्थ्य मंत्री भी बैठक में शामिल हुए। जेपी नड्डा ने सभी प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों को इस अभियान की

प्रगति की निगरानी करने, अन्य मंत्रालयों और विभागों को शामिल करने और जागरुकता सुनिश्चित करने के लिए विधान सभाओं और परिषदों के सदस्यों को प्रोत्साहित करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि 2025 तक टीबी उन्मूलन के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमें समग्र सरकारी दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने मुख्यमंत्रियों और राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ बातचीत करते हुए बताया कि राज्यों के पास पहले से ही टीबी की दवाओं का लगभग दो महीने का अग्रिम भंडार है। उन्होंने रेखांकित किया कि केंद्र राज्यों में टीबी दवाओं के कम से कम 6 महीने के अग्रिम स्टॉक को उपलब्ध कराने के लिए आगे काम कर रहा है। इस मौके पर जेपी नड्डा ने कहा कि भारत में टीबी की दर में 2015 के 8.3 प्रतिशत के मुकाबले अब 17.7 प्रतिशत की कमी आई है, जो वैश्विक औसत से काफी अधिक है। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले 10 वर्षों में भारत में टीबी के कारण होने वाली मौतों में 21.4 प्रतिशत की उल्लेखनीय कमी आई है। टीबी उन्मूलन की दिशा में हासिल की गई उपलब्धियों का श्रेय राज्यों को देते हुए केंद्रीय मंत्री ने अभियान के प्रति उनके समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त किया। स्वास्थ्य मंत्री ने टीबी अभियान में राज्य मंत्रियों को बैठकों और रैलियों में अभियान को बढ़ावा देने का अनुरोध किया और उनसे टीबी रोगियों को गोद लेने के लिए नि-क्षय मित्र के रूप में आगे आने का भी आग्रह किया।

विपक्ष ने आंबेडकर को लेकर शाह के बयान को गलत तरीके से किया पेश : मांझी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री जीतन राम मांझी ने गत दिनों संसद में हुई अप्रिय घटना की कड़ी निंदा करते हुए इसके लिए विपक्ष को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ही बाबा साहेब का सबसे ज्यादा सम्मान हुआ है। नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर मीडियाकर्मियों से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विपक्ष की वजह से जिस तरह की अप्रिय घटना संसद में घटी, वह संसदीय इतिहास में पहली बार हुआ, जब दो सांसदों को हॉस्पिटलाइज होना पड़ा। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब आंबेडकर को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा दिए गए बयान को पब्लिक डोमेन में गलत तरह से पेश किया गया। बाबा साहेब आंबेडकर का जितना सम्मान वर्तमान सरकार में हुआ है वैसा कभी भी कांग्रेसी सरकारों में नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि भले ही विपक्ष केंद्रीय गृह मंत्री की बात न समझ पाई हो लेकिन देश की जनता अच्छी तरह समझती है। मांझी ने देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू को

आरक्षण विरोधी बताते हुए कहा कि अगर उनके द्वारा संविधान सभा में की गई आरक्षण विरोधी बातों को अमल में लाया जाता तो आज देश में कोई भी पिछड़ा और गरीब आगे नहीं बढ़ पाता। केंद्रीय मंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग संविधान निर्माता की तख्तियां लेकर घूम रहे हैं और संविधान पर खतरे की बात कर रहे हैं, उन्हीं के कालखंड में संविधान को सबसे ज्यादा खतरा था। उन्होंने ही सबसे ज्यादा संविधान निर्माता का अनादर किया। उन्होंने कहा कि अभी संविधान पर कोई खतरा नहीं है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ही बाबा साहेब का सबसे ज्यादा सम्मान हुआ है।

भाजपा ने दिल्ली सरकार की डॉ. आंबेडकर सम्मान स्कॉलरशिप योजना पर उठाया सवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भजापा) ने दलित छात्रों के लिए आज घोषित दिल्ली सरकार की डॉ. आंबेडकर सम्मान स्कॉलरशिप योजना पर सवाल उठाते हुए इसे पुरानी योजना बताया है। पार्टी का आरोप है कि केजरीवाल सरकार ने 2019 में इस योजना की घोषणा की थी लेकिन आज तक इससे कितने छात्र लाभान्वित हुए, इसकी कोई जानकारी नहीं हैं।

भाजपा की आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर इस घोषणा से संबंधित एक विज्ञापन की प्रति साझा करते हुए लिखा, ÷चुनाव से पहले - हर रोज उठो, नई घोषणा करो, फिर सो जाओ। चुनाव के बाद - सभी घोषणाओं को भूल जाओ और शराब घोटाले में लग जाओ। वैसे इस योजना की घोषणा उन्होंने 2019 में की थी। बड़ा प्रचार करवाया था लेकिन आज तक कितने दलित छात्रों को पढ़ने के लिए विदेश भेजा, उसकी किसी को भी जानकारी नहीं है। दलित छात्रों के लिए छात्रवृत्ति और विदेश में पढ़ने के लिए आर्थिक सहायता की योजना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की घोषणा की। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली सरकार विदेश में पढ़ाई के लिए जाने वाले दलित छात्रों की शिक्षा का पूरा खर्च उठाएगी। उल्लेखनीय है कि आम आदमी

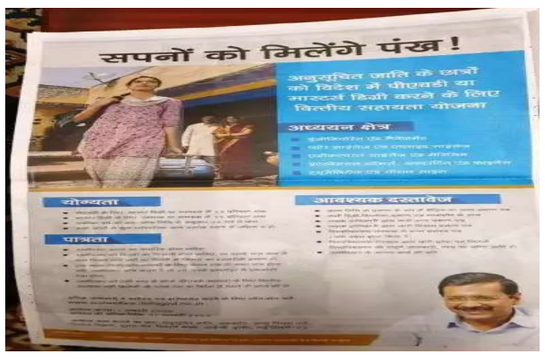

सरकार पिछले दस वर्षों से चला रही है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दलित छात्रों के लिए डॉ. अंबेडकर सम्मान छात्रवृत्ति की पार्टी सरकार ने 2019 में विदेश में पढ़ने वाले करीब 100 दलित छात्रों की उच्च शिक्षा के लिए एक योजना शुरू करने की बात कही थी। इस योजना को वित्तीय वर्ष 2019-20 से लागू करने का प्रस्ताव था।

अमित शाह के इस्तीफे की मांग को लेकर अगले सप्ताह देशव्यापी अभियान शुरू करेगी कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी ने आंबेडकर के मुद्दे पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग को लेकर देशव्यापी आंदोलन शुरू करने का ऐलान किया है। प्रमुख विपक्षी पार्टी अगले सप्ताह को आंबेडकर सम्मान सप्ताह के रूप में मनाएगी।

कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने आज यहां एक वक्तव्य में कहा कि गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफ़े की मांग को लेकर हमारा आंदोलन जारी रहेगा। हम मनुस्मृति के उपासकों के खिलाफ बाबासाहेब आंबेडकर की विरासत की रक्षा के लिए लड़ेंगे। कांग्रेस पार्टी आगामी सप्ताह को डॉ. आंबेडकर सम्मान सप्ताह के रूप में मनाएगी। उन्होंने कहा कि सभी कांग्रेस सांसद, वरिष्ठ नेता और कांग्रेस कार्यसमिति सदस्य 22-23 दिसंबर को देश भर में अपने निर्वाचन क्षेत्रों और गृह जिलों में प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। 24 दिसंबर को पूरे देश में हम बाबासाहेब आंबेडकर सम्मान मार्च निकालेंगे और अमित शाह के इस्तीफ़े की मांग करते हुए जिला कलेक्टरों के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपेंगे। सभी कांग्रेस कार्यकर्ता बाबासाहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे और मार्च निकालेंगे। मार्च के दौरान बाबा साहेब आंबेडकर का विशाल चित्र रखेंगे और अपनी प्रमुख मांगों के

साथ बड़ी-बड़ी तख्तियां लेकर चलेंगे। कांग्रेस महासचिव वेणुगोपाल ने कहा कि 26-27 दिसंबर को हम बेलगावी में एक विस्तारित कांग्रेस कार्यसमिति सत्र और एक मेगा रैली आयोजित करेंगे, जहां हम डॉ. आंबेडकर और उनके आदर्शों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराएंगे। उल्लेखनीय है कि संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान राज्यसभा में संविधान के 75 वर्षों की स्वर्णिम यात्रा पर चर्चा के दौरान केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने अपने जवाब में बाबा साहेब आंबेडकर के योगदान की सराहना की थी। हालांकि उस दौरान उनके भाषण में 11 सेकेंड के अंश को विवादास्पद बताते हुए कांग्रेस ने उस कथ्य को बाबा साहेब का अपमान करार दिया है। इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस सत्तारूढ़ भाजपा और अमित शाह पर हमलावर है।

मजदूरों को आर्थिक सहायता नहीं दे रही दिल्ली सरकार: विजेंद्र गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने दिल्ली सरकार पर मजदूर विरोधी होने का आरोप लगाते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार कोर्ट के आदेशों की अवहेलना कर भवन निर्माण मजदूरों को आर्थिक सहायता उपलब्ध नहीं करवा रही है। कोर्ट ने दिल्ली में प्रदूषण बढ़ने पर ग्रेप-4 लागू होने के कारण बेरोजगार हुए लाखों श्रमिकों को तुरंत आर्थिक मदद के रूप में प्रत्येक पात्र श्रमिक को आठ हजार रुपये देने का आदेश दिल्ली सरकार को दिया था। लेकिन दिल्ली सरकार के असंवेदनशील रवैये के कारण लाखों मजदूरों के बच्चों को अन्न का निवाला तक उपलब्ध नहीं हो पा रहा है।गुप्ता ने कहा कि प्रदूषण के मद्देनजर एक बार फिर से ग्रेप-4 का दूसरा चरण लागू हो गया है और निर्माण गतिविधियों पर रोक के कारण दिल्ली के 20 लाख मजदूर फिर से बेरोजगार हो गए हैं। उनके परिवारों पर रोजी रोटी का संकट खड़ा हो गया है। गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार ने खुद पिछले दिनों दिल्ली बिल्डिंग एंड अदर कंस्ट्रक्शन वर्कर्स वेलफेयर बोर्ड में पंजीकृत 90,759 श्रमिकों को 8000 रुपये की एकमुश्त आर्थिक सहायता देने का वादा किया था, लेकिन किसी भी मजदूर को 8 हजार रुपये नहीं मिले हैं। गुप्ता ने हैरानी जताई कि सरकार इतनी असंवेदनशील कैसे हो सकती है। ये मजदूर अगर इतने ही पढ़े लिखे होते और अपने बैंक खातों को आधार से लिंक करना जानते तो वो मजदूरी नहीं कर रहे होते। सरकार को इनके प्रति उदारवादी नीति अपनाते हुए इन्हें आर्थिक सहायता दी जानी चाहिए और आगे के लिए अपना खाता आधार से लिंक करने के लिए उन्हें सलाह दी जानी चाहिए। गुप्ता ने मांग की है कि इन सभी 11 लाख श्रमिकों को भी तुरंत आर्थिक सहायता देकर उनके रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू करवाई जानी चाहिए। गुप्ता ने कहा कि 90,759 रजिस्टर्ड श्रमिकों के साथ-साथ उन श्रमिकों को भी आर्थिक सहायता दी जानी चाहिए, जिन्होंने जानकारी के अभाव में इस बोर्ड के अंतर्गत अपना रजिस्ट्रेशन नहीं करवाया है या फिर अपना बैंक खाता अपने आधार के साथ नहीं जुड़वाया है।

दिल्ली आबकारी नीतिः एलजी ने अरविंद केजरीवाल पर मुकदमा चलाने के लिए ईडी को मंजूरी दी

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें विधानसभा चुनाव से ऐन पहले बढ़ती नजर आ रही हैं। शुरू से ही विवादों में रही दिल्ली की नई आबकारी नीति के मामले में उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने केजरीवाल के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को मंजूरी दे दी है। ईडी ने इसी महीने के आरम्भ में केजरीवाल के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति मांगी थी। ईडी ने अपनी जांच-पड़ताल में कथित तौर पर आबकारी नीति को तैयार करने और उसके कार्यान्वयन में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार पाया था। इसका उल्लेख इस साल 17 मई को राऊज एवेन्यू कोर्ट में दायर अभियोजन शिकायत संख्या 7 में किया गया था। अदालत ने 9 जुलाई को शिकायत का संज्ञान लिया। ईडी की अभियोजन शिकायत में आरोप लगाया गया है कि केजरीवाल ने साउथ ग्रुप के सदस्यों के साथ मिलकर 100 करोड़ रुपये की रिश्वत ली और टेलर-मेड शराब नीति तैयार करके और उसे लागू करके निजी संस्थाओं को अनुचित लाभ पहुंचाया।इसमें कहा गया है कि

साउथ ग्रुप के लिए विभिन्न शराब की दुकानों में हिस्सेदारी सुनिश्चित की गई थी और उसे आबकारी नीति 2021-22 के उद्देश्यों के विरुद्ध कई खुदरा क्षेत्र रखने की अनुमति दी गई थी। ईडी ने अभियोजन शिकायत में यह भी आरोप लगाया कि अपराध की आय में से लगभग 45 करोड़ रुपये का इस्तेमाल गोवा चुनावों में केजरीवाल की मिलीभगत और सहमति से आम आदमी पार्टी के प्रचार के लिए किया गया था। जांच एजेंसी ने आरोप लगाया, आम आदमी पार्टी अपराध की आय की ÷प्रमुख लाभार्थी÷ थी। केजरीवाल पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक तथा राजनीतिक मामलों की समिति और राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य होने के नाते अंततः गोवा चुनावों के दौरान धन के उपयोग के लिए जिम्मेदार थे। तत्कालीन मुख्य सचिव नरेश कुमार की आंतरिक रिपोर्ट के आधार पर जुलाई 2022 में एलजी ने दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 के निर्माण और कार्यान्वयन में कथित प्रक्रियात्मक खामियों और नियमों एवं अधिनियमों के उल्लंघन की सीबीआई जांच की सिफारिश की। केजरीवाल को 21 मार्च, 2024 को मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उन्हें सितंबर में सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दी थी।हालांकि, इस मामले में आम आदमी पार्टी और केजरीवाल खुद को बेकसूर और बेदाग बताते रहे हैं। वह समय-समय पर दावा करते रहे हैं कि दो साल तक चली जांच में 50 हजार पन्नों के दस्तावेज दाखिल किए गए और बड़ी संख्या में छापेमारी की गई लेकिन कोई पैसा बरामद नहीं हुआ।

नमो भारत यात्रियों के लिए किराए पर मिलेगी 10 प्रतिशत छूट

एजेंसी

गाजियाबाद। नमो भारत ट्रेन के यात्रियों के लिए खुशखबरी है अब उन्हें किराए में 10 प्रतिशत की छूट मिल सकेगी इसको लेकर एनसीआरटीसी ने लालित्य प्वाइंट प्रोगाम लॉन्च कर दिया है। एनसीआरटीसी के प्रबंध निदेशक, शलभ गोयल ने साहिबाबाद आरआरटीएस स्टेशन पर वरिष्ठ अधिकारियों और यात्रियों की उपस्थिति में किया। इसके अलावा यात्रियों के लिए द्वि-मासिक न्यूज़लेटर नमो भारत टाइम्स का भी अनावरण किया गया। नमो भारत यात्रियों के साथ जुड़ने और उन्हें नमो भारत टिकटों पर 10प्रतिशत की छूट के लिए, एनसीआरटीसी ने 'आरआरटीएस कनेक्ट' मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से लॉयल्टी पॉइंट्स कार्यक्रम की शुरूआत की है। एनसीआरटीसी के प्रवक्ता पुनीत वत्स ने बताया कि लॉयल्टी पॉइंट्स प्रोग्राम के तहत, यात्रियों को नमो भारत ट्रेन टिकट पर खर्च किए गए प्रत्येक रुपये के बदले 1 अंक प्राप्त होगा। प्रत्येक लॉयल्टी पॉइंट का मूल्य ?0.10 (10 पैसे) है और इसे यात्रियों के 'आरआरटीएस कनेक्ट' खाते में जमा किया जाएगा। इन पॉइंट्स का प्रयोग भविष्य में टिकट खरीदने के लिए किया जा सकेगा।इस पहल से न केवल यात्रियों को आर्थिक लाभ होगा, बल्कि आरआरटीएस कनेक्ट ऐप के माध्यम से डिजिटल क्यूआर टिकट के उपयोग को भी बढ़ावा मिलेगा। पेपरलेस टिकटिंग के माध्यम से यह यात्रा को भी सरल बनाएगा। यह पर्यावरण अनुकूल उपाय एनसीआरटीसी के तेज, विश्वसनीय, सुरक्षित, आरामदायक, कुशल और सतत गतिशीलता समाधान प्रदान करके लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने के दृष्टिकोण के अनुरूप है। 'आरआरटीएस कनेक्ट' ऐप डाउनलोड करने वाले प्रत्येक नए उपयोगकर्ता को 500 लॉयल्टी पॉइंट प्रदान किए जा रहे हैं 50 रुपये के बराबर हैं। यात्री 'आरआरटीएस कनेक्ट' ऐप को अन्य उपयोगकर्ताओं को रेफर करके अतिरिक्त 500 लॉयल्टी पॉइंट भी अर्जित कर सकते हैं। रेफर करने वाले और जिसे रेफर किया गया है, दोनों को 500 लॉयल्टी पॉइंट प्राप्त होंगे जो 50 रुपये के बराबर हैं, जिन्हें उनके संबंधित खातों में जमा किया जाएगा। सभी अर्जित लॉयल्टी पॉइंट क्रेडिट होने की तारीख से एक वर्ष तक वैध रहेंगे, जो निरंतर और सतत यात्रा और निरंतर ऐप के प्रयोग को प्रोत्साहित करेंगे।

धान 1121 के भाव में नहीं हो रहा इजाफा

एजेंसी

जींद। धान 1121 के भाव में इजाफा नही हो रहा है। इस बार किसानों को सीजन की शुरूआत से लेकर जो भाव मिल रहे है वो बीते साल से कम मिल रहे है। किसानों को भाव बढऩे की उम्मीद है लेकिन अबतक भाव में तेजी नही आ रही है। इन दिनों कम से कम 3250 प्रति क्विंटल तो अधिक से अधिक 4101 रुपये प्रति क्विंटल के भाव मिल रहे हैं। बीते साल इन दिनों कम से कम 4651 प्रति क्विंटल तो अधिक से अधिक 4820 रुपये प्रति क्विंटल तक के भाव किसानों को मिल रहे थे। 800 क्विंटल 1121 धान की आवक हुई तो बीते साल 799 क्विंटल आवक हुई थी। अबतक 342560 क्विंटल आवक हो चुकी है। बीते साल 328337 क्विंटल आवक हुई थी। इस साल 14233 क्विंटल अधिक धान 1121 मंडी पहुंची है। किसान जगबीर, राजेंद्र, सुखबीर ने कहा कि इस साल आवक भी उम्मीद से कम है तो भाव भी बीते साल से कम किसानों को मिल रहे है। इस बार 1121 धान किसानों के लिए अब तक घाटे का सौदा साबित हो रही है। प्रति क्विंटल किसानों को बीते साल की अपेक्षा कम भाव मिलने से नुकसान हो रहा है। मार्केट कमेटी सचिव संदीप कासनिया ने बताया कि 1121 धान के भाव बीते साल से कम इन दिनों किसानों को मिल रहे है।

राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा

जींद। राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने अपनी मांगों को लेकर जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में ज्ञापन सौंपा। जिला महासचिव अश्वनी नैन, पूर्व जिला प्रधान रुपेंद्र गोयत ने बताया कि ज्ञापन सौंपने से पहले बैठक की गई और अध्यापकों की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई। कृष्ण सैनी, सोमदत्त बेदी ने बताया कि एसीपी मामलों में 2012 से पहले लगी अनावश्यक शर्त को तुरंत प्रभाव से हटाया जाए। मेडिकल संबंधी मामले और एलटीसी से संबंधित सभी मामलों का निपटारा जल्द से जल्द किया जाए। 2011 बैच के साथियों की एफआईआर रद्द करने का भी प्रस्ताव रखा, जिन्हें निदेशक की और से क्लीनचिट मिल चुकी है। इस बारे में जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी ने पत्र जारी कर दिया है। सभी प्राथमिक विद्यालयों में सफाई व्यवस्था के लिए नियमित स्वीपर की मांग रखी गई। हरियाणा सरकार को चाहिए कि प्राथमिक विद्यालयों में उचित सफाई व्यवस्था बनाए रखने के लिए जल्द से जल्द स्वीपर की व्यवस्था करें। इस मौके पर अश्वनी नैन, प्रवीण यादव, राजेश चहल, देवी दयाल, अजय यादव, रामकेश, दिलबाग सिंह, राजेश चहल, सुशील, संतरो सहारण, मांगे राम, रविंद्र, जयबीर, महाबीर आदि उपस्थित रहे।

सरकारी नौकरी और विदेश भेजने के नाम पर 34.5 लाख की ठगी

सोनीपत। सोनीपत में चार युवकों को सरकारी नौकरी और एक युवक को यूएसए भेजने का झांसा देकर 34.5 लाख रुपये ठगने का मामला सामने आया है। पीड़िता ओमपति ने सत्संग में बनी धर्म बहन के जरिए आरोपी से संपर्क किया। अपने बेटे समेत अन्य परिचितों को नौकरी दिलाने के लिए पैसे दिए। सेक्टर-27 पुलिस ने आरोपी नरेश के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है, जो हरियाणा शिक्षा बोर्ड में क्लर्क बताया जा रहा है। ओमपति ने बताया कि मुरथल गांव की किरण उसकी सत्संग बहन है, उसने उसकी पहचान नरेश से कराई। किरण ने नरेश को भरोसेमंद बताते हुए कहा कि वह कई युवकों को नौकरी दिला चुका है और कुछ को विदेश भी भेजा है। नरेश ने धर्म भाई होने का फायदा उठाते हुए घर आना-जाना शुरू कर दिया। उसने ओमपति को सरकारी नौकरी और विदेश भेजने के लिए पैसों की मांग की। साहिल उर्फ शालू को क्लर्क बनाने के लिए 3 लाख रुपये दिए। अक्षय को ग्रुप डी में भर्ती कराने के लिए 2.5 लाख रुपये दिए। सुमित को क्लर्क बनाने के लिए 3 लाख रुपये कैश दिए। सोहित उर्फ विवेक को क्लर्क बनाने के लिए 6.99 लाख रुपये बैंक खाते में ट्रांसफर किए। बेटे रवि को यूएसए भेजने के लिए 19 लाख रुपये विभिन्न खातों से दिए। न नौकरी मिली, न बेटा विदेश गया, और न ही पैसे वापस मिले। सेक्टर-27 थाना के जांच अधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि आरोपी नरेश के खिलाफ धारा 420 और 406 के तहत केस दर्ज कर लिया गया है।

वर्ल्ड मेडिटेशन डे पर लाइफ काउंसलर सत्य पाल अग्रवाल ने किया 'सत्य श्वाससाधना' का शुभारंभ

हिसार। तनाव रहित खुशहाल जीवन शैली पर कार्यरत सामाजिक संस्था सजग व यज्ञ हवन विश्व कल्याण की ओर से वर्ल्ड मेडिटेशन डे पर लाइफ काउंसलर सत्य पाल अग्रवाल द्वारा द्वारा सृजन की गई ध्यान विधि 'सत्य श्वाससाधना' का शुभारंभ किया गया है। इस अवसर पर मलिक चौक स्थित सजग के कार्यालय वास्तु हब में आयोजित सेशन में सजग के प्रदेशाध्यक्ष वास्तु आर्किटेक्ट एवं लाइफ काउंसलर सत्य पाल अग्रवाल ने शनिवार को कहा कि 'केवल सत्य को देखने'के सार्वभौमिक सिद्धांत पर डिजाइन किया गया 'सत्य श्वाससाधना' ध्यान का एक सरलतम अभ्यास है, जो हर किसी की मदद कर सकता है। इस ध्यान अभ्यास से हम अपने भीतर के आत्म से जुड़ सकते हैं, अधिक जागरूक हो सकते हैं और अपनी भावनाओं को बेहतर ढंग से प्रबंधित कर सकते हैं। यह चिंता और तनाव को कम करने के लिए नियमित दिनचर्या में शामिल करने का एक बढ़िया विकल्प है। सत्यपाल अग्रवाल ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में आराम करने और तनाव दूर करने के तरीके ढूंढ़ना बहुत ज़रूरी हो गया है।

मुख्यमंत्री ने किसान संघ के नेताओं से बैठक में की किसानों की समस्याओं पर चर्चा

एजेंसी

झज्जर। भारतीय किसान संघ हरियाणा के प्रतिनिधि मंडल ने प्रदेश अध्यक्ष सतीश छिकारा के नेतृत्व में प्रदेश के किसानों की समस्याओं लेकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से चंडीगढ़ निवास पर बैठक की। बैठक में 26 बिंदुओं पर समस्याओं को लेकर मंथन किया। मुख्यमंत्री ने सभी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनो और यथासंभव समाधान का आश्वासन दिया। भारतीय किसान संघ के प्रदेश अध्यक्ष सतीश छिकारा ने बताया कि बैठक में मुख्यमंत्री के अलावा मुद्दों से संबंधित कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा, लोकनिर्माण व खनन मंत्री कृष्ण पंवार और संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी भी उपस्थित रहे। मुख्य बिंदु रबी की फसल से पहले किसानों को खाद की समस्या न आए। इसके

समय पूर्व पुख्ता इंतजाम किए जाएं। खाद विक्रेताओं द्वारा खाद के साथ अन्य सामग्री न थोपी जाए और काला बाजारी पर पूर्ण रोक लगे। मंडियों में किसान की धान की फसल को एमएसपी से कम रेट पर खरीदा गया तो इसकी जांच हो। भारतीय किसान संघ के नेताओं ने मुख्यमंत्री से बातचीत में कहा कि सरकार मिल मालिकों की मनॉपली को तोड़ने के लिए हैफेड के मिल चालू करे। बहुत सारे जिलों में कृषि भूमि में जल भराव की समस्या है इसके लिए ओर व्यापक प्रयास किए जाएं। घरेलू बिजली उपभोक्ताओं के लिए बिल माफी योजना हर साल 6 महीने चालू रखी जाए और ब्याज के अलावा मूल से भी 10त्न की छूट दी जाए। उन्होंने मांग की कि किसानों पर सोलर पंप थोपा न जाए, ट्रांसफार्मर चोरी या खराब होने पर या शिफ्टिंग पर किसान से पैसा न लिया जाए। बिजली कनेक्शनों का लोड हर साल बढ़वाने का मौका किसानों को मिले।छोटे व सीमांत किसानों को पावर टिलर पर सब्सिडी दी जाए। किसानों के कृषि यंत्रों पर जीएसटी न लिया जाए।

आदमपुर बहुतकनीकी के छात्रों ने जीता रोड सेफ्टी क्विज कंपटीशन

एजेंसी

हिसार। राजकीय बहुतकनीकी आदमपुर की एनएसएस टीम ट्रैफिक पुलिस की ओर से आयोजित सड़क

सुरक्षा प्रतियोगिता के तीसरे चरण में जिला स्तर की कैटेगरी में प्रथम स्थान पर रही है। प्रतियोगिता का आयोजन पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गंगवा में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विजेता टीम को मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित पुलिस उप अधीक्षक संजीव कुमार ने प्रशस्ति पत्र व डिस्ट्रिक शील्ड देकर सम्मानित किया। प्राचार्य डॉ. कुलवीर सिंह अहलावत ने विजेता टीम को बधाई देते हुए आगे होने वाले जोनल लेवल कंपटीशन के किए शुभकामनाएं दी। एनएसएस ऑफिसर राकेशशर्मा ने भी खुशी व्यक्त करते हुए छात्रों को बधाई दी और सह समन्वयक दिनेश यादव व रमेश कुमार का भी उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। संस्थान पहुंचने पर छात्रों का हर्षोल्लास के साथ स्वागत किया गया।

महिला उत्पीड़न करने वाले अपराधियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए: लाल बहादुर खोवाल

एजेंसी

हिसार। शहर के मुख्य दूरभाष कार्यालय में महिला यौन उत्पीड़न के विरुद्ध सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में समाजसेवी व एडवोकेट लाल बहादुर खोवाल मुख्य वक्ता रहे जबकि भीख नहीं किताब दो संस्था की संचालिका अन्नु चीनिया ने मनोनीत सदस्य के रूप में हिस्सा लिया। दूरभाष केन्द्र में आयोजित इस कार्यक्रम में एडवोकेट खोवाल ने कहा कि कार्यस्थल पर यदि किसी का उत्पीड़न होता है तो आंतरिक शिकायत कमेटी उसकी सुनवाई करती है। इसलिए हर विभाग व संस्थान में उत्पीड़न संबंधी शिकायतों के लिए आंतरिक शिकायत कमेटी बनाने का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि महिला उत्पीड़न के विरुद्ध सजा का प्रावधान है लेकिन अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता व तत्परता बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि महिला उत्पीड़न करने वाले अपराधियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। कार्य स्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न, रोकथाम, निषेध और निवारण विषय पर आयोजित सेमिनार के दौरान बीएसएनएल के डीजीएम जगदीश चंद्र लाठर, आईएफए सुनीता गांधी, एडवोकेट विकास गोयल, एडवोकेट

हिमांशु आर्य खोवाल, जगदीश बिश्नोई, एडवोकेट कुसुम, बीएसएनएल के एजीएम सुशील जौहर व सतपाल संधु और एसडीई प्रतिभा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। एडवोकेट खोवाल ने कहा कि किसी कर्मचारी पर डिमोशन का दबाव बनाकर, प्रमोशन का प्रलोभन देकर या प्रमोशन रूकवाने का डर दिखाकर आदि हथकंडे अपनाकर किसी महिला को गलत कार्य करने या गलत संबंध बनाने के लिए दबाव देना कानूनन अपराध है। इसी भांति किसी महिला कर्मी के प्रति आक्रामक हो जाने, उसके विरुद्ध आपत्तिजनक कार्य करने, उसके स्वास्थ्य व सुरक्षा से खिलवाड़ करने संबंधी कृत्य भी अपराध की श्रेणी में आते हैं। ऐसे कृत्यों के विरुद्ध कार्रवाई में आंतरिक शिकायत कमेटी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इस समिति में विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ-साथ किसी एनजीओ से जुड़े व्यक्ति को भी सदस्य बनाने का प्रावधान है। इसी के तहत अन्नु चीनिया टेलीफोन एक्सचेंज की कमेटी की सदस्य हैं। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ कंपनी के संविधान या सर्विस रूल के अनुसार कमेटी कार्रवाई करती है।

आध्यात्मिकता से ही होती है सत्य-असत्य की पहचान: जस्टिस रंजन गोगोई

एजेंसी

गुरुग्राम। जस्टिस गोगोई ने कहा कि आध्यात्मिकता जीवन को उपयुक्त लक्ष्य प्रदान करती है। सत्य और असत्य की पहचान आध्यात्मिकता के द्वारा ही होती है। आध्यात्मिकता हमें दिव्य गुणों से भरती है। आध्यात्मिकता से ही प्रशासनिक व्यवस्थाओं में बेहतर सुधार लाया जा सकता है। ब्रह्माकुमारीज संस्था आध्यात्मिकता के द्वारा विश्व भर के लोगों को प्रेरित कर रही है। यह बात राज्यसभा सांसद एवं भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई ने ब्रह्माकुमारीज के ओम शांति रिट्रीट सेंटर में न्यायविदों के लिए आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि कही।

स्वस्थ एवं न्याययुक्त समाज के लिए आध्यात्मिक शक्ति विषय पर उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक शक्ति के कारण ही ब्रह्माकुमारीज संस्था सिंध के एक छोटे से स्थान से आज विश्व के अनेक देशों में व्यापक हो गई। संस्था के ज्यूरिस्ट विंग के उपाध्यक्ष एवं मध्य प्रदेश, उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश माननीय बी.डी.राठी ने प्रभाग द्वारा की जा रही सेवाओं के बारे में बताया। उन्होंने

कहा कि राजयोग के माध्यम से हम स्वस्थ एवं न्याय सम्मत समाज का निर्माण कर सकते हैं। ओआरसी की निदेशिका राजयोगिनी आशा दीदी ने संस्था के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किसी न किसी प्रकार से नियमों के उल्लंघन करने से ही स्वास्थ्य पर भी उनका असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता चुनौतियों का सामना करने की शक्ति प्रदान करती है। प्रकृति के नियमों के साथ खिलवाड़ ही बीमारियों को आह्वान करना है। संस्था के प्रमुख महासचिव राजयोगी बीके बृजमोहन ने माउंट आबू से वीडियो कॉन्फ्रेंस के द्वारा सभा को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि दुःख-अशांति का मूल कारण काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार जैसे मनोविकार हैं। आध्यात्मिक चेतना के द्वारा ही इन मनोविकारों पर विजय पाई जा सकती है। ज्यूरिस्ट विंग की अध्यक्षा राजयोगिनी बीके पुष्पा दीदी ने कहा कि एक समय ऐसा भी था, जब भारत में सभी लोग मर्यादित थे। जिसको ही हम स्वर्ग कहते हैं। वहां किसी भी प्रकार के दंड की आवश्यकता नहीं पड़ती थी। आज की स्थिति का मूल कारण ही अमर्यादित समाज है।

बूंदाबांदी व पश्चिमी विक्षोभ बढ़ाएगा हरियाणा में ठंडक

एजेंसी

हिसार। प्रदेश में अगले कुछ दिन अब सर्दी कंपकंपाएगी। आने वाले समय में जहां छिट्पुट बूंदाबांदी से मौसम में ठंडापन आएगा वहीं पश्चिमी विक्षोभ भी ठंड बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएंगे। सर्दी बढ़ने के साथ ही विशेषज्ञों ने किसानों व आम नागरिकों के लिए हिदायतें जारी की है।

आने वाले कुछ दिन प्रदेश में ठंडक भरे होंगे। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार राज्य में पश्चिमी विक्षोभ के आंशिक प्रभाव से रविवार 22 दिसंबर से हवाओं में बदलाव आएगा। इसके चलते उत्तर पूर्वी हवाएं चलने की संभावना से राज्य में 22 दिसंबर रात्रि व 23 दिसंबर को मौसम आमतौर पर परिवर्तनशील रहेगा। इसके साथ ही दक्षिण पश्चिमी क्षेत्रों में 23 दिसंबर को कुछ स्थानों पर छिटपुट बूंदाबांदी या हल्की बारिश होने की

भी संभावना बन रही है। इसी के साथ 24 से 26 दिसंबर तक मौसम आमतौर पर खुश्क रहेगा। उत्तरी व उत्तर पश्चिमी ठंडी हवाएं हल्की गति से चलने से रात्रि तापमान में गिरावट आने की संभावना है। इस दौरान राज्य के कुछ एक क्षेत्रों में अलसुबह धुंध या स्मॉग रहने की संभावना है। यही नहीं, राज्य में 26 दिसंबर से पश्चिमी विक्षोभ भी सक्रिय होगा। इस पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव आंशिक रहेगा। पश्चिमी विक्षोभ के आंशिक प्रभाव से राज्य के मौसम में फिर से बदलाव संभावित। माना जा रहा है कि इस प्रभाव से ठंडापन बना रहेगा। केन्द्रीय मौसम विज्ञान विभाग ने भी कई राज्यों के लिए शीत लहर और घने कोहरे की चेतावनी जारी की है।

इसके तहत 22 से 25 दिसंबर के दौरान पंजाब, हरियाणा, असम और मेघालय में, 21 और 22 दिसंबर को पश्चिम बंगाल, सिक्किम और बिहार में भी घना कोहरा छाए रहने की संभावना है।हिसार स्थित हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. एमएल खीचड़ ने बताया कि आगामी कुछ दिनों में प्रदेश का मौसम परिवर्तनशील रहेगा। इस दौरान कहीं हल्की बूंदाबांदी, पश्चिमी विक्षोभ व अन्य कारक मौसम की ठंडक बढ़ाएंगे।

कुरुक्षेत्र में 26 दिसंबर को मनाया जाएगा राज्य स्तरीय वीर बाल दिवस समारोह

एजेंसी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा में बड़े स्तर पर 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाने का फैसला किया है। यह निर्णय उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उक्त तारीख को वीर बाल दिवस के रूप में मनाए जाने के ऐलान पर किया है। हरियाणा सरकार ने इसकी रूपरेखा तैयार कर ली है। मुख्यमंत्री के ओएसडी डा. प्रभलीन सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह के साहिबजादों की कुर्बानी की याद में वीर बाल दिवस मनाया जाना है। इसके तहत 26 दिसंबर को कुरुक्षेत्र में गुरद्वारा छठी पातशाही में बाल दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शिरकत कर श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे। उन्होंने बताया कि प्रदेश की सभी सरकारी यूनिवर्सिटी में 26 दिसंबर को सेमीनार का आयोजन किया जाएगा, उसका विषय साहिबजादों की कुर्बानी पर आधारित होगा। इसके अलावा सभी सरकारी व गैर सरकारी स्कूलों में निबंध लेखन, भाषण व पेंटिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, ताकि युवा व आने वाली पीढ़ी साहिबजादों की कुर्बानी के बारे में जान सकें। उन्होंने बताया कि पहली बार हरियाणा के सभी नेशनल हाईवे स्थित पेट्रोल पंपों पर फ्लैक्स लगाए जाएंगे, जिसमें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा साहिबजादों को श्रद्धा सुमन भेंट करने की तस्वीर होगी।

काम में कोताही बरतने, लोगों के फोन नहीं उठाने वाले इंजीनियर नपेंगे

एजेंसी

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सभी अधिकारी आमजन के फोन जरूर उठाएं। इसके अलावा, विभिन्न वाट्सएप ग्रुप में आने वाली शिकायतों को तुरंत ही नोट करें। उसका समाधान करके जानकारी ग्रुप में सांझा जरूर करें। अब से अगर किसी भी अधिकारी की फोन नहीं उठाने संबंधी शिकायत आती है, तो उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। वे रविवार को अपने कार्यालय में इंजीनियरिंग विंग के अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि कार्य में कोताही को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा बार-बार एक ही शिकायत आने पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई होगी। पहली बार शिकायत मिलने पर चेतावनी दी जाएगी, जबकि दूसरी बार कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा। इसी प्रकार अगर शिकायत तीसरी बार आती है, तो नियम-8 के तहत तथा चौथी बार शिकायत मिलने पर नियम-7 के तहत कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि बार-बार शिकायत जिस भी अधिकारी की आएगी तो उसे सेवामुक्त करने की कार्रवाई भी की जा सकती है। नगर

निगम गुरुग्राम के आयुक्त अशोक कुमार गर्ग ने कहा कि इंजीनियरिंग ब्रांच के अधिकारी क्षेत्र में सीवर ओवरफ्लो व ब्लॉकेज संबंधी शिकायतों पर गंभीरता से कार्रवाई करते हुए उसका त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अधिकारी सबसे पहले नागरिकों को अंतरिम राहत उपलब्ध कराएं तथा स्थाई समाधान की दिशा में कार्य शुरू कराएं। बैठक में संयुक्त आयुक्त जयवीर यादव, चीफ इंजीनियर मनोज यादव सहित सभी कार्यकारी अभियंता, सहायक अभियंता व कनिष्ठ अभियंता शामिल थे। निगमायुक्त ने कहा कि हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार प्रत्येक कार्य दिवस आयोजित होने वाले समाधान शिविरों में 90 प्रतिशत शिकायतें सीवरेज से संबंधित आ रही हैं। उन्होंने इस प्रकार की स्थिति पहली बार देखी है कि शहर में अधिकतर शिकायत सीवर जाम या ओवरफ्लो से संबंधित आ रही हैं। निगमायुक्त ने सभी कार्यकारी अभियंताओं से कहा कि वे अपने डिवीजन से संबंधित सहायक अभियंताओं व कनिष्ठ अभियंताओं के साथ सप्ताह में कम से कम एक बार बैठक जरूर करें तथा बैठक में चीफ इंजीनियर को भी बुलाएं। इस दौरान कार्य निष्पादन में आने वाली परेशानियों पर चर्चा करें तथा उन्हें दूर कराएं।

वृद्धावस्था सम्मान भत्ता के पात्र नागरिक क्रिड डेस्क पर करें संपर्क: आनंद कुमार

एजेंसी

नारनौल। जिला में 60 वर्ष की आयु पूरी कर चुके वे बुजुर्ग जो वृद्धावस्था सम्मान भत्ता पेंशन बनवाना चाहते हैं वे अपनी आयु वेरीफिकेशन के लिए तहसील कार्यालय, उप मंडल कार्यालय तथा एडीसी कार्यालय में स्थापित किए गए क्रिड डेस्क पर संपर्क करें। अतिरिक्त उपायुक्त एवं जिला नागरिक संसाधन सूचना अधिकारी डॉ आनंद कुमार शर्मा ने यह जानकारी दी। डीसी ने बताया कि क्रिड डेस्क पर वृद्धावस्था सम्मान भत्ता के लिए सबसे पहले बुजुर्ग की आयु की वेरिफिकेशन की जाएगी। इसके अलावा पति-पत्नी की वार्षिक आमदनी 3 लाख रुपए से कम होनी चाहिए। ये वेरिफिकेशन भी क्रिड द्वारा की जाती है। वेरिफिकेशन के दौरान यह भी सुनिश्चित किया जाता है कि पात्र नागरिक के बैंक अकाउंट एक्टिव हो। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार ने सिस्टम में पारदर्शिता लाने तथा पात्र नागरिकों को समय पर लाभ देने के लिए वृद्धावस्था सम्मान भत्ता को प्रोएक्टिव मोड पर शुरू किया हुआ है। इस नए सिस्टम से राज्य का जो भी नागरिक 60 वर्ष की आयु पर कर लेता है तो नागरिक संसाधन सूचना विभाग चंडीगढ़ से जिला में सूची भेजी जाती है। इसके बाद पात्र नागरिकों की वृद्धावस्था सम्मान भत्ता बनाने के लिए जिला समाज कल्याण विभाग द्वारा आगे की कार्रवाई शुरू की जाती है। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा पेंशन बनाने से पहले क्रिड द्वारा यह सभी बातें वेरीफाई की जाती हैं तथा इसके बाद ही नागरिक इस योजना का पात्र होता है। सभी प्रकार की वेरिफिकेशन होने के बाद जिला समाज कल्याण विभाग की ओर से संबंधित पात्र नागरिक की पेंशन बनाई जाती है।

हरियाणा में ड्राप आउट बच्चों का पता लगाने को होगा सर्वे

एजेंसी

चंडीगढ़। प्रदेश सरकार के प्रयासों के बावजूद राजकीय स्कूलों में ड्राप आउट की समस्या बढ़ती जा रही है। शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 में स्कूल छोड़ने वाले बच्चों का सर्वे कराने का फैसला लिया है। नए साल पर सर्वे की शुरुआत होगी। हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद की ओर से सर्वे का शेड्यूल जारी कर दिया गया है।

शिक्षा विभाग ने वर्ष 2025-26 के शैक्षणिक स्तर में स्कूल छोड़ चुके बच्चों को शिक्षा के साथ जोड़ने के लिए एक्शन प्लान तैयार किया है। इसको लेकर प्रशासनिक अधिकारियों के साथ जिला शिक्षा अधिकारी और शिक्षकों का विशेष सहयोग रहेगा। विभाग की ओर से अतिरिक्त जिला उपायुक्त, शिक्षा अधिकारी, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी और समस्त जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा को पत्र लिखकर हिदायत दी गई है कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए स्कूल छोड़ चुके बच्चों की पहचान के लिए सर्वे कराया जाए।

प्रदेशभर में नए साल की शुरुआत के पहली जनवरी 2025 को स्कूल स्तर पर सर्वे शुरू होगा। दरअसल, नई शिक्षा नीति-2020 के प्राथमिक लक्ष्य को पूरा करने क लिए

शिक्षक गांव स्तर पर सर्वे करेंगे। स्कूल न जाने वाले बच्चों की सूची तैयार करके स्कूल मुखिया को मुहैया कराई जाएगी। इसके बाद स्कूल मुखिया सूची को कलस्टर प्रमुख को मुहैया कराएगे।

स्कूल छोड़ चुके बच्चों का नामांकन कराने की योजना तैयार की गई है। शिक्षा विभाग ड्राप आउट बच्चों का डाटा तैयार करेगा और नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत होते ही उनका नामांकन शुरू किया जाएगा।

शैक्षणिक सत्र की शुरुआत होने से पहले विभाग की ओर से ड्रापआउट बच्चों का डाटा तैयार किया जाता है, यही नहीं उनका नामांकन भी होता है, लेकिन शैक्षणिक सत्र के बीच में ही स्कूल छोड़ देते हैं। फिलहाल शिक्षा विभाग का लक्ष्य एससी और एसटी समुदायों के साथ सड़क पर रहने वाले बच्चों, भिखारियों, अनाथ व बेघर, प्रवासी, विमुक्त जनजातियों के समूहों की आबादी को शिक्षा के साथ जोडऩा है। शिक्षा विभाग द्वारा स्कूल स्तर पर छह दिन सर्वे का प्लान तैयार किया गया है। पहली जनवरी 2025 से लेकर 6 जनवरी तक सर्वे चलेगा। शिक्षक गांव स्तर पर सर्वे करेंगे। स्कूल न जाने वाले बच्चों की सूची तैयार करके स्कूल मुखिया को मुहैया कराई जाएगी। इसके बाद स्कूल मुखिया सूची को कलस्टर प्रमुख को मुहैया कराएंगे। स्कूल स्तर पर शिक्षक गांव में घर-घर जाकर सर्वे करें और डाटा तैयार करेंगे कि बच्चे स्कूल जा रहे हैं या नहीं, स्कूल नहीं जाने का कारण उल्लेखित करेंगे और आगामी सत्र के लिए बच्चों का नामांकन कराने के लिए अभिभावकों से आग्रह करेंगे।

निगम चुनाव की सुगबुगाहट के साथ ही सक्रिय हुए अधिकारी, निकाले ड्रा

एजेंसी

हिसार। लघु सचिवालय स्थित सभागार उपायुक्त के प्रतिनिधि एवं बरवाला के एसडीएम डॉ. वेदप्रकाश की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में हिसार नगर निगम के चुनाव में अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग ए, पिछड़ा वर्ग बी व महिला आरक्षित वार्ड करने के लिए ड्रा निकाले गए। सभा में हुई बैठक में अतिरिक्त निगमायुक्त डॉ. प्रदीप हुड्डा, उप-निगम आयुक्त वीरेन्द्र सहारण, सचिव संजय शर्मा, समिति के सदस्यों में पूर्व मेयर गौतम सरदाना के अलावा पूर्व पार्षद अनिल जैन, जयप्रकाश, प्रीतम सैनी, भूपसिंह रोहिल्ला व पिंकी शर्मा मौजूद रहे। नगर निगम क्षेत्र में कुल 20 वार्ड हैं। इनमें से सरकार की हिदायतों के अनुसार जिस वार्ड में वर्ग की अधिकतम जनसंख्या हो उनमें से 3 वार्ड एससी वर्ग के लिए 2 वार्ड बीसी-ए के लिए, 1 वार्ड बीसी-बी के लिए व 4 वार्ड महिला के आरक्षित करने को लेकर ड्रॉ निकाले गए। सबसे पहले एससी वर्ग के लिए अधिकतम जनसंख्या वाले 3 वार्डों का चयन किया जिसमें वार्ड नंबर 9, 16 व 18 हैं। इन तीनों वार्डों में से ड्रा के द्वारा पूर्व पार्षद पिंकी शर्मा ने ड्रा निकाला जिसमें वार्ड नम्बर 9 को एससी महिला के लिए आरक्षित कर दिया गया। बीसी-ए के 2 वार्डों के ड्रा निकालने के लिए बीसी-ए की जनसंख्या वाले कुल 6 वार्ड चयनित किए जो कि वार्ड नं. 1, 3, 7, 10, 12 व 20 हैं। इन 6 वार्डों में से पूर्व पार्षद जयप्रकाश ने 2 ड्रा निकाले जिसमें वार्ड नंबर 3 व 20 को बीसी-ए के लिए आरक्षित कर दिया गया। वार्ड नंबर 3 व 20 से बीसी-ए महिला आरक्षित वार्ड चुनने के लिए ड्रा किया गया। बीसी-ए महिला आरक्षित वार्ड के लिए भूपसिंह रोहिला ने ड्रा निकाला जिसमें वार्ड नंबर 3 का ड्रा निकाला और उसे बीसी-ए महिला के लिए आरक्षित कर दिया गया। बीसी-बी के लिए 3 वार्डों का चयन किया गया जो वार्ड नंबर 4, 8 व 15 को लिया गया जिसका ड्रा पूर्व पार्षद अनिल जैन ने ड्रा निकाला जिसमें वार्ड नंबर 15 निकाला और उसे बीसी-बी महिला के लिए आरक्षित कर दिया गया। इसके बाद शेष बचे 14 वार्ड जो कि वार्ड नं. 1, 2, 4, 5, 6, 7, 8, 10, 11, 12, 13, 14, 17 व 19 में से 4 महिला आरक्षित वार्ड पूर्व मेयर गौतम सरदाना ने निकाले।

नयारा एनर्जी ने लॉन्च किया शानदार ऑफर 'सब की जीत गारंटीड

नई दिल्ली। डाउनस्ट्रीम एनर्जी सेक्टर में अग्रणी और देश की सबसे बड़ी निजी ईंधन रीटेलर नयारा एनर्जी ने शानदार ऑफर 'सब की जीत गारंटीड 2024' लॉन्च किया। कंपनी ने बयान जारी कर कहा कि 31 जनवरी 2025 तक चलने वाली इस योजना के तहत उपभोक्ता पेट्रोल और डीज़ल की खरीद पर प्रति लीटर पांच रुपए तक की बचत कर सकते हैं। यह इस सेक्टर में सबसे ज़्यादा रिवॉर्ड देने वाली आकर्षक योजना है। नयारा एनर्जी की सालाना बचत योजना के दूसरे संस्करण का उद्देश्य उपभोक्ताओं को सहज डिजिटल अनुभव के साथ बचत के फायदे देना है। यह योजना ईंधन सेवाओं में इनोवेशन एवं उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देने तथा शहरी एवं ग्रामीण बाज़ारों की ज़रूरतों को पूरा करने की कंपनी की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। नयारा एनर्जी के चीफ़ मार्केटिंग ऑफिसर मधुर तनेजा ने इस पहल के महत्व पर ज़ोर देते हुए कहा, ''हम उपभोक्ताओं को पैसा वसूल सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। 'सबकी जीत गारंटीड' योजना न सिर्फ बेजोड़ बचत के फायदे देती है बल्कि डिजिटल पेमेंट को भी बढ़ावा देती है। ये कैशलैस ईंधन भराई को सुरक्षित बनाकर भारत की डिजिटल रूपान्तरण की यात्रा को गति प्रदान करती है।''

टाटा पावर-डीडीएल ने बाज़ बाइक्स से किया समझौता

नयी दिल्ली। टाटा पावर-डीडीएल ने बैटरी स्वॉपिंग सेवा प्रदाता बाज़ बाइक्स के साथ एक समझौता किया है जिसके तहत उत्तरी एवं उत्तर पश्चिमी दिल्ली में इलेक्ट्रिक व्हीकल बैटरी स्वॉपिंग स्टेशनों का संवर्धन तथा नए स्टेशनों को स्थापित किया जाएगा। समझौते के अनुसार, टाटा पावर-डीडीएल बैटरी स्वॉपिंग स्टेशनों के लिए स्थान उपलब्ध कराएगी जबकि बाज़ बाइक्स, इन स्टेशनों की डिजाइनिंग, खरीद, इंस्टॉलेशन एवं मेंटीनेंस के लिए जिम्मेदार होगी। इस करार पर टाटा पावर-डीडीएल तथा बाज़ बाइक्स ने दोनों के सीनियर अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। इस साझेदारी का मकसद दिल्ली में कमर्शियल गिग इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर मोबिलिटी को बढ़ावा देना है। यह पहल, गिग वर्कर्स को फायदा पहुंचाने के साथ-साथ अनौपचारिक क्षेत्र को भी औपचारिक रूप देते हुए बढ़ावा देगा। इस जुड़ाव से बिजली चोरी की घटनाओं में कमी आने और साझा ई-मोबिलिटी के क्षेत्र में कमाई के अवसरों में सुधार होने की संभावना है। शुरुआत में, बाज़ बाइक्स तीन बैटरी स्वॉपिंग स्टेशनों की स्थापना टाटा पावर-डीडीएल के रोहिणी ग्रिड-5, रोहिणी ग्रिड-23 तथा रोहिणी ग्रिड-28 स्थित ग्रिड सब-स्टेशनों में करेगी।

बिहार में 423 कंपनियां करेंगी 1.80 लाख करोड़ से अधिक का निवेश

पटना। बिहार सरकार की औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन, क्षेत्र विशेष, स्टार्टअप एवं निर्यात प्रोत्साहन समेत अन्य निवेशक फ्रेंडली नीतियों की बदौलत राज्य में निवेशकों की लगातार बढ़ रही रुचि से इस बार के वैश्विक निवेशक सम्मेलन बिज़नेस कनेक्ट में अलग-अलग क्षेत्र की 423 कंपनियों ने एक लाख 80 हजार 899 करोड़ रुपये के सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। बिहार बिजनेस कनेक्ट 2024 के शुक्रवार को समापन के मौक़े पर अलग-अलग क्षेत्र की 423 कंपनियों ने राज्य में एक लाख 80 हजार 899 करोड़ रुपये का निवेश करने को सहमत हुए। एमओयू पर हस्ताक्षर करने वाली प्रमुख कंपनियों में सन पेट्रोकेमिकल्स, एनएचपीसी, भारत पेट्रोलियम, एसएलएमजी बेवरेजेज, श्री सीमेंट एवं हल्दीराम स्नैक्स शामिल हैं। ये एमओयू न केवल बिहार के आर्थिक विकास को आगे बढ़ाएंगे बल्कि रोजगार के अनेकों अवसरों का सृजन भी करेंगे। ये एमओयू पिछले वर्ष के बिहार बिजनेस कनेक्ट की तुलना में तीन गुना से भी अधिक है। इस बार के बिजनेस कनेक्ट में नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की 17 कंपनियों ने 90734 करोड़ रुपये के एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं, जो निवेश के कुल एक लाख 80 हजार 899 करोड़ रुपये के एमओयू का 50.16 प्रतिशत है।

राष्ट्रीय ऊर्जा मेला युवाओं में नवोन्मेष और ज़िम्मेदारी को बढ़ावा देगा : टाटा पावर

नयी दिल्ली। देश में ऊर्जा क्षेत्र की अग्रणी निजी कंपनी टाटा पावर ने आज कहा कि राष्ट्रीय ऊर्जा मेला युवाओं में नवोन्मेष और ज़िम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देने के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। टाटा पावर ने राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में राष्ट्रीय ऊर्जा मेला 2024 का आयोजन किया, जिसमें देश भर के 10 राज्यों के 150 स्कूलों के 1000 से अधिक छात्र और शिक्षक नवोन्मेष और वहनीयता के लिए एकजुट हुए। इस मौके पर टाटा पावर के सीएचआरओ और सस्टेनेबिलिटी तथा सीएसआर प्रमुख हिमाल तिवारी ने कहा, वहनीयता जागरूकता से शुरू होती है और राष्ट्रीय ऊर्जा मेला युवाओं में नवोन्मेष और ज़िम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह पहल ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण के उल्लेखनीय महत्व पर ज़ोर देती है, जो देश भर के युवाओं को हरित, अपेक्षाकृत अधिक वहनीय भविष्य तैयार करने में योगदान के लिए सशक्त बनाती है। श्री तिवारी ने कहा कि टाटा पावर के सहयोग से, वे नए ऊर्जा परिदृश्य को आकार देंगे, वहनीयता पर केंद्रित भविष्य को आगे बढ़ाएंगे।

ट्रंप के समर्थन से क्रिप्टो करेंसी मार्केट में जबरदस्त तेजी, क्रिप्टो का मार्केट 3.88 लाख करोड़ डॉलर हुआ

एजेंसी
नई दिल्ली। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा बिटकॉइन को स्ट्रैटेजिक रिजर्व बताने और अमेरिका को दुनिया का क्रिप्टो कैपिटल बनाने के ऐलान के बाद से ही दुनिया की तमाम क्रिप्टोकरंसी में जबरदस्त तेजी का रुख बना हुआ है। पिछले कारोबारी सप्ताह में बिटकॉइन 1.08 लाख डॉलर के स्तर को भी पार कर गया था। हालांकि आज ये क्रिप्टो करेंसी 1 लाख डॉलर के स्तर से थोड़ा नीचे आकर कारोबार कर रही है।डोनाल्ड ट्रंप ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान भी क्रिप्टोकरंसी को समर्थन देने और क्रिप्टो मार्केट के लिए एक रेगुलेटर नियुक्त करने की बात कही थी। इसी वजह से

अमेरिका में चुनाव परिणाम का ऐलान होने के बाद से ही क्रिप्टो करेंसी मार्केट में लगातार तेजी का रुख बना हुआ है। तेजी के इसी राह पर चलते हुए बिटकॉइन 17 दिसंबर को अभी तक के सर्वोच्च स्तर 1,08,134.70 डॉलर तक पहुंच गया था।

ट्रंप की जीत के बाद बिटकॉइन ईटीएफ में भी लगातार निवेश बढ़ता गया है। अमेरिकी मार्केट में लिस्टेड बिटकॉइन ईटीएफ में पिछले डेढ़ महीने के दौरान 12 अरब डॉलर का निवेश हो चुका है। बिटकॉइन की तरह दूसरी क्रिप्टो करेंसीज के दाम में भी तेजी आई है, जिसके कारण क्रिप्टोकरंसी मार्केट का ओवरऑल बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) 3.88 लाख करोड़ डॉलर के स्तर तक पहुंच गया है। क्रिप्टो करेंसीज के इस साल के प्रदर्शन पर अगर नजर डालें, तो बिटकॉइन की कीमत में इस साल 147 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो चुकी है। इसी तरह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी एथेरियम ने इस साल अभी तक 77 प्रतिशत रिटर्न दिया है, जबकि बिनांस का भाव इस साल अभी तक 197 प्रतिशत तेज हो चुका है। इसी तरह सोलाना में इस साल अभी तक की अवधि में 213 प्रतिशत की तेजी आ चुकी है, जबकि रिप्पल ने अभी तक 292 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

2025 की सफलता की योजना आज से शुरू होनी चाहिए: गौरव भगत

एजेंसी
नोएडा। मोटिवेशपन स्पीकर गौरव भगत ने कहा है कि वर्ष 2024 तो अब समाप्त हो रहा है लेकिन आ रहे 2025 की सफलता की योजना आज से ही शुरू होनी चाहिए। श्री भगत ने गौरव भगत अकादमी द्वारा पेशेवरों, उद्यमियों आदि के लिय आयोजित रून 2025 वर्कशॉप में कहा कि इसका मकसद लोगों को 2025 के लिए एक रणनीतिक रोडमैप तैयार करने में मदद करना है ताकि वे अगले वर्ष को सफलता तौर पर देख सकें। एशिया के प्रमुख स्किल ट्रेनर और उद्यमी गौरव भगत ने इस वर्कशॉप का नेतृत्व किया। गौरव भगत अकादमी के संस्थापक और कंसोर्टियम गिफ्ट्स के प्रबंध निदेशक के रूप में श्री भगत ने माइक्रोसॉफ्ट, अमेज़न और कोका-कोला जैसे वैश्विक दिग्गजों के लिए कॉर्पोरेट प्रशिक्षण और गिफ्टिंग समाधान को फिर से परिभाषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने कहा कि 'रूल 2025' वर्कशॉप का उद्देश्य विभिन्न उद्योगों और आयु वर्गों के प्रतिभागियों को सशक्त बनाना था। दिन की शुरुआत सुबह की चाय और नेटवर्किंग के साथ हुई, जो इंटरएक्टिव सत्रों के लिए मंच तैयार कर रही थी। इन सत्रों में लक्ष्य निर्धारण, वित्तीय साक्षरता, उद्यमिता और व्यक्तिगत विकास पर गहन चर्चा की गई। प्रतिभागियों ने 10गुना वृद्धि दर्शन के सिद्धांतों पर आधारित गतिविधियों में भाग लिया, जो रणनीतिक योजना और निष्पादन के माध्यम से सफलता को कई गुना बढ़ाने पर केंद्रित थे। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में भाग ले रहे लोगों को जीबी गोल प्लानर से परिचय कराया गया है। अब तक 400 से अधिक लोग इस पुस्तक को खरीद चुके हैं और 50 हजार से अधिक डाउनलोड किया जा चुका है।

पुरानी कारों की बिक्री पर अब 18 प्रतिशत जीएसटी, इंश्योरेंस प्रीमियम से जीएसटी घटाने का फैसला टला

एजेंसी
नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जैसलमेर में हुई जीएसटी काउंसिल की मीटिंग में उम्मीद के विपरीत हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस प्रीमियम पर लगने वाले टैक्स को घटाने के फैसले को फिलहाल टाल दिया गया। हालांकि इस बैठक में पुरानी कारों की खरीद बिक्री पर लगने वाले टैक्स को 12 प्रतिशत से बढ़कर 18 प्रतिशत करने का फैसला किया गया। इसके साथ ही थिएटर और मूवी हॉल में नमक मसाले वाले फ्लेवर्ड पॉपकॉर्न पर 5 प्रतिशत की दर से जीएसटी लगाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है।

जीएसटी काउंसिल की 55वीं बैठक में इलेक्ट्रिक व्हीकल समेत सभी पुराने वाहनों की बिक्री पर टैक्स को बढ़ाए जाने के प्रस्ताव पर सहमति बन गई। अब पुराने वाहनों की बिक्री पर लगने वाले टैक्स को 12 से बढ़ा कर 18 प्रतिशत कर दिया गया है, लेकिन टैक्स की दर में हुई ये बढ़ोतरी सिर्फ कंपनियां या डीलर्स द्वारा बेची जाने वाली पुरानी कारों पर ही लागू होगी। व्यक्तिगत रूप से अपनी कार बेचने वाले लोगों पर पहले की तरह 12 प्रतिशत टैक्स ही लगेगा। इसका मतलब ये हुआ कि

पुरानी कारों की बिक्री पर लगने वाले टैक्स में बढ़ोतरी होने के प्रावधान से इंडिविजुअल खरीदारों या विक्रेताओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा। इसके पहले जीएसटी काउंसिल की फिटमेंट कमिटी ने भी पुराने वाहनों पर जीएसटी दर को 12 से बढ़ा कर 18 प्रतिशत करने की सिफारिश की थी।

जीएसटी काउंसिल की बैठक में हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस प्रीमियम पर लगने वाले जीएसटी को घटाने के प्रस्ताव को अगली बैठक तक के लिए टाल दिया गया। जीएसटी की दरों पर विचार करने के लिए गठित ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स ने इंश्योरेंस प्रीमियम पर लगने वाले जीएसटी को कम करने की सिफारिश की थी, लेकिन जीएसटी काउंसिल की बैठक में कहा गया कि इस विषय पर और अधिक स्पष्टीकरण की जरूरत है। इसलिए ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स से अपनी रिपोर्ट को और अधिक व्यापक बनाने तथा अतिरिक्त जानकारी के साथ पेश करने के लिए कहा गया है।जीएसटी काउंसिल की बैठक में फोर्टिफाइड चावल पर एक समान 5 प्रतिशत की दर से टैक्स लागू करने के प्रस्ताव को भी मंजूर कर लिया गया।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की घटी चमक

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार दूसरे दिन कमजोरी बनी हुई है। आज सोना 300 रुपये से 330 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ है। सोने की कीमत में गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 76,950 रुपये से लेकर 76,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 70,550 रुपये से लेकर 70,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी भी आज 1 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ता हुआ है। कीमत में आई इस गिरावट के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत आज 90,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है।देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 76,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 70,550 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 76,800 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के

स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 76,850 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 70,450 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 76,800 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 70,400 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 76,800 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

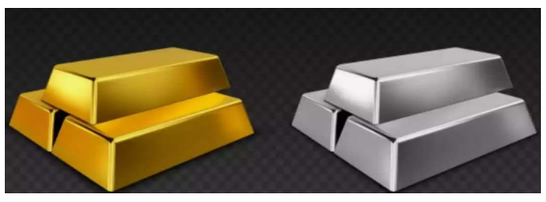

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 76,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 70,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 76,850 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 70,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 76,950 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

आरबीआई गवर्नर ने वैश्विक और घरेलू आर्थिक परिदृश्य की समीक्षा की

एजेंसी
गुवाहाटी/नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के केंद्रीय बोर्ड की बैठक गवर्नर संजय मल्होत्रा के नेतृत्व में हुई। इस बैठक के दौरान वर्तमान वैश्विक और घरेलू आर्थिक परिदृश्य की समीक्षा करते हुए भारत में बैंकिंग की प्रवृत्तियां और उसकी प्रगति 2023-24 के लिए मसौदा रिपोर्ट पर भी विचार विमर्श किया गया। आरबीआई ने 'एक्स' पोस्ट पर बताया कि केंद्रीय निदेशक मंडल की 612वीं बैठक आज गुवाहाटी में गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में हुई। बोर्ड ने बैंक गवर्नर के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान शक्तिकांत दास की ओर से दी गई बहुमूल्य सेवाओं की सराहना की। गवर्नर मल्?होत्रा की अध्?यक्षता में हुई बैठक के दौरान केंद्रीय बोर्ड ने वैश्विक एवं घरेलू आर्थिक स्थिति और दृष्टिकोण की समीक्षा की।

इसके अलावा बोर्ड ने चुनिंदा केंद्रीय कार्यालय विभागों की गतिविधियों के साथ-साथ भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति और प्रगति, 2023-24 पर मसौदा रिपोर्ट पर चर्चा की। इस बैठक में उप-गवर्नर

डॉ. माइकल देवव्रत पात्रा, एम. राजेश्वर राव, टी. रबी शंकर, स्वामीनाथन जे. और केंद्रीय बोर्ड के अन्य निदेशक सतीश के. मराठे, रेवती अय्यर, प्रो. सचिन चतुर्वेदी, वेणु श्रीनिवासन तथा डॉ. रवींद्र एच. ढोलकिया शामिल हुए।

जीएसटी परिषद एटीएफ को जीएसटी के दायरे में लाने पर सहमत नहीं: सीतरमण

एजेंसी
जैसलमेर/नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद ने बीमा प्रीमियम पर टैक्स घटाने के फैसले को टाल दिया है। उन्?होंने कहा कि परिषद ने फोर्टिफाइड चावल की गुठली की दर में 5 फीसदी की कमी और जीन थेरेपी को जीएसटी से छूट दी गई है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राजस्थान के जैसलमेर में आयोजित जीएसटी परिषद की 55वीं बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्?होंने कहा कि जीएसटी परिषद विमानन टर्बाइन ईंधन (एटीएफ) को माल एवं सेवा कर के दायरे में लाने पर सहमत नहीं हुई। उन्होंने कहा कि परिषद ने बीमा प्रीमियम पर कर कटौती को टाल दिया है, क्योंकि अभी आईआरडीएआई की प्रतिक्रिया का इंतजार है। निर्मला सीतारमण ने कहा, ...फोर्टिफाइड चावल की गुठली की जीएसटी दर में 5 फीसदी की कमी...जीन थेरेपी जो जीवन रक्षक बीमारियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, को टैक्स में छूट दी गई है। उन्होंने कहा कि लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली

मिसाइल (एलआर-एसएएम) प्रणाली रक्षा में बहुत महत्वपूर्ण है। इसको जीएसटी परिषद ने सिस्टम, सब-सिस्टम, उपकरण, टूल, सॉफ्टवेयर को दी जाने वाली जीएसटी छूट को बढ़ाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि छूट को और आगे बढ़ाया गया है...व्यापारी निर्यातकों को आपूर्ति पर क्षतिपूर्ति उपकर की दर को घटाकर 0.1 फीसदी कर दिया गया है, जो ऐसी आपूर्ति पर जीएसटी दर के बराबर है...। सीतारमण ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि जीएसटी परिषद ने पॉपकॉर्न पर कर के संबंध में स्पष्टीकरण जारी करने पर भी सहमति व्यक्त की है, जिसमें कहा गया कि पहले से पैक और लेबल लगे रेडी-टू-ईट स्नैक्स पर 12 फीसदी टैक्स लगेगा, लेकिन यदि यह कारमेलाइज्ड है तो 18 फीसदी जीएसटी लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पॉपकॉर्न की कर दर में कोई बदलाव नहीं किया गया है। जीएसटी परिषद ने केवल इस बात पर सहमति व्यक्त की है कि केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) पॉपकॉर्न की वर्तमान कराधान व्यवस्था को स्पष्ट करने वाला एक परिपत्र जारी करेगा। सीतारमण ने कहा कि परिषद विमानन टर्बाइन ईंधन (एटीएफ) को माल एवं सेवा कर के दायरे में लाने पर सहमत नहीं हुई। उन्होंने कहा कि 50 फीसदी से अधिक फ्लाई ऐश वाले एसीसी ब्लॉकों पर 12 फीसदी जीएसटी लगेगा। काली मिर्च चाहे ताजी हरी काली मिर्च हो या सूखी काली मिर्च और किशमिश जब किसी किसान की तरफ से आपूर्ति की जाती है, तो उस पर जीएसटी नहीं लगेगा। वित्त मंत्री ने कहा कि ऋण शर्तों का पालन न करने पर बैंकों और एनबीएफसी की तरफ से वसूले गए दंडात्मक शुल्क या लेवी पर कोई जीएसटी देय नहीं है।इससे पहले केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राजस्थान के जैसलमेर में जीएसटी परिषद की 55वीं बैठक की अध्यक्षता की।

क्रिसमस पर अमेरिकी वॉलमार्ट स्टोर्स और Walmart.com पर मिलेंगे भारतीय उत्पाद

एजेंसी
नई दिल्ली। क्रिसमस एवं छुट्टियों का मौसम नजदीक आने के साथ ही वॉलमार्ट अपने हॉलिडे कलेक्शन को पेश करते हुए बहुत उत्साहित है। इसमें भारत के आपूर्तिकर्ताओं से प्राप्?त उच्च गुणवत्ता वाले मौसमी सजावट, रोज़मर्रा एवं पार्टी के कपड़े, सहायक उपकरण और उपहार शामिल हैं। ये समान अमेरिकी वॉलमार्ट स्टोरों, सैम क्लबों और ड्ड्ड्ड्यद्बड्डह्ल्ल.ष्शद्व पर उपलब्ध है।

वॉलमार्ट पर उपलब्?ध इस संग्रह में त्?योहारी घरेलू सजावट से लेकर स्टाइलिश ठंड के मौसम के सामान, शानदार आभूषण, मजेदार खिलौने और खेल के सामान से लेकर कई तरह के उत्पाद शामिल हैं। भारत से मंगाए गए ये उत्पाद वॉलमार्ट के हॉलिडे लाइनअप में विविधता और गुणवत्ता लाते हैं, जो उपहार देने या व्यक्तिगत छुट्टियों की

खरीदारी के लिए एक आदर्श विकल्प सुनिश्चित करते हैं।

वॉलमार्ट में सोर्सिंग के कार्यकारी उपाध्यक्ष एंड्रिया अलब्राइट ने कहा, वॉलमार्ट में हम इस छुट्टियों के मौसम में अपने अमेरिकी ग्राहकों के लिए प्रतिभाशाली भारतीय आपूर्तिकर्ताओं से उच्च गुणवत्ता वाले, त्यौहारी उत्पाद लाने पर गर्व महसूस करते हैं। यह अनूठी मेड-इन-इंडिया पेशकशें न केवल अमेरिका में हमारे हॉलिडे कलेक्शन में एक विशेष स्पर्श जोड़ती हैं, बल्कि भारतीय व्यवसायों का समर्थन करने और 2027 तक भारत से निर्यात को सालाना 10 अरब डॉलर तक बढ़ाने के हमारे लक्ष्य को प्राप्त करने की हमारी प्रतिबद्धता को भी दर्शाती हैं।

हर घर के लिए एक उत्सव का माहौल

इस वर्ष वॉलमार्ट के हॉलिडे टाइम्स संग्रह में प्रसिद्ध आपूर्तिकर्ताओं की जीवंत सामग्रियों को प्रदर्शित किया गया है, जिसे घरों को सजाने के लिए तैयार किया गया है।

-हस्तनिर्मित आभूषण, जिसमें एएल पेपर द्वारा अपसाइकल किए गए सूती कपड़ों के वेस्ट से बने कागज क्रिसमस ट्री शामिल हैं।

-कनोडिया ग्लोबल द्वारा बुने हुए क्रिसमस स्टॉकिंग्स भी इसमें शामिल हैं।

संग्रह में शानदार घरेलू साज-सज्जा के समान भी शामिल है, जिसमें सावा इंटरनेशनल के कुशन और तकिए, अवंती ओवरसीज के आलीशान खिलौने, और डिज़ाइनको, दीवान एंड संस और स्पेशलाइज्ड क्रिएशन्स की लकड़ी और धातु की सजावट वाले सामान शामिल है। वॉलमार्ट की हॉलिडे फैशन लाइनअप में रोज़मर्रा और पार्टी में पहनने के लिए बेहतरीन कपड़े उपलब्ध हैं, जो उपहार देने या व्यक्तिगत हॉलिडे स्टाइल के लिए एकदम सही हैं। हाइलाइट्स में शामिल हैं। वॉलमार्ट के निजी लेबल जॉर्ज के तहत पुरुषों के लिए लंबी आस्तीन वाली थर्मल क्रू शर्ट, ओवरशर्ट और छोटी आस्तीन वाली बुनी हुई शर्ट।

आरबीआई गवर्नर ने वैश्विक और घरेलू आर्थिक परिदृश्य की समीक्षा की

एजेंसी
गुवाहाटी/नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के केंद्रीय बोर्ड की बैठक गवर्नर संजय मल्होत्रा के नेतृत्व में हुई।

इस बैठक के दौरान वर्तमान वैश्विक और घरेलू आर्थिक परिदृश्य की समीक्षा करते हुए भारत में बैंकिंग की प्रवृत्तियां और उसकी प्रगति 2023-24 के लिए मसौदा रिपोर्ट पर भी विचार विमर्श किया गया। आरबीआई ने 'एक्स' पोस्ट पर बताया कि केंद्रीय निदेशक मंडल की 612वीं बैठक आज गुवाहाटी में गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में हुई।

बोर्ड ने बैंक गवर्नर के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान शक्तिकांत दास की ओर से दी गई बहुमूल्य सेवाओं की सराहना की। गवर्नर मल्?होत्रा की अध्?यक्षता में हुई बैठक के दौरान केंद्रीय बोर्ड ने वैश्विक एवं घरेलू आर्थिक स्थिति और दृष्टिकोण की समीक्षा की।

इसके अलावा बोर्ड ने चुनिंदा केंद्रीय कार्यालय विभागों की गतिविधियों के साथ-साथ भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति और प्रगति, 2023-24 पर मसौदा रिपोर्ट पर चर्चा की। इस बैठक में उप-गवर्नर डॉ. माइकल देवव्रत पात्रा, एम. राजेश्वर राव, टी. रबी शंकर, स्वामीनाथन जे. और केंद्रीय बोर्ड के अन्य निदेशक सतीश के. मराठे, रेवती अय्यर, प्रो. सचिन चतुर्वेदी, वेणु श्रीनिवासन तथा डॉ. रवींद्र एच. ढोलकिया शामिल हुए।

पेट्रोल और डीजल कीमतें अपरिवर्तित

नयी दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये

प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे।

तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा।वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.29 प्रतिशत चढ़कर 69.58 डॉलर प्रति बैरल पर और लंदन ब्रेंट क्रूड 0.05 प्रतिशत की तेजी के साथ 72.98 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। देश के चार महानगरों में पेट्रोल और डीजल की कीमत इस प्रकार रही।

बिहार में अडानी समूह करेगा 27900 करोड़ का निवेश

एजेंसी
पटना। उद्योगपति गौतम अडानी का ऊर्जा समेत विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार करने वाला देश का अग्रणी अडानी समूह की बिहार में अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल ताप विद्युत संयंत्र स्थापित करने के लिए 20 हजार करोड़ रुपये समेत कुल 27 हजार 900 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना है। अडानी इंटरप्राइजेज लिमिटेड के निदेशक प्रणव अडानी ने राजधानी पटना में आयोजित दो दिवसीय वैश्विक निवेशक सम्मेलन 'बिहार बिजनेस कनेक्ट-2024 में बिहार में कुल 27 हजार 900 करोड़ रुपये निवेश की योजना का उल्लेख करते हुए कहा, हम बिहार के ऊर्जा क्षेत्र में भी निवेश के अवसर तलाश रहे हैं। हमारी योजना अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट स्थापित करने के लिए लगभग 20,000 करोड़ रुपये निवेश करने की है। हमें उम्मीद है कि इस तरह की विशाल परियोजना से प्री-कमीशनिंग चरण में कम से कम 12,000 नौकरियां और परिचालन चरण के दौरान लगभग 1,500 कुशल नौकरियों के अवसर सृजित होंगे।श्री अडानी ने कहा कि तीन क्षेत्रों, लॉजिस्टिक्स, गैस वितरण और कृषि-लॉजिस्टिक्स में हमने पहले ही लगभग 850 करोड़ रुपये का निवेश किया है और लगभग 25,000 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर भी सृजित किए हैं। अब हम इन क्षेत्रों में 2,300 करोड़ रुपये का और निवेश करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह निवेश न केवल कंपनी की वेयरहाउसिंग और हैंडलिंग क्षमता को बढ़ाएगा बल्कि ईवी, सीडीजी और सीबीजी क्षेत्र में हमारी उपस्थिति का विस्तार करेगा। उन्होंने दावा किया कि इस निवेश से राज्य में अतिरिक्त 27 हजार प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष स्थानीय रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। अडानी इंटरप्राइजेज लिमिटेड के निदेशक ने कहा कि समूह बिहार में रणनीतिक बुनियादी ढांचे के विकास में संभावित रूप से 1,000 करोड़ रुपये का निवेश करने के लिए राज्य सरकार के साथ मिलकर काम कर रहा है, जैसे गति शक्ति रेलवे टर्मिनल, आईसीडी (अंतर्देशीय कंटेनर डिपो) और औद्योगिक वेयरहाउसिंग पार्क। एक और क्षेत्र जिसमें समूह निवेश कर रहा है वह है स्मार्ट मीटर निर्माण। बिहार पारंपरिक बिजली मीटर से स्मार्ट मीटर की ओर बढ़ रहा है इसलिए पांच शहरों सीवान, गोपालगंज, वैशाली, सारण और समस्तीपुर में बिजली की खपत की निगरानी को स्वचालित करने के लिए 28 लाख से अधिक स्मार्ट मीटर बनाने और स्थापित करने के लिए 2,100 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। इससे इस प्रौद्योगिकी क्षेत्र में कम से कम 4,000 स्थानीय नौकरियां पैदा होंगी। श्री अडानी ने कहा, पांच महीने पहले जुलाई के अंत में हमने बिहार में एक और रोमांचक नए क्षेत्र में प्रवेश किया। तब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार व्यक्तिगत रूप से आए और दो साल पहले एसीसी और अंबुजा सीमेंट्स के अधिग्रहण के बाद हमारी पहली ग्रीनफील्ड सीमेंट परियोजना की नींव रखी। वह नई परियोजना वारिसलीगंज में है। यह एक सीमेंट पीसने वाली इकाई है और हम और भी परियोजनाएं बनाने जा रहे हैं। हम बिहार में 2,500 करोड़ रुपये निवेश करके कई चरणों में 10 एमएमटीपीए की सीमेंट विनिर्माण क्षमता स्थापित करने का इरादा रखते हैं ।

बच्चों के लिए घर पर ऐसे बनाएं अलग-अलग फ्लेवर के मॉल वाले पॉपकॉर्न

पॉपकॉर्न एक ऐसा स्नैक है जो बच्चों से बड़ों तक हर किसी को पसंद होता है. खाने में एकदम हल्का और लाइट टेस्ट वाला पॉपकॉर्न मूवी देखने से लेकर फैमिली के साथ गपशप करने तक हर ऑकेजन के लिए परफेक्ट रहता है. जान लेते हैं अलग-अलग फ्लेवर के पॉपकॉर्न कैसे घर पर बना सकते हैं.

चटपट की आवाज, सौंधी खुशबू और खिले-खिले पॉपकॉर्न देखकर किसे खाने का मन नहीं करता है. बच्चों से लेकर बड़ों तक को पॉपकॉर्न पसंद होते हैं, वहीं मूवी देखने बैठें तो पॉपकॉर्न के बिना कुछ अधूरा सा लगता है. सिनेमा हॉल से लेकर मॉल तक में बच्चे पॉपकॉर्न देखते ही जिद करने लगते हैं. हालांकि अगर आप बच्चों की हेल्थ को ध्यान में रखते हुए उन्हें बाहर का नहीं खिलाना चाहते हैं या फिर घर पर मूवी देखते वक्त हॉल वाला फील लेना है तो मॉल की तरह घर पर भी अलग-अलग फ्लेवर के पॉपकॉर्न बनाकर तैयार किए जा सकते हैं. इसे बनाना भी मुश्किल नहीं होता है.

मार्केट में आजकल वैसे तो एक से दो मिनट में बनने वाले कई फूड आइटम्स मौजूद हैं और इन्हीं में से एक है पॉपकॉर्न, लेकिन ये हेल्थ के लिए अच्छे नहीं होते हैं. पैकेट वाले पॉपकॉर्न में आर्टिफिशियल फ्लेवर के साथ ही प्रिजर्वेटिव्स मिलाए जाते हैं. जिससे पॉपकॉर्न यानी मक्का से फायदे की बजाय नुकसान होने लगता है. तो चलिए जान लेते हैं घर पर पॉपकॉर्न बनाने का तरीका.

इस तरह से तैयार करके रख लें पॉपकॉर्न के लिए मक्का

घर पर लोग पॉपकॉर्न इसलिए नहीं बनाते हैं, क्योंकि ये शिकायत होती है कि घर की मक्का सही से फूलती नहीं है. इसके लिए पहले आपको मकई के ऐसे दाने चुने होंगे जो सफेद न हो. आपको उन मकई के दानों में से चपटे वाले दाने अलग कर देने हैं और देखें कि थोड़े फूले हुए गोल और नीचे से नुकीले दाने रहें. अब इन दानों को अच्छी तरह से सुखा लें और एयरटाइट कंटेनर में स्टोर करके रख लें. कूकर में पॉपकॉर्न बनाना हो तो पहले से कूकर को गर्म कर लें.

कैरेमलाइज चॉकलेट पॉपकॉर्न

घर में आप न सिर्फ सिंपल पॉपकॉर्न तैयार कर सकते हैं, बल्कि फ्लेवर वाले पॉपकॉर्न भी बनाए जा सकते हैं. बच्चों के कैरेमलाइज पॉपकॉर्न काफी ज्यादा पसंद आते हैं. इसके लिए आपको सबसे पहले कूकर में थोड़ा सा बटर गर्म करें और इसमें पॉपकॉर्न डाल दें. दूसरे पैन में थोड़ा सा गुड़ और पानी डालकर चाशनी तैयार कर लें और इलायची पाउडर भी मिला लें. तैयार किए पॉपकॉर्न को इस चाशनी में डालकर हल्के हाथ से मिला दें. चॉकलेट को कद्दूकस करें और इसमें डालकर हल्के हाथों से मिलाएं गैस को ऑप कर दें. तैयार है चॉकलेट फ्लेवर वाले कैरेमलाइज पॉपकॉर्न.

इस तरह से बनाएं मसाला पॉपकॉर्न

अगर आपको मसाला पॉपकॉर्न बनाना है तो इसका भी सिंपल तरीका है. पैन में करीब तीन चम्मच बटर डालकर एक कप पॉपकॉर्न को इसमें डालें और फिर जब मक्का फूलना शुरु हो जाए तो इसमें एक से दो चुटकी हल्दी डाल दें, इसी के साथ चाट मसाला भी एड करें. जब सारे मक्का फूल जाएं तो निकाल लें. इस तरह से आपके टेस्टी मसाला पॉपकॉर्न बनकर तैयार हो जाएंगे.

लेमन ब्राउन बटर पॉपकॉर्न खाकर मुंह में रह जाएगा स्वाद

अगर आपको लेमन पॉपकॉर्न बनाना है और नटी स्वाद भी चाहिए तो इसके लिए बटर, मक्का, सी सॉल्ट, के साथ लेमन जेस्ट निकालकर रख लें. सबसे पहले थोड़ा सा बटर डालकर पॉपकॉर्न बना लें. इसके बाद ढक्कनदार पैन को लें और इसमें मक्खन डालें इसे कम से कम 5 से 7 मिनट तक पकने दें, जिससे ये ब्राउन बटर में बदल जाएगा. गैस बंद करके इसमें लेमन जेस्ट को डालें. अब तैयार किए गए पॉपकॉर्न और सॉल्ट को डालकर इसमें अच्छे से मिलाएं. तैयार है लेमन ब्राउन बटर पॉपकॉर्न.

टिकाऊ आजीविका के साथ पर्यावरण की रक्षा

खेती और पशुपालन एक-दूसरे के पूरक हैं। गाय का गोबर खाद से खेत को उपजाऊ बनाते थे और उसके बछड़ों से खेत की जुताई की जाती थी। ट्रेक्टर और कंबाईन हारवेस्टर के खेत में आने से पषु ऊर्जा को खेती से अलग कर दिया गया है। अब खेत में बैल से जुताई नहीं, ट्रेक्टर से की जा रही है। अब गोबर खाद नहीं, हरित क्रांति के संकर बीजों के साथ आए रासायनिक खादों का इस्तेमाल हो रहा है।

पिछले कुछ सालों से खेती में रासायनिक खाद व मशीनीकरण का इस्तेमाल हो रहा है। इसके कई पहलू हैं, जिस पर चर्चा होती रही है। इसका एक पहलू कंबाईन-ट्रेक्टर से खेती भी है। इसका एक असर तो पर्यावरण पर प्रतिकूल असर है, साथ यह मजदूरों की आजीविका से भी जुड़ा हुआ है। फसलों की कटाई एक ऐसा मौका होता है, जब किसान व मजदूरों दोनों में भाईचारा व एकता दिखाई देता है। इसलिए आज इस मुद्दे पर चर्चा करना उचित होगा, जिससे खेती को समग्रता में समझा जा सके।

अक्सर जब हमें खेतों में कंबाईन-हारवेस्टर दिखाई देता है तो उसे समृद्धि और विकास का प्रतीक मानते हैं जबकि हकीकत में इसके कई नुकसान सामने आ रहे हैं। इसके आने से जो रोजगार कटाई और थ्रेसिंग के रूप में मजदूरों को मिलता था उससे वे वंचित हो रहे हैं। कंबाईन -हारवेस्टर से कटाई के बाद जो ठंडल छूट जाते हैं उनमें आग लगाने से हरे-भरे पेड़ जल रहे हैं, भूमि की उर्वर को बनाने वाले सूक्ष्म जीवाणु नष्ट हो रहे हैं। जैव-विविधता खत्म हो रही है। खेती की लागत बढ़ रही हैं। आगजनी की घटनाएं हो रही हैं। एक बड़ा असर धरती के गरम होने का भी हैं। कार्बन गैसों के उत्सर्जन से यह खतरा जुड़ा है। इस समय देष-दुनिया में जलवायु परिवर्तन सबसे बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है, इसके बावजूद ऐसी मषीनों के उपयोग पर सावधानी नहीं बरती जा रही है।हाल ही में खेतों धान की कटाई हुई है। मजदूरों की जगह अब कंबाईन हार्वेस्टर से कटाई की जाने लगी है। कटाई के बाद फसलों के ठंडलों को आग लगाई जा रही है। एक तो खड़ी फसलें जल रही है, खेतों और सड़क के किनारे लगे हरे-भरे पेड़ जल रहे हैं। इनमें से कई तो बरसों पुराने पेड़ हैं। इससे खेतों की हरियाली खत्म हो रही है। खेत भी जले- भुने ऊष्मषान की तरह लगने लगे हैं। जबकि खेतों का सौंदर्य देखते ही बनता था। हरे-भरे पेड़-पौधे मन को मोह लेते थे। फसलों के ठंडल जलाने से भूमि को उर्वर बनाने वाले सूक्ष्म जीवाणु व जीव-जंतु नष्ट हो रहे हैं और भू-जल पर भी असर हो रहा है। जैव विविधता की दृष्टि से यह बहुत बड़ा नुकसान माना जा सकता है। जबकि पहले हाथ से कटाई होती थी तो छोटे ठंडल बचते थे जो खेत की मिट्टी में मिलकर जैविक खाद बनाते थे।

ज्यादा पुरानी बात नहीं है जब कटाई के समय भूमिहीन मजदूरों केा इससे बहुत रोजगार मिलता था। अब वे बेरोजगार हो गए है और उनके भूखे मरने की नौबत आ गई हैं।मुझे याद है मेरे पिता धान कटाई के समय अस्थायी रूप से खेत में रहते थे। उनका डेरा वहीं रहता था। वहीं वे धान कटाई करते थे, उसे एक जगह एकत्र करते थे। खेत में ही खलिहान बनाते थे। और बैलों से दाबन करते थे। दाबन यानी धान के ठंडल से दाना निकालने के लिए उस पर बैलों को गोल-गोल घुमाया जाता था। जिससे धान की बालियों से दाना झर जाता था और ठंडल अलग हो जाता था। बाद में अनाज को बोरियों में भरकर घर ले जाया जाता था। और ठंडल, जो पशुओं के चरने के काम आता था। बाद में पशुओं के गोबर से जैव खाद तैयार होती थी। यह चक्र बना रहता था। यानी उस समय ठंडलों को जलाना नहीं पड़ता था। खेती भी श्रम आधारित होती थी।खेती और पशुपालन एक-दूसरे के पूरक हैं। गाय का गोबर खाद से खेत को उपजाऊ बनाते थे और उसके बछड़ों से खेत की जुताई की जाती थी। ट्रेक्टर और कंबाईन हारवेस्टर के खेत में आने से पषु ऊर्जा को खेती से अलग कर दिया गया है। अब खेत में बैल से जुताई नहीं, ट्रेक्टर से की जा रही है। अब गोबर खाद नहीं, हरित क्रांति के संकर बीजों के साथ आए रासायनिक खादों का इस्तेमाल हो रहा है। इससे हमारी भूमि का उपजाऊपन खत्म होता जा रहा है। भूमि को उर्वर बनाने वाले सूक्ष्म जीव व निस्वार्थ भाव से काम करने वाले केंचुए खत्म हो रहे है।रासायनिक खादों के इस्तेमाल से किसानों के मित्र कीट-पतंगें, पक्षियों व अन्य जीव भी मारे जा रहे हैं। जिससे मिट्टी की उर्वरता नही बढ़ पा रही है। किसान बताते हैं कि ट्रेक्टरों की जुताई से मिट्टी सख्त हो रही है। जबकि फसल के लिए खेतों की मिट्टी पोली, भुरभुरी और नरम होना जरूरी है।खेतों में ट्रेक्टर व कंबाईन हारवेस्टर आने से खेती में निर्भरता बढ़ गई। पहले किसान अधिकांष काम खुद करता था। शुरू में तो फावड़ा-कुदाली चलाकर खेती में मेहनत करता। उसे खेती के सभी तरह के कामों की जानकारी थी। हल-बक्खर कितनी गहराई पर चलाना है, खेत को कैसे तैयार करना है, बीज कब बोना है, पानी कब देना है, निंदाई-गुड़ाई कब करना है, कटाई कब करना है, उसे सब मालूम था। संकर बीजों के साथ नया कृषि ज्ञान आया है, जिससे वह अनजान है।कुछ किसान कहते हैं कि कटाई के समय मजदूर नहीं मिलते, इसलिए हारवेस्टर से कटाई करवाना जरूरी है। लेकिन मजदूरों का कहना है कि अगर उन्हें उचित मजदूरी दी जाए तो मजदूरों की कमी नहीं है। गांव से शहरों की ओर लगातार पलायन हो रहा है दूसरी तरफ गांव में मजदूर नहीं मिलने की बात समझ से परे है। अब उसकी खेती स्वावलंबी की जगह परावलंबी हो गई है। जिसमें हर चीज के लिए उसकी निर्भरता बढ़ती चली जा रही है। ट्रेक्टर के लिए ईंधन और ट्रेक्टर मरम्मत के लिए वह शहरों पर निर्भर हो गया। अगर कभी बिगड़ जाता है तब भी मरम्मत। इससे हो यह रहा है कि छोटे किसानों के लिए खेती करना मुश्किल होता जा रहा है, उनकी जमीन छिनती जा रही है। यानी कु ल मिलाकर ऐसी मशीनों का उपयोग किसी भी दृष्टि से उपयोगी नहीं है। न रोजगार की दृष्टि से, न भूमि के उपजाऊपन की दृष्टि से और न खर्च की दृष्टि से और न ही जलवायु की दृष्टि से। खरपतवारनाशकों ने उपयोग ने भी मजदूर और महिलाओं की रोजी-रोटी छीन ली है।इस सबके मद्देनजर हमें टिकाऊ खेती की ओर बढ़ना जरूरी हो गया है। खेती-किसानी को ज्यादा से ज्यादा पैसा कमाने का साधन बनाने की बजाय भोजन की जरूरत पूरा करने की दृष्टि से करने की जरूरत है। पर्यावरण और मिट्टी को बचाने की जरूरत है। खेतों के आसपास हरे-भरे वृक्षों को बचाने की जरूरत है। मेड़ बंदी और भू तथा जल संरक्षण के साथ ही भूमि का उपजाऊपन बढ़ाने की कोशिश करना चाहिए। जैविक खेती को अपनाना चाहिए। गोबर-खाद और हल-बक्खर की खेती को अपनाना चाहिए। इसमें टिकाऊपन और पारिस्थितिकीय संतुलन की क्षमता मौजूद है। इससे हमारी जैव-विविधता नष्ट नही होती। हमारे यहां मिलवां (मिश्रित) फसलों बोने का चलन है। एक साथ कई फसलें बोने से मिट्टी में पोषक तत्व बने रहते हैं। ऐसी विविधीकरण की खेती में बहुत संभावनाएं हैं। और इससे गरीब-किसानों का पेट भी भर सकता है, जो खेती का मुख्य उद्देश्य है।

संपादकीय

पिघली अवरोध की बर्फ

यह हकीकत है कि चीन भौगोलिक रूप से हमारा पड़ोसी है, हम पड़ोसी नहीं बदल सकते। ऐसे में जरूरी है कि तमाम विसंगतियों के बावजूद अपनी संप्रभुता और हितों की रक्षा के साथ पड़ोसी से रिश्ते बेहतर बनाए जाएं। लंबी खटास व तनातनी के बाद भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच बीजिंग में हुई हालिया बैठक के सार्थक परिणाम सामने आए हैं। बीजिंग में डोभाल व वांग तथा दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधियों की बैठक निश्चित रूप से कूटनीतिक लिहाज से महत्वपूर्ण प्रगति कही जा सकती है। खासकर 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़पों के बाद पांच वर्षों में यह पहली बातचीत, दो एशियाई दिग्गजों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण व सतर्क बदलाव को ही दर्शाती है। दरअसल, इस चर्चा का केंद्र लद्दाख पर अक्तूबर 2024 के समझौते का कार्यान्वयन था। यह सुखद ही है कि दोनों पक्षों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर शांति बनाये रखने की प्रतिबद्धता जतायी। निश्चय ही यह कदम भविष्य में संघर्षों को रोकने के लिये एक महत्वपूर्ण कदम है।

बैठक में सीमा व्यापार बढ़ाने, सीमा पार नदियों का डेटा साझा करने तथा कैलाश मानसरोवर की यात्रा को फिर से शुरू करने जैसे क्षेत्रों में सहयोग को गहन करने के उद्देश्य से छह सत्री सहमति पर भी जोर दिया गया। हालांकि, ऐसा भी नहीं है कि इस तरह की सहमति से सारी चुनौतियां एकदम खत्म हो चुकी हैं। निर्विवाद रूप से सीमा विवाद एक संवेदनशील व जटिल मुद्दा बना है। जिसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि आपसी विश्वास में व्याप्त कमी को दूर किया जाए। निश्चित रूप से व्यावहारिक कूटनीति के साथ विश्वास निर्माण के उपायों को कदम दर कदम बढ़ाया जाना चाहिए। हालांकि इन प्रतिबद्धताओं को अमलीजामा पहनाने के लिये सतर्कता के साथ और राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत होगी।

बहरहाल, खट्टे-मीठे रिश्तों और लंबी कटुताओं के बावजूद इस बैठक के निहितार्थों को व्यापक संदर्भों में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। निर्विवाद रूप से चीन आज दूसरी बड़ी वैश्विक शक्ति है। भारत ने भी आर्थिक व अन्य क्षेत्रों में आशातीत प्रगति की है। इसके बावजूद दोनों ही देश वैश्विक शक्ति की बदलती गतिशीलता से जूझ रहे हैं। खासकर अमेरिका में होने जा रहे राजनीतिक परिवर्तन से उबरने वाली आर्थिक चुनौतियों के मद्देनजर। ऐसे में बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को दोनों देशों की एकजुटता प्रभावित करने की क्षमता रखती है। खासकर व्यापार, प्रौद्योगिकी तथा ब्रिक्स जैसे बहुपक्षीय प्लेटफॉर्मों में सहयोगात्मक पहल से क्षेत्र में स्थिरता और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। निस्संदेह, दोनों देशों की सीमा पर शांति की पहल एक शुरुआत मात्र है। इसके उपरांत दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क, व्यापार बाधाओं व असंतुलन को दूर करना वक्त की जरूरत है। हमें सांस्कृतिक सहयोग के जरिये दोनों देशों के संबंधों को नए सिरे से परिभाषित करने का लाभ उठाना चाहिए। विश्वास कायम करने और संघर्ष की छाया दूर करने के लिये ऐसे सकारात्मक कदम जरूरी हैं। निस्संदेह, रिश्तों को सामान्य बनाने का रास्ता लंबा है, लेकिन सार्थक संवाद से अधिक सामंजस्यपूर्ण भविष्य की आशा लगातार बनी रहती है। भारत और चीन के लिये शांति सिर्फ एक आदर्श मात्र नहीं बल्कि एक अपरिहार्य आवश्यकता है। निस्संदेह, भारत और चीन के बीच हुई यह तेईसवीं मुलाकात नई उम्मीद जगाती है। उल्लेखनीय है कि भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीनी विदेश मंत्री के बीच यह बातचीत कजान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात के बाद लिए गए फैसले के अनुरूप ही हुई है। जिसमें सीमा क्षेत्रों में शांति और सौहार्द की बहाली और सीमा विवाद का उचित समाधान तलाशने पर सहमति बनी थी। उम्मीद की जानी चाहिये कि संक्रमण के दौर से गुजर रहे वैश्विक परिदृश्य में भारत व चीन एकजुट होकर निर्णायक भूमिका निभाएंगे। यह स्थिति दोनों देशों के हित में ही कही जाएगी।

एक देश एक चुनाव' संघीय ढांचे के लिए खतरा

केंद्र सरकार द्वारा मंगलवार को संसद में 'एक देश एक चुनाव' का बिल पेश किया गया

एक सच्चाई ये भी है कि चुनाव आयोग पर आर्थिक बोझ दिखा कर भाजपा और अन्य दल अपना खर्च कम करना चाहते हैं। सीएमसी के अनुसार 2019 के लोस में खर्च हुए 60 हज़ार करोड़ में से बीजेपी का हिस्सा 45प्रतिशत था। और भाजपा का खर्च अमूमन 2014 के बाद हर चुनाव में बढ़ता ही जा रहा है।

केंद्र सरकार द्वारा मंगलवार को संसद में %एक देश एक चुनाव% का बिल पेश किया गया, जो भारत की चुनाव व्यवस्था में बड़े बदलाव की कोशिश करता है। यह बिल कई दृष्टिकोणों से देश के संघीय ढांचे, लोकतांत्रिक प्रक्रिया और चुनावी व्यवस्था को प्रभावित करेगा। हालांकि सरकार का कहना है कि यह बिल राजनीतिक स्थिरता, प्रशासनिक दक्षता और संसाधनों की बचत के लिए जरूरी है। सड़क से लेकर सदन तक सत्ता पक्ष इसके फायदे बिना रही है, लेकिन विपक्ष इसके अव्यवहारिकता और संवैधानिक चुनौतियों को लेकर चिंता जाहिर कर रहा है जो वाजिब भी है।सत्ता पक्ष के अनुसार केंद्र और राज्य के चुनाव एक साथ होने पर चुनाव आयोग के खर्च में कमी आएगी। चुनावों के समय होने वाली घटिया आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति से उत्पन्न कटुता और वैमनस्य कम होगा। सरकारें इलेक्शन मोड के लोकलुभावन निर्णयों के स्थान पर नेशन बिल्डिंग मोड के कठोर फैसले लेने में समर्थ होंगी। निश्चित ही इन परिवर्तनों से हमारा देश मजबूत होगा। किंतु प्रश्न यह है कि क्या इन परिवर्तनों को लाने का एकमात्र जरिया केंद्र और राज्यों के चुनाव एक साथ कराना ही है? जब आप इन रंगीन भ्रांतियों का शिनाख्त करेंगे तो सच्चाई कुछ और निकलेगा।इस बिल के चर्चा में आने के बाद से सबसे ज्यादा इसके आर्थिक फायदा गिनाए जा रहे हैं। जहां तक चुनाव आयोग के खर्च का प्रश्न है तो 2014 के लोकसभा चुनाव में लगभग 3000 करोड़ और 2019 में 4500 करोड़ रुपए का व्यय आकलित किया गया था। वही सिस्टम की लापरवाही के कारण पूंजीपतियों और भगोड़ों द्वारा देश के विभिन्न बैंकों को ऋण/एनपीए के रूप में जो क्षति पहुंचाई गई, उसकी तुलना में ये राशि बहुत कम है। ये राशि केंद्र सरकार द्वारा अपने ब्रांडिंग और विज्ञापनों पर किए गए खर्च से भी कम है। वर्ष 2014-23 तक पूंजीपतियों के करीब 14.56 लाख करोड़ की राशि माफ की गई। तो वही सरकार के आंकड़ों के अनुसार 2014-22 तक विज्ञापनों पर 6500 करोड़ खर्च किए गए। इतने राशि में कई चुनाव कराए जा सकते है।एक सच्चाई ये भी है कि चुनाव आयोग पर आर्थिक बोझ दिखा कर भाजपा और अन्य दल अपना खर्च कम करना चाहते हैं। सीएमसी के अनुसार 2019 के लोस में खर्च हुए 60 हज़ार करोड़ में से बीजेपी का हिस्सा 45प्रतिशत था। और भाजपा का खर्च अमूमन 2014 के बाद हर चुनाव में बढ़ता ही जा रहा है।अगर सच में मोदी सरकार चुनाव आयोग के खर्चे पर लगाम लगाकर जनता पर आर्थिक बोझ कम करना चाहती है तो उसे %एक देश एक चुनाव% के बदले एक ऐसा कानून लाना चाहिए कि राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे का एक तय हिस्सा चुनाव आयोग को दिया जाएगा। इन्ही पैसे से चुनाव आयोजित होंगे। इससे जनता का ख़र्च कम होगा और चंदे को लेकर भी पारदर्शिता आएगी।

बात-बात पर नेहरू को कोसने वाली जमात का दावा है कि आजादी के बाद सारे चुनाव एक साथ हुए इसलिए %एक देश एक चुनाव% लागू किया जाना चाहिए। चूंकि सामान्य सी समझ है आरम्भ में दोनों चुनाव एक साथ ही होना था, ये स्वाभाविक परिणति थी। कालांतर में इन दोनों चुनाव चक्रों का अलग-अलग होना भी स्वाभाविक था। संविधान निर्माता यह जानते थे। इसमें कोई विकृति नहीं है इसलिए चुनाव एकीकरण के लिए कोई कानून की जरूरत नहीं समझे।दावा यह भी है कि एक बार चुनाव होने से मतदान प्रतिशत में वृद्धि होगी। लेकिन आंकड़े बताते है कि देश के बड़े सूबे उ.प्र., महाराष्ट्र, झारखंड, बिहार सहित कई राज्यों में लोकसभा के तुलना में विधानसभा में अधिक वोटिंग हुआ है। मतलब मतदाताओं का क्षेत्रीय मुद्दों की तरफ ज्यादा रुझान है। वहीं यह भी तर्क दिया जा रहा है कि बार- बार आचार संहिता की वजह से विकास कार्य प्रभावित होता है। अगर इसे सच्चाई भी मान लें तो इसके लिए संघीय ढांचे को नष्ट कर, शक्तियों का केंद्रीकरण करने की जरूरत नहीं है बल्कि चुनाव संहिता में आमूलचूल परिवर्तन से या एक साल में होने वाले सारे चुनावों को एक समय पर सम्पन्न कराकर प्रशासनिक सुधारों और विकास कार्यों को गति दी सकती है।विपक्ष ने कोविंद समिति के सामने संविधान के मूल संरचना का उल्लंघन का मुद्दा उठाया था, जिसका रिपोर्ट में भी जिक्र है। दरअसल %एक देश एक चुनाव% संघीय ढांचे के विपरीत क्षेत्रीय दलों को कमजोर और राष्ट्रीय दलों का वर्चस्व बढ़ाने वाला होगा। एक साथ चुनाव होने से क्षेत्रीय मुद्दे गौण हो जाएंगे। और केंद्र की शक्तियों में वृद्धि होगी। इस कानून के मुताबिक लोकसभा का कार्यकाल खत्म होने के साथ ही विधानसभा का कार्यकाल स्वत- समाप्त हो जाएगा। इससे राज्य के मंत्री परिषद और विधानसभा के अधिकारों में भारी कटौती होगी। राज्यपाल और राष्ट्रपति शासन द्वारा केंद्र में बैठी दल का राज्य में परोक्ष रूप से शासन होगा। बिल के मुताबिक अगर कोई राज्य सरकार बहुमत खो देती है तो वहां सिर्फ बचे हुए कार्यकाल के लिए मध्यावधि चुनाव होंगे। मतलब चुनाव पर खर्च तभी होगा, बस विधानसभा को 5 साल सरकार चलाने का अधिकार छीन जाएगा। कुल मिलाकर इस प्रस्ताव से चुनाव एक बार में हो या न हो लेकिन एकदलीय प्रणाली को बढ़ावा जरूर मिलेगा, केंद्र में काबिज दल की शक्ति बढ़ेगी जो सीधा संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था को चुनौती देगी।

आपकी तैयारी हमारा साथ

'अगर छात्र यह जान ले कि वह जो पढ़ रहा है, उससे आगे वह किस दिशा में जाएगा, तो लगभग 65 प्रतिशत छात्र बिना किसी शंका के अपने भविष्य का खाका बुन सकते हैं।' अमेरिका के राष्ट्रपति बराक ओबामा का यह कथन शतप्रतिशत सही है। अब वो वक्त आ गया है, जब बारहवीं के छात्रों को इस कथन पर अमल करना चाहिए। परीक्षाओं की तैयारी इस ओर पहला कदम है।

शिक्षा और करियर का चोली-दामन का साथ है। आप अपने लिए किस तरह की जिंदगी की रचना कर रहे हैं या अपने लिए क्या चाहते हैं, इसका उत्तर अब तक आपको मिल जाना चाहिए। ग्यारहवीं में आप स्कूल में जिन विषयों को चुनते हैं और बोर्ड एग्जाम में शिरकत करते हैं, उनसे तय होता है कि आप आगे किस ओर बढ़ रहे हैं। बोर्ड एग्जाम हव्वा नहीं है, पर अहम है। इन परीक्षाओं को ले कर आपको डरने की जरूरत नहीं है। अगर आप आज से ही जुट जाएंगे और समय-समय पर अपने अध्यापकों से अपनी शंकाओं का समाधान करते जाएंगे, तो आप बड़ी आसानी से एग्जाम की वैतरणी पार कर सकते हैं। शिक्षाविद् और आईआईटी, मुंबई से शिक्षित डॉक्टर सलीम शीशावाला कोलंबिया यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर हैं। उन्होंने कुछ समय पहले यूनिवर्सिटी में अपने प्रजेंटेशन के दौरान कहा था--अब वक्त आ गया है कि छात्रों को अपने बने-बनाए ढर्रे से बाहर निकल कर नया सोचना चाहिए। वे सिर्फ मैथ्स, साइंस, इकोनॉमिक्स, लेंग्वेज और कॉमर्स के बारे में ना सोचें, बल्कि यह देखें कि वे आज जो पढ़ रहे हैं और कॉलेज में पढ़ना चाहते हैं, क्या वे उसी क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं? डॉक्टर सलीम ने कई मोटिवेशनल किताबें भी लिखी हैं। इंजीनियरिंग करने के बाद उन्होंने कुछ समय एक कारखाने में काम किया था। वहीं जा कर उन्हें लगा कि छात्र जीवन में उन्हें मशीनों से प्यार करना नहीं सिखाया गया और उन्हें इस बात का अहसास हुआ कि नौकरी और शिक्षा में कितना ज्यादा फासला है।

बारहवीं की परीक्षा और उसका परिणाम आपकी जिंदगी को, भविष्य को और करियर को एक दिशा देता है। यह वक्त है अपनी समझ और काबिलियत के हिसाब से परीक्षाओं की तैयारी में पूरी तरह जुट जाने का। बारहवीं के बाद कॉलेज की पढ़ाई बहुत-कुछ आपके बोर्ड परीक्षाओं के नंबरों पर निर्भर करती है। अगर आप अब तक अपनी पढ़ाई को ले कर गंभीर नहीं हुए हैं, तो अब हो जाएं। बोर्ड एग्जाम तक हर सप्ताह नई दिशाएं आपको विभिन्न विषयों की तैयारी के अलावा परीक्षा से जुड़ी दूसरी तमाम बातों को लेकर आपकी शंकाओं को दूर करेगी।

जेनेटिक इंजीनियरिंग में करियर की संभावनाएं

जेनेटिक इंजीनियरिंग में एम-टेक या जेनेटिक्स में एमएससी की प्रवेश परीक्षा में बैठने के लिए छात्र को लाइफ साइंस, इंजीनियरिंग, एमबीबीएस या बीडीएस जैसे विषयों में 55 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक होना चाहिए। कई विश्वविद्यालयों में जेनेटिक इंजीनियरिंग एमएससी इन बायोटेक्नोलॉजी में स्पेशलाइजेशन के तौर पर कराई जाती है, जिसमें पुणे यूनिवर्सिटी, दिल्ली यूनिवर्सिटी, मदुरै कामराज यूनिवर्सिटी, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी शामिल हैं। दिल्ली की जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी दो सालों के एमएससी बायोटेक्नोलॉजी कोर्स के लिए कंबाइंड एंट्रेस टेस्ट लेती है।

जेनेटिक इंजीनियरिंग मेडिकल क्षेत्र से काफी हद तक जुड़ी है, इसलिए छात्रों के लिए मानव स्वास्थ्य को समझना भी बेहद जरूरी हो जाता है। बारहवीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री या बायोलॉजी से उत्तीर्ण छात्र लाइफ साइंस या बायोटेक्नोलॉजी से बीएससी करके मास्टर्स लेवल में विषय के रूप में जेनेटिक्स चुन सकते हैं।

गावों के विकास में हाथ बंटाकर बनाएं कॅरियर

भारत में विश्व बैंक की विभिन्न परियोजनाएं भी खासतौर पर गांवों के लिए चालू की गई हैं। इसके अलावा गैर सरकारी संगठनों ने भी गांव में काम करना शुरू कर दिया है। ऐसे में ग्रामीण विकास डिप्लोमा एक बेहतर कॅरियर के रूप में उभरा है।

आजकल राज्य सरकारें ही नहीं भारत सरकार भी ग्रामीण विकास पर पूरा ध्यान दे रही है। भारत में विश्व बैंक की विभिन्न परियोजनाएं भी खासतौर पर गांवों के लिए चालू की गई हैं। इसके अलावा गैर सरकारी संगठनों ने भी गांव में काम करना शुरू कर दिया है। ऐसे में ग्रामीण विकास डिप्लोमा एक बेहतर कॅरियर के रूप में उभरा है। खास बात ये है कि यह पाठ्यक्रम दूरस्थ पद्धति द्वारा संचालित किया जाता है। ग्रामीण विकास डिप्लोमा पाठ्यक्रम में दाखिला लेने के लिए उम्मीदवार का स्नातक होना अनिवार्य है। लेकिन उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने बारहवीं कक्षा में भी इसे मान्यता दी है। वहीं अन्नामलाई विश्वविद्यालय ने स्नातक के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र में दो वर्ष का कार्य अनुभव भी दाखिले के वक्त अनिवार्य तौर पर रखा है।

ग्रामीण विकास में डिप्लोमा पाठ्यक्रम की अवधि एक वर्ष की है लेकिन उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में एक से तीन वर्ष तक का पाठ्यक्रम है। पाठ्यक्रम का माध्यम केवल हिन्दी और अंग्रेजी ही हैं। इन संस्थानों से ग्रामीण विकास डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण लिया जा सकता है-

- कर्नाटक स्टेट मुक्त विश्वविद्यालय, मनसागंगोत्री, मैसूर- 570006
- अन्नामलाई विश्वविद्यालय, डायरेक्टरेट ऑफ डिस्टेन्स एजुकेशन, अन्नामलाई नगर- 608002
- ककातीय विश्वविद्यालय, स्कूल ऑफ डिस्टेन्स लर्निंग एंड कंटीन्यूईंग एजुकेशन, वारंगल- 506009
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110068
- सेंटर फॉर डिस्टेंस एजुकेशन, एमवीपुरम, अनन्तपुर-515003

फॉरेंसिक साइंस तहकीकात की कला

अपराध की गुत्थियां सुलझाने में फॉरेंसिक साइंस काफी मददगार साबित होती है। इसकी पढ़ाई के बाद देश ही नहीं, विदेश में भी रोजगार के अवसर मिलते हैं।

फॉरेंसिक साइंस एक ऐसा विज्ञान है, जिसमें अपराधों की जांच-पड़ताल में वैज्ञानिक सिद्धांतों का इस्तेमाल किया जाता है। फॉरेंसिक साइंटिस्ट मौके पर जाकर कई तरह के क्लू जैसे फिंगर प्रिंट, ब्लड सैंपल व साक्ष्य आदि जुटाते हैं। अन्य कई तरह की जांच में भी इनका अहम योगदान रहता है। फॉरेंसिक साइंटिस्ट से इनपुट लेकर ही इनवेस्टिगेटिंग ऑफिसर अदालत के समक्ष हाजिर होता है। इसके अंतर्गत घटनास्थल से लेकर केस से जुड़े एक-एक तथ्य को बारीकी से जांचा जाता है।

कोर्स से जुड़ी जानकारी

फॉरेंसिक साइंस को लेकर आजकल तीन तरह के कोर्स संचालित हो रहे हैं। पहला सर्टिफिकेट कोर्स है, जिसमें फॉरेंसिक साइंस के विभिन्न पहलुओं के बारे में प्रारम्भिक स्तर का ज्ञान दिया जाता है। साथ ही भौतिकी, केमिस्ट्री, टैक्सिकोलॉजी, एंथ्रोपोलॉजी, मनोविज्ञान व मेडिसिन के बारे में जानकारी दी जाती है। दूसरा कोर्स स्नातक स्तर का बीएससी इन फॉरेंसिक साइंस होता है। तीन वर्षीय इस कोर्स में विभिन्न बिन्दुओं के अलावा सर्टिफिकेट अथवा डिप्लोमा में पढ़ाए विषयों को विस्तार के साथ बताया जाता है। इसमें थ्योरी व प्रेक्टिकल दोनों समान रूप से चलते हैं। पीजी लेवल पर पहले सेमेस्टर में क्रिमिनल लॉ, क्राइम सीन मैनेजमेंट, स्केचिंग सहित कई महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर प्रकाश डाला जाता है, जबकि दूसरे सेमेस्टर में हैंडराइटिंग परीक्षण के अलावा सेरोलॉजी, एंथ्रोपोलॉजी आदि पर ज्ञान बढ़ाया जाता है।

इस रूप में मिलेगा काम

फॉरेंसिक साइंस का कोर्स करने के पश्चात निम्न रूप में अवसर सामने आते हैं-

फॉरेंसिक पैथोलॉजिस्ट- इससे संबंधित प्रोफेशनल्स मर्डर अथवा संदेहात्मक परिस्थितियों में हुई मौत के समय का आकलन करते हैं।

फॉरेंसिक एंथ्रोपोलॉजिस्ट- एंथ्रोपोलॉजी में पीएचडी अथवा फॉरेंसिक साइंस में उच्च योग्यता हासिल करने के पश्चात फॉरेंसिक एंथ्रोपोलॉजिस्ट के रूप में काम किया जा सकता है। ये किसी बड़े हादसे जैसे अग्निकाण्ड, प्लेन क्रैश होने, विस्फोट आदि में मृत लोगों की पहचान अथवा उनके बारे में विवरण जुटाते हैं।

फॉरेंसिक साइकोलॉजिस्ट- साइकोलॉजी में स्नातक अथवा मास्टर डिग्री हासिल करने वाले छात्र फॉरेंसिक साइकोलॉजिस्ट का काम कर सकते हैं। ये किसी भी मामले से संबंधित फैक्ट जुटाने का काम करते हैं।

क्लीनिकल फॉरेंसिक मेडिसिन एक्सपर्ट- मेडिकल के क्षेत्र में डिग्री अथवा पीजी डिप्लोमा करने वाले छात्र यह काम कर सकते हैं। ये किसी भी हादसे में घायल लोगों का उपचार करते हैं।

फॉरेंसिक सोरोलॉजी एक्सपर्ट- इनका काम किसी व्यक्ति के ब्लड ग्रुप, डीएनए टेस्ट आदि से संबंधित होता है। ये उसका आकलन करने से लेकर पहचान तक का कार्य करते हैं।

फॉरेंसिक केमिस्ट- वे छात्र, जिनके पास साइंस की डिग्री हो और जिन्होंने फॉरेंसिक केमिस्ट्री में स्पेशलाइजेशन किया हो, वे फॉरेंसिक केमिस्ट के रूप में जॉब कर सकते हैं। इनका कार्य संदेहात्मक परिस्थितियों में ड्रग आदि की जांच करने से संबंधित होता है।

लैंग्वेज एक्सपर्ट/टैक्सिकोलॉजिस्ट- ये किसी कोड अथवा विदेशी भाषा से जुड़ा संशय दूर करते हैं। कई बार अपराधी ऐसी कोड भाषा का प्रयोग करते हैं, जिसे सामान्य आदमी नहीं समझ पाता। लैंग्वेज एक्सपर्ट उसे सुलझाने अथवा समझने में मदद करते हैं। टैक्सिकोलॉजिस्ट के रूप में केमिस्ट्री अथवा बायोकेमिस्ट्री स्ट्रीम के छात्र पुलिस को सहायता पहुंचाते हैं।

शैक्षिक योग्यता

फॉरेंसिक साइंस से संबंधित ज्यादातर कोर्स स्नातक एवं परास्नातक लेवल के हैं। इसके लिए वही छात्र आवेदन कर सकते हैं, जिन्होंने विज्ञान विषय के साथ 10+2 किया हो, जबकि एमएससी एवं पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए बीएससी होना जरूरी है। मास्टर डिग्री हासिल करने के बाद एमफिल एवं पीएचडी कोर्स में दाखिला मिलता है।

आवश्यक स्किल्स

एक फॉरेंसिक एक्सपर्ट को आंख व कान दोनों खुले रखने होते हैं। सामाजिक परिवेश व तथ्यों का खेल होने के कारण इसमें मनोविज्ञान की समझ आवश्यक है। इसके लिए एनालिटिकल स्किल्स व साइकेट्रिस्ट का गुण भी काफी काम आता है। खोजी मानसिकता, धर्यवान तथा साहसिक गुण वाले युवा इसमें काफी तरक्की करते हैं।

सेलरी

युवाओं के लिए फॉरेंसिक साइंस उच्च सेलरी वाला आकर्षक प्रोफेशन है। सरकारी विभागों में सेलरी काफी कुछ पे स्केल पर निर्भर करती है, जबकि प्राइवेट जॉब में यह काम के स्वरूप एवं कंपनी पर आधारित होता है। आमतौर पर फॉरेंसिक एक्सपर्ट के रूप में जॉब ज्वॉइन करने पर 25-30 हजार रुपए प्रतिमाह आसानी से मिल जाते हैं। अनुभव व जिम्मेदारी बढ़ने पर सेलरी भी बढ़ती जाती है।

एजुकेशन लोन/स्कॉलरशिप

फॉरेंसिक साइंस का कोर्स करने के लिए कई तरह की स्कॉलरशिप अथवा एजुकेशन लोन दिए जाते हैं। देश-विदेश में अध्ययन के लिए एजुकेशन लोन की राशि व प्रावधान बैंक पर निर्भर करता है, जबकि अधिकांश स्कॉलरशिप मेरिट के आधार पर मिलती हैं।

फीस व खर्च

भारत में फॉरेंसिक साइंस का स्पेशलाइज कोर्स करने के लिए करीब 2-3 लाख रुपए का खर्च आता है। कई बार फीस की राशि संस्थान की रेटिंग पर निर्भर करती है। हालांकि केंद्रीय विश्वविद्यालयों द्वारा ली जाने वाली फीस की राशि काफी कम होती है। आरक्षित समूह में आने वाले छात्रों को फीस के रूप में भारी छूट मिलती है।

रोजगार की संभावनाएं

यह ऐसा प्रोफेशन है, जिसमें समय के साथ डिमांड बढ़ती जा रही है। इसमें केंद्र व राज्य दोनों ही स्तरों पर अवसर मिलता है। सरकारी जांच एजेंसियों के अलावा प्राइवेट एजेंसी भी काम दे रही हैं। विवि व अन्य संस्थानों में टीचिंग का चलन भी बढ़ा है। कुछ क्षेत्र निम्न हैं- सीबीआई व आईबी, सरकारी अपराध प्रयोगशाला, निजी चैनल, पुलिस प्रशासन के प्रमुख विभाग, न्यायिक एजेंसी, भारतीय सेना, प्राइवेट डिटेक्टिव कंपनी, रिसर्च एनालिसिस विंग और फीलासिंग।

विदेशों में भी अवसर

देश के साथ विदेश में भी रोजगार के पर्याप्त अवसर मिलते हैं। अमेरिका सहित अन्य कई विकसित देश भारी संख्या में फॉरेंसिक एक्सपट्स की डिमांड करते हैं। विदेश में ज्यादातर संभावनाएं मेडिकल एग्जामिनर, क्राइम लेबोरेटरी एनालिस्ट, क्राइम स्कैन एग्जामिनर, फॉरेंसिक इंजीनियर व लैंग्वेज एक्सपर्ट के रूप में मिलती हैं।

बालों के लिए प्याज से ज्यादा उसका तेल है फायदेमंद

किचन की जरूरतों के अलावा, प्याज के कई अन्य फायदे हैं। बालों का गिरना, रूसी, गंजापन, बालों का सफेद होना- ये सभी कुछ ऐसी समस्याएं हैं जिनसे लगभग हर दूसरा व्यक्ति परेशान है। जिसके कारण बालों का झड़ना, डैंड्रफ या गंजा होना जैसी कई समस्याएं होती हैं। सभी महिलाओं को मजबूत बाल और रूसी से मुक्त स्कैल्प नहीं मिलता है, लेकिन चिंता न करें। यहां इन समस्याओं के लिए एक उपाय है। ऐसी बालों से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए आप प्याज के तेल का इस्तेमाल कर सकती हैं।

क्यों फायदेमंद है प्याज का तेल

प्याज का तेल औषधीय गुणों से युक्त है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन सी, विटामिन बी6, फोलेट, पोटेशियम, एंथोसायनिन, थियोसल्फीनेट और सल्फर कंपाउंड पाए जाते हैं, जो बालों और स्कैल्प को पोषण प्रदान करते हैं। प्याज का तेल बालों को बढ़ाने और बालों के झड़ने को रोकने के लिए एक सिद्ध उपाय है। स्वस्थ और घने बाल सुनिश्चित करने के लिए यह व्यापक रूप से उपयोग किया जाने वाला आयुर्वेदिक समाधान है। इस हेयर ऑयल को नियमित रूप से लगाने के लिए आपको बस एक निरंतर समर्पण की आवश्यकता है। इसके अलावा, इस जादुई तेल का उपयोग करने के साथ-साथ एक स्वच्छ पोषक तत्वों से भरे आहार का सेवन करना न भूलें।

बालों के लिए प्याज के तेल के फायदे

- प्याज के रस के उपयोग से बालों के ग्रोथ साइकल के काफी अनुकूलन है। प्याज के तेल में पर्याप्त एंटीऑक्सीडेंट की उपस्थिति कुछ एंजाइमों के प्रभाव को बढ़ाती है जो बालों के झड़ने को रोकने में काम करते हैं।
- प्याज का तेल बालों को दोबारा बढ़ने में मदद करने के लिए अदभुत काम कर सकता है। नियमित रूप से इस तेल का उपयोग प्रभावी रूप से बालों के झड़ने को रोकने और गंजापन का इलाज करेगा।
- प्याज के तेल में सल्फर की प्रचुर मात्रा शामिल होती है, जिससे बालों का टूटना, झड़ना समाप्त होता है। प्याज के तेल में मौजूद अन्य पोषक तत्वों से भी बालों के ऑक्सीकरण को रोका जा सकता है। सल्फर की उपस्थिति भी आपको बालों के नियमित पीएच को बनाए रखने में मदद कर सकती है, जिससे बालों को जल्दी झड़ने से रोका जा सके।
- इस तेल को अपने बालों में मालिश करने से रक्त परिसंचरण में सुधार करने में मदद मिलती है, और यह पोषित त्वचा के साथ घने और मजबूत बालों का विकास भी सुनिश्चित करता है।
- अपनी खोपड़ी में प्याज के तेल का नियमित उपयोग किसी भी जीवाणु संक्रमण या रूसी को रोक सकता है। प्याज का तेल यह भी सुनिश्चित करेगा कि आपके चमकदार और मजबूत बाल हैं।
- प्याज के तेल के लाभ को बढ़ाने के लिए किसी अन्य लाभकारी तेल के साथ जोड़ा जा सकता है। बेहतर लाभ के लिए जैतून या नारियल के तेल के साथ प्याज का तेल मिलाना बहुत स्वस्थ और अच्छा विकल्प है।
- यह जादुई तेल आपके शैम्पू से पहले, कंडीशनर के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। यह एक प्राकृतिक कंडीशनर के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है जो रूखेपन से बचने का अच्छा विकल्प है।

झड़ते बालों से हैं परेशान तो रोजाना करें ये 3 योगासन

गलत खान-पान और मौसम में आने वाले बदलाव की वजह से आजकल कम उम्र में ही युवाओं के बाल झड़ने लगते हैं। ऐसे में बालों को झड़ने से रोकने का दावा करने वाले बाजार में मिलने वाले महंगे कैमिकल युक्त प्रॉडक्ट्स न सिर्फ बालों को रूखा बेजान बनाते हैं बल्कि इनका इस्तेमाल करने से बाल ज्यादा झड़ने लगते हैं। ऐसे में आपकी परेशानी को दूर करते हुए आपको बताएंगे वो 3 योगासन जिनका रोजाना अभ्यास करने पर आपके बाल काले घने और खूबसूरत हो जाएंगे। आइए जानते हैं आखिर कौन से हैं वो 3 जादुई आसान।

1- अधोमुखश्वानासन-यह आसन शरीर के कसाव को कम करता है और मांसपेशियों को लचीला बनाता है।

ऐसे करें ये आसन-

सबसे पहले जमीन पर एकदम सीधे खड़े होकर दोनों हाथों को आगे करते हुए नीचे जमीन की ओर झुका लें। ध्यान रखें झुकते समय आपके घुटने सीधे कूल्हों के ठीक नीचे होने चाहिए जबकि आपके दोनों हाथ कंधे के बराबर नहीं बल्कि इससे थोड़ा सा पहले झुका होना चाहिए।अपने हाथों की हथेलियों को झुकी हुई अवस्था में ही आगे की ओर फैलाएं और उंगलियां समानांतर रखें।

श्वास छोड़ें और अपने घुटनों को अधोमुख श्वानासन मुद्रा के लिए हल्का सा धनुष के आकार में मोड़े और एड़ियों को जमीन से ऊपर उठाएं। इस प्वाइंट पर अपने कूल्हों को पेल्विस से पर्याप्त खींचें और हल्का सा प्यूबिस की ओर दबाएं। हाथों को पूरी तरह जमीन पर कंधों के नीचे से आगे की ओर फैलाए रखें, लेकिन उंगलियां जमीन पर फैली होनी चाहिए।

इसके बाद अपने घुटनों को जमीन पर थोड़ा और झुकाए

और कूल्हों को जितना संभव हो ऊपर उठाएं।

सिर हल्का सा जमीन की ओर झुका होना चाहिए और पीठ के लाइन में ही होनी चाहिए। अब आप पूरी तरह अधोमुख श्वानासन मुद्रा में हैं।

2- पादांगुष्ठासन-

यह मुद्रा सिर से पैर तक रीढ़ और सभी मांसपेशियों को फैलाकर रक्तचाप को नियंत्रण में रखती है। इस आसन का अभ्यास करने से मस्तिष्क में रक्त परिसंचरण बढ़ता है और जांघ की मांसपेशियों, हैमस्ट्रिंग, पिंडलियों की मांसपेशियों और पीठ के निचले हिस्से और दोनों भुजाओं में खिंचाव होता है।

ऐसे करें ये आसन-

पादांगुष्ठासन योग को करने के लिए आप सबसे पहले एक योगा मैट को फर्श पर बिछाकर उस पर सीधे ख? हो जाएं। इस आसन को करने के लिए आप ता ?सन की मुद्रा में भी ख? हो सकते हैं। अपने दोनों हाथों और री? की हड्डी को सीधा रखें और अपने दोनो पैरों के बीच कम से कम 6 इंच की दूरी रखें।

अब सांस को छोड़ते हुए अपने धड़ यानी शरीर के ऊपरी हिस्से को सीधा रखें हुए कूल्हों के जोड़ से नीचे की ओर झुकें। ध्यान रखें की आपकी कमर से नहीं झुकना हैं और ऊपरी हिस्से को पूरी तरह से सीधा रखना हैं। अपने माथे को पैरों से लगाने के प्रयास करें और दोनों हाथों से पैर के अंगूठे को पकड़ लें, जिसमे आपकी पकड़ मजबूत होनी चाहिए।

3-पश्चिमोत्तानासन

इस योगासन से स्त्रियों के योनिदोश, मासिक धर्म सम्बन्धी विकार तथा प्रदर आदि रोग दूर होते हैं। यह आसन गर्भाशय से सम्बन्धी शरीर के स्नायुजाल को ठीक करता है।

पश्चिमोत्तानासन करने का तरीका-

- जमीन पर दोनों पैरों को एकदम सीधे फैलाकर बैठ जाएं।दोनों पैरों के बीच में दूरी न हो और जितना संभव हो पैरों को सीधे रखें। इसके साथ ही गर्दन, सिर और रीढ़ की हड्डी को भी सीधा रखें।
- इसके बाद अपनी दोनों हथेलियों को दोनों घुटनों पर रखें।
- अब अपने सिर को धीरे से आगे की ओर झुकाएं और अपने घुटनों को बिना मोड़े हाथों की उंगलियों से पैरों की उंगलियों को छूने की कोशिश करें।
- इसके बाद गहरी श्वास लें और धीरे से श्वास को छोड़ें। अपने सिर और माथे को दोनों घुटनों से छूने की कोशिश करें।
- बाहों को झुकाएं और कोहनी से जमीन को छूने की कोशिश करें।
- श्वास को पूरी तरह छोड़ दें और इसी मुद्रा में कुछ देर तक बने रहें।
- कुछ सेकेंड के बाद वापस पहली वाली मुद्रा में आ जाएं।
- अब सामान्य रूप से श्वास लें और इस आसन को 3 से 4 बार दोहराएं।

सेहत

बालों को रेगुलर डाई करने से ब्रेस्ट कैंसर का बढ़ता है खतरा

बालों पर हेयर डाई और केमिकल्स के इस्तेमाल से कई नुकसान हैं पर हाल ही में आए शोध ने इसे ब्रेस्ट कैंसर से जोड़ा है। शोधकर्ताओं का कहना है कि जो महिलाएं स्थाई हेयर डाई और रासायनिक हेयर स्ट्रेटनर का उपयोग करती हैं, उनमें अन्य महिलाओं की तुलना में स्तन कैंसर विकसित होने का खतरा अधिक होता है। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कैंसर में प्रकाशित इस अध्ययन से पता चलता है कि इन रासायनिक बाल उत्पादों के अधिक लगातार उपयोग से स्तन कैंसर का खतरा बढ़ गया है।

अमेरिका में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एन्वायर्नमेंटल हेल्थ साइंसेज (NIEHS) के लेखक एलेक्जेंड्रा व्हाइट के द्वारा किए गए इस शोध में बताया गया है कि लंबे समय से हेयर डाई और कैंसर के बीच संबंध पाए गए हैं। लेकिन परिणाम असंगत रहे हैं। शोधकर्ताओं ने अध्ययन में बताया है कि बालों में डाई के उपयोग से स्तन कैंसर से जुड़ा खतरा बढ़ सकता है। इसका प्रभाव अफ्रीकी अमेरिकी महिलाओं, खासकर उन लोगों में अधिक मजबूत होता है, जो इसे रेगुलर यूज करते हैं।

सिस्टर स्टडी में 46,709 महिलाओं के डेटा का उपयोग करते हुए, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एन्वायर्नमेंटल हेल्थ साइंसेज के शोधकर्ताओं ने पाया कि जिन महिलाओं ने अध्ययन में भाग लिया, उनमें पहले साल में नियमित रूप से स्थाई हेयर डाई का इस्तेमाल किया गया। उनमें उन महिलाओं की तुलना में ब्रेस्ट कैंसर होने की संभावना नौ प्रतिशत अधिक थी, जिन्होंने हेयर डाई को रेगुलर इस्तेमाल नहीं किया। अफ्रीकी अमेरिकी महिलाओं में, हर पांच से आठ सप्ताह या उससे अधिक समय से स्थाई रूप से डाई का इस्तेमाल कर रही थीं और उनमें कैंसर होने की संभावना ज्यादा थी। इसके अलावा एक पेचीदा खोज रासायनिक बाल स्ट्रेटनर और स्तन कैंसर के उपयोग के बीच पाया गया है। शोधकर्ताओं ने पाया कि जिन महिलाओं ने हर पांच से आठ सप्ताह में हेयर स्ट्रेटनर का इस्तेमाल किया, उनमें स्तन कैंसर होने की संभावना लगभग 30 प्रतिशत अधिक थी। अध्ययन में कहा गया है कि स्ट्रेटनर के उपयोग और स्तन कैंसर के बीच संबंध अफ्रीकी अमेरिकी और श्वेत महिलाओं में समान था। लेकिन स्ट्रेटनर का उपयोग अफ्रीकी अमेरिकी महिलाओं के बीच अधिक आम था। वहीं शोधकर्ताओं ने आगाह किया कि रासायनिक स्ट्रेटनर के इस्तेमाल से कुछ ऐसी किरणें निकलती हैं, जो ब्रेस्ट कैंसर को बढ़ावा देता है।

शोध में यह पूछे जाने पर कि क्या महिलाओं को अपने बालों को डाई करना बंद कर देना चाहिए? तो लेख में सह-लेखक डेल सैंडलर ने कहा कि हमने डाई में कई चीजें पाई, जो संभवतः स्तन कैंसर में योगदान कर सकते हैं। पर यह संभावना नहीं है कि कोई भी एक कारक किसी महिला में ब्रेस्ट कैंसर के जोखिम की व्याख्या करता है। पर ये तय है कि लंबे समय तक डाई का इस्तेमाल हानिकारक है। इससे महिलाओं में ही नहीं पुरुषों में भी कई अन्य बीमारियों के होने का खतरा बढ़ सकता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-5-7

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी व अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभांक-5-6-7

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-5-6-9

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता हैं। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-1-6-7

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

धातुपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-5-6

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-3-8-7

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। रुपए पैसों की सुविधा मिल जाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-2-3-7

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-2-6-8

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग बना है। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-4-8-9

मकर मे जा जी खी खू खे खो गा गी

संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। खान-पान में सावधानी रखें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-5-6-8

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-8-9

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-6-8

काकुरो पहेली - 2685

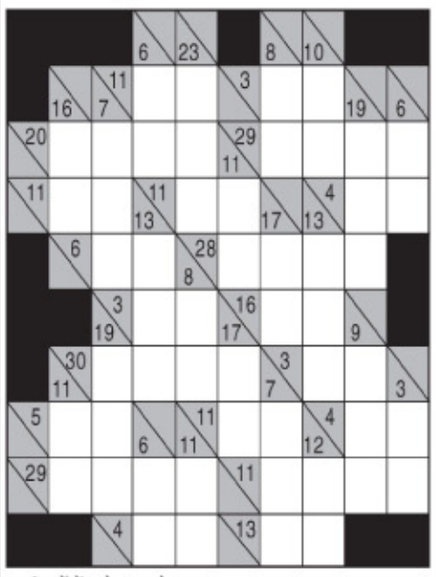

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए,किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

काकुरो - 2684 का हल

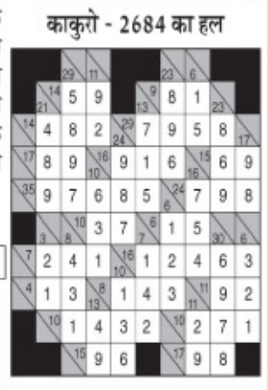

हंसी के फव्वारें

दो प्रेस फोटोग्राफर अपने दिन भर के अनुभवों के बारे में बात कर रहे थे. एक ने कहा-'आज सुबह मैंने चिथड़े में लिपटी हुई एक ऐसी भूखी-प्यासी औरत को देखा जो जीवन के प्रति निराश हो चुकी थी.'

'फिर तुमने उसके लिये क्या किया?'

'कल के समाचार पत्र के लिए मैंने उसका फोटो खींच लिया है.'

□ □ □

पत्नी ने पति को सम्बोधित किया-'अजी ! सुनते हो, घर में बेटी जवान हो गई. मगर तुम्हें इसकी बिल्कुल भी चिन्ता नहीं है. '

'इस बात की चिन्ता तुमसे अधिक मुझे है, पर ढ़ंग का कोई लड़का भी तो मिले. जो मिलता है, गधा ही मिलता है.' पति ने उत्तर दिया.

'अगर मेरे बाप भी यही सोचते रहते तो मैं भी अभी तक कुंवारी बैठी रहती.' पत्नी तुनककर बोली.

□ □ □

प्रेमिका बोली: ''प्रिय ! तुम मुझे बहुत प्यार करते हो.''

प्रेमी बोला: 'हां.'

प्रेमिका बोली: 'प्रिय, शाहजहां ने मुमताज के मरने के बाद ताजमहल बनवाया था, तुम मेरे लिए क्या बनवाओगे ?'

प्रेमी बोला: 'प्लॉट खरीद लिया है बस तुम्हारी तरफ से ही देर हो रही है.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 2685

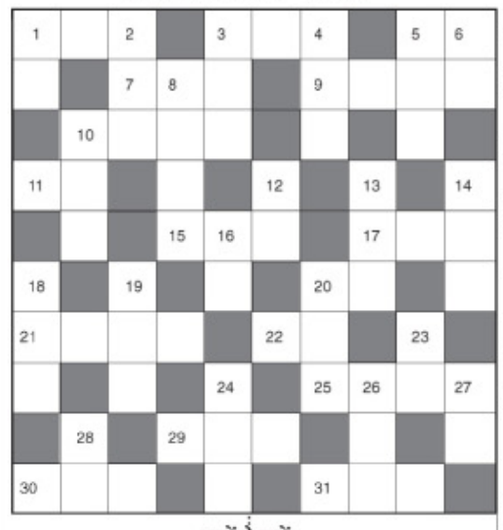

बायें से दायें:-

१. 'अंग्रेजी में कहते हैं' गौत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म-३
३. कुमार गौरव, पूनम की 'माँग लूंगा तुझे' गौत वाली फिल्म-३
५. 'शीशा हो या दिल हो' गौत और नायिका रीना राय वाली फिल्म-२
७. अक्षय, करीना की 'यार बदल ना जाना' गौत वाली फिल्म-३
९. सुनीलदत्त, किशोरकुमार के 'सामने वाली खिड़की में' रहती है-४
१०. करिश्मा, मनीषा की 'रंग दी रंग दी' गौत वाली फिल्म-४
११. नवीन निश्चल, रेखा की 'राज की बात कह' कव्वाली वाली फिल्म-२
१५. 'जिस दिल में बसा था' गौत वाली प्रदीपकुमार की फिल्म-३
१७. सुनील शेट्टी, नम्रता की 'जीना तेरी बाहों में' गौत वाली फिल्म-३
२०. 'घायल घायल तूने मुझे' गौत वाली मिथुन, श्रीदेवी की फिल्म-२
२१. सुनीलदत्त, माला की 'चलो एक बार फिर से' गौत वाली फिल्म-४
२२. 'गाये जा गौत मिलन के' गौत वाली दिलीप, नर्गिस की फिल्म-२
२५. संजयदत्त, माधुरी की 'टपका रे टपका' गौत वाली फिल्म-४
२९. 'मैं दुनिया भुला दूंगा' गौत वाली राहुल राय, अनु की फिल्म-३
३०. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की १९८४ की एक फिल्म-३
३१. 'बाराना दे बाराना' गौत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'हाय रे हाय रे' गौत वाली नई फिल्म-२
२. जोहराबाई अंबाले के गौत 'आँखियां मिलाके जिया' गौत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'अनोखी रात' के संगीतकार-३
४. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की १९९७ की एक फिल्म-३
५. 'नींद कभी रहती थी' गौत वाली फिल्म-३
६. अमिताभ बच्चन, शशि कपूर, शत्रु, रखी, परवीन, बिंदिया की अभिनीत फिल्म-२
८. 'मेरे अँगने में तुम्हारा' गौत वाली फिल्म-४
१०. फिरोजखान, हेमा, रेखा की फिल्म-३
१२. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गौत वाली विक्रम, लक्ष्मी की फिल्म-२
१३. किशोर कुमार, मधुबाला की 'कोई हमदम ना रहा' गौत वाली फिल्म-३
१४. 'गोरे गोरे मुखड़े पे काला काला चश्मा' गौत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शरीफ बदमाश' में नायिका कौन थी-२
१८. 'तुम रूठ के मत' गौत वाली फिल्म-३
१९. अमिताभ, जया की 'जहाँ चार यार' गौत वाली फिल्म-३
२०. 'आँखों से तूने ये क्या' गौत वाली फिल्म-३
२३. अमिताभ की 'अरे दीवानों मुझे पहचानो' गौत वाली फिल्म-२
२४. 'गोरी तेरा नखरा' गौत वाली बॉबी, करिश्मा की फिल्म-३
२६. नायक-निर्माता-निर्देशक अकबर खान, रंजीता, स्मिता की फिल्म-३
२७. अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की सुभाष घई निर्देशित फिल्म-२
२८. 'जाने क्या होगा रमा रे' गौत वाली बहु सिताश फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2684

सूडोकु -2685

			4				3	
		6		2		4		
		8			5			
	3						7	
7				4				9
	9						5	
			2			1		
		1		7		6		
	5				3			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2684 का हल

7	8	5	4	2	9	6	3	1
3	6	4	1	5	7	8	9	2
9	2	1	6	3	8	7	4	5
6	5	3	2	8	4	9	1	7
1	7	2	3	9	6	4	5	8
4	9	8	7	1	5	2	6	3
2	4	7	5	6	1	3	8	9
5	3	9	8	4	2	1	7	6
8	1	6	9	7	3	5	2	4

शब्द पहेली - 2685

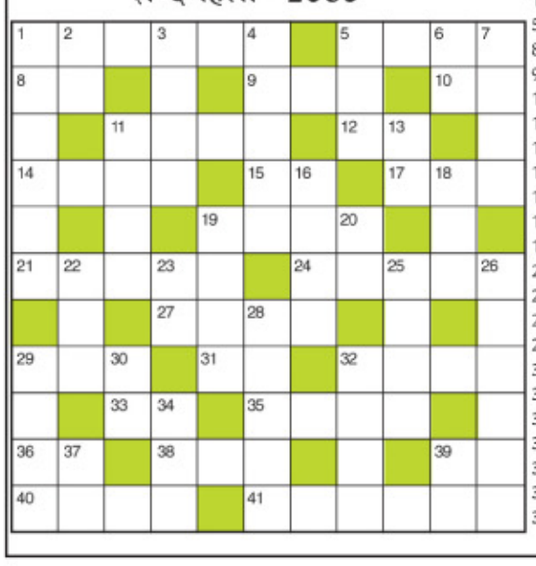

बाएँ से दाएँ

1. उपासना करना-6
5. अलमस्त, उत्साही-4
8. हरे रंग का-2
9. चाह,इच्छा-3
10. अधिकार,आरोप-2
11. निर्दय, हिंसक-4
12. आंदोलन-2
14. सज्जन,सभ्य-4
15. स्मृति,अविस्मरण-2
17. रूखा, रसहीन-3
19. गुप्तचर-4
21. संकट मोचक,नाविक-5
24. चुगली करना-5
27. नेता पथ प्रदर्शक-4
29. प्रेम,चाहत-3
31. एक ग्रह-2
32. अनर्गल प्रलाप-4
33. नौकर,सेवक-2
35. उद्विग्न,आतुर-4
36. श्रवणेंद्रिय-2
38. दीपक,दिया-3
39. बोलने के लिये कहना-2
40. एक मुस्लिम महीना-4
41. सहायता करना-3,3

ऊपर से नीचे

1. सहिष्णुता,उदारता-6
2. थोड़ा,कम-2
3. कपड़ों के टुकड़े-4
4. असफल-5
5. राजी करना-3
6. वजन,वायदा-2
7. अनाथ,बेबारिस-4
11. वैधव्य-4
13. राजा की पत्नी-2
16. टूटना-4
18. धावक (अंग्रेजी-3)
19. खबरी,खबर देने वाला-4
20. हमारा पड़ोसी देश-2
22. घूमना-3
23. पराजय-2
25. खतरनाक, खौफनाक-4
26. पसंद नहीं होना, अस्वीकृत-4,2
28. अशोक कुमार, मीना कुमारी, प्रदीप कुमार की फिल्म-5
29. हमले का जवाब देना,प्रतिशोध-4
30. कभी-2
32. जब्त,प्राप्त होना-4
34. मास्टर ब्लास्टर-3
37. भीगा हुआ-2
39. टैक्स,हाथ-2

शब्द पहेली -2684 का हल

भोपाल के राष्ट्रीय उद्यान वन विहार में अब दहाड़ेंगे गुजरात के शेर

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के राजधानी भोपाल स्थित राष्ट्रीय उद्यान वन विहार अब गुजरात के शेरों की दहाड़ सुनाई देगी। शनिवार को गुजरात के सक्करबाग जू-जूनागढ़ से लॉयन का जोड़ा (नर एवं मादा) लगभग 1000 किलोमीटर की यात्रा तय कर सकुशल यहां पहुंचा। नर लॉयन एव मादा लॉयन दोनों की उम्र लगभग तीन वर्ष है। जनसम्पर्क अधिकारी केके जोशी ने बताया कि यहां राष्ट्रीय उद्यान वन विहार में दोनों लॉयन की देखभाल एवं परीक्षण के लिए क्वारेन्टाईन में रखा गया है। वर्तमान में सत्या. गंगा एवं नदी सहित वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में दो नर एवं तीन मादा लॉयन हो गए हैं। वन विहार राष्ट्रीय उद्यान को यह सौगात शासन एवं विभाग स्तर पर विशेष प्रयासों से प्राप्त हुई है। लॉयन जोड़े के बदले वन विहार से नर बाघ (बांधवगढ़-2) एवं मादा बाघ (बंधनी) को दिया गया है। दोनों की उम्र लगभग 06 वर्ष है।उल्लेखनीय है कि केन्द्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण, नई दिल्ली से प्राप्त अनुमति अनुसार आदान-प्रदान योजना अंतर्गत 17 दिसम्बर 2024 को 9 सदस्यीय दल वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल से नर बाघ एवं मादा बाघ को लेकर सक्करबाग जू-जूनागढ, गुजरात के लिए रवाना हुआ एवं 21 दिसम्बर 2024 को सक्करबाग जू-जूनागढ़, भोपाल से लॉयन जोड़े को लेकर वन विहार आया।

बांग्लादेश में पुजारी की हत्या की कोलकाता इस्कॉन ने की कड़ी निंदा

कोलकाता। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ ताजा हिंसा की घटना की इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शसनेस (इस्कॉन) ने कड़ी निंदा करते हुए इसपर गहरी चिंता जताई है। कोलकाता इस्कॉन ने भारत सरकार से इस मुद्दे पर हस्तक्षेप की मांग की है।जानकारी के मुताबिक बांग्लादेश के नाटोर जिले के काशीपुर श्मशान काली मंदिर में डकैती और पुजारी तरुण चंद्र दास की निर्मम हत्या की घटना सामने आई है। पुजारी का बंधा हुआ शव मंदिर से बरामद की गई। पुलिस ने इसे डकैती का मामला बताया लेकिन इस्कॉन कोलकाता ने शनिवार को इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए इसे अल्पसंख्यक हिंदुओं के खिलाफ बढ़ते अत्याचार का हिस्सा बताया है। इस्कॉन प्रवक्ता राधारमण दास ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर लगातार हमले हो रहे हैं और यह चिंता का विषय है। बीते दिनों बांग्लादेश के कई अन्य मंदिरों पर हमले हुए हैं। दिनाजपुर जिले में तीन मंदिरों की आठ मूर्तियां तोड़ी गईं। इन घटनाओं में पुलिस ने अधिकतर मामलों में न तो आरोपितों को गिरफ्तार किया और न ही कोई मुकदमा दर्ज किया। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार और मंदिरों पर हमलों की बढ़ती घटनाओं को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चिंता बढ़ रही है। कोलकाता इस्कॉन ने भारत सरकार से इस मुद्दे पर तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग की है।

उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में भूस्खलन, राष्ट्रीय राजमार्ग बंद, राहत कार्य जारी

देहरादून। नेपाल और चीन सीमा से सटे उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जनपद के धारचूला-तवाघाट इलाके में चीन बॉर्डर के पास एक भीषण भूस्खलन हुआ, जिसका खौफनाक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कैसे एक बड़ा पहाड़ी हिस्सा तेजी से दरककर पूरी सड़क को जाम कर देता है और चारों ओर धूल का गुबार फैल जाता है। यह भूस्खलन उस समय हुआ जब तवाघाट इलाके में राष्ट्रीय हाईवे पर सड़क चौड़ीकरण का काम चल रहा था। अचानक पहाड़ी का एक हिस्सा गिर पड़ा, जिससे वहां काम कर रहे मजदूरों और स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। हालांकि, राहत की बात यह है कि इस घटना में किसी प्रकार के जनहानि का कोई समाचार नहीं मिला है। स्थानीय प्रशासन ने घटना की पुष्टि की है। पिथौरागढ़ के जिलाधिकारी विनोद गिरि गोस्वामी ने बताया कि भूस्खलन के कारण तवाघाट-धारचूला मार्ग पूरी तरह से अवरुद्ध हो गया है। इस मार्ग को खोलने के लिए सीमा सड़क संगठन (बॉर्डर रोड आर्गेनाइजेशन-बीआरओ) लगातार प्रयास कर रही है, लेकिन भूस्खलन के कारण हुए नुकसान को देखते हुए यह कार्य समय ले सकता है।

उप्र के संभल में दूसरे दिन भी एएसआई का सर्वे जारी, कल्कि विष्णु मंदिर पहुंची टीम

वाराणसी। समाजवादी पार्टी (सपा) के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने शास्त्री घाट पर गृह मंत्री अमित शाह के बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर पर दिए गए बयान के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने अमित शाह के बयान को संविधान और बाबा साहब का अपमान बताते हुए कड़ी निंदा की। सैकड़ों की संख्या में जुटे सपा कार्यकर्ताओं ने शास्त्री घाट पर अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए जुलूस निकाला, जो अंबेडकर पार्क पर जाकर समाप्त हुआ। प्रदर्शनकारियों ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए विरोध प्रदर्शन को अपना समर्थन दिया। प्रदर्शन के दौरान सपा कार्यकर्ताओं ने अमित शाह के पोस्टर पर स्याही पोतकर अपना आक्रोश जाहिर किया। साथ ही, नारेबाजी करते हुए गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग की। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि अमित शाह के बयान से देश के संविधान और बाबा साहब के योगदान का अपमान हुआ है।

देश में सर्वाधिक वन वाले राज्यों में मध्य प्रदेश शीर्ष पर

एजेंसी

भोपाल। केन्द्र सरकार द्वारा जारी की गई 'भारत वन स्थिति रिपोर्ट- 2023' के अनुसार मध्य प्रदेश ने एक बार फिर देश में सर्वाधिक वन और वृक्ष आवरण वाले राज्य का स्थान बरकरार रखा है। राज्य का कुल वन और वृक्ष आवरण 85,724 वर्ग किलोमीटर है, जो देश में सबसे अधिक है। इसके साथ ही वनावरण क्षेत्र 77,073 वर्ग किलोमीटर के साथ मध्य प्रदेश अग्रणी है।

जनसम्पर्क अधिकारी केके जोशी ने शनिवार को बताया कि केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने आज वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में 'भारत वन स्थिति रिपोर्ट- 2023' (ढ्ढस्स्नक्र 2023) का विमोचन किया। यह रिपोर्ट भारतीय वन सर्वेक्षण (स्नस्ढ्ढ) द्वारा जारी की जाती है, जो उपग्रह आंकड़ों और फील्ड इन्वेंट्री के माध्यम से देश के

वन और वृक्ष संसाधनों का व्यापक आंकलन करती है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत का कुल वन और वृक्ष आवरण 8,27,357 वर्ग किलोमीटर है, जो देश के 25.17फीसदी भौगोलिक क्षेत्र को कवर करता है। इसमें वनावरण का क्षेत्रफल 7,15,343 वर्ग किलोमीटर (21.76त्न) और वृक्ष आवरण का क्षेत्रफल 1,12,014 वर्ग किलोमीटर (3.41फीसदी) है। वर्ष- 2021 की तुलना में वन और वृक्ष आवरण में 1,445 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि दर्ज की गई है, जिसमें वनावरण में 156 वर्ग किलोमीटर और वृक्ष आवरण में 1,289 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि शामिल है। क्षेत्रफल के आधार पर सर्वाधिक वन और वृक्ष आवरण वाले राज्यों में मध्य प्रदेश (85,724 वर्ग किलोमीटर), अरुणाचल प्रदेश (67,083 वर्ग किलोमीटर) और महाराष्ट्र (65,383 वर्ग किलोमीटर) शामिल हैं। वनावरण के संदर्भ में भी मध्यप्रदेश (77,073 वर्ग किलोमीटर), अरुणाचल प्रदेश (65,882 वर्ग किलोमीटर) और छत्तीसगढ़ (55,812 वर्ग किलोमीटर) शीर्ष पर हैं। रिपोर्ट के अनुसार भारत का कुल कच्छ वनस्पति आवरण 4,992 वर्ग किलोमीटर है। वहीं, बांस धारित क्षेत्र 1,54,670 वर्ग किलोमीटर तक विस्तारित हुआ है, जिसमें पिछले आंकलन की तुलना में 5,227 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि दर्ज की गई है। बाहय वन वृक्षों से औद्योगिक काष्ठ का वार्षिक संभावित उत्पादन 91.51 मिलियन घन मीटर आंका गया है।

प. बंगालः न्यू अलीपुर में झुग्गियों में भीषण आग, शियालदह-बजबज रेल मार्ग प्रभावित

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के न्यू अलीपुर इलाके की झुग्गियों में शाम भीषण आग लग गई, जिससे सियालदह-बजबज रेल मार्ग पर ट्रेन सेवाएं बाधित हो गईं। आग न्यू अलीपुर के बीपी पोद्दार अस्पताल के पास और दुर्गापुर ब्रिज के नजदीक झुग्गियों में लगी। यहां पास ही में भारतीय सेना का मुख्यालय फोर्ट विलियम है, इसलिए सावधानी बरतते हुए सुना के जवान भी मौके पर मौजूद थे।

इस आग के कारण दुर्गापुर ब्रिज पर यातायात पूरी तरह से ठप हो गया है। मौके पर राज्य मंत्री फिरहाद हकीम, अरूप विश्वास और देवाशीष कुमार पहुंचे हैं। आग पर काबू पाने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं लेकिन उत्तर दिशा से चल रही हवा के कारण आग बुझाने में बाधा आ रही है। घटनास्थल पर सेना के जवान भी राहत कार्यों में जुट गए हैं।आग के कारण इलाके में घने काले धुएं का गुबार छा गया है। कई झुग्गियां जलकर खाक हो गई हैं, और सर्द रात में बड़ी संख्या में लोग बेघर हो गए हैं। खबर लिखे जाने तक रात 10 बजे तक भी आग पर काबू नहीं पाया जा सका। घटनास्थल पर पहुंचे मंत्री फिरहाद हकीम ने कहा, यह घटना किसी बड़ी समस्या की ओर इशारा कर रही है। सर्दियों में झुग्गियों में प्लास्टिक और अन्य ज्वलनशील सामग्री का इस्तेमाल ज्यादा होता है। हो सकता है कि गर्मी पैदा करने के प्रयास में यह हादसा हुआ हो। हालांकि, हम अभी आग लगने के सही कारण का पता नहीं लगा सके हैं। ये झुग्गियां रेलवे की जमीन पर बनी अवैध बस्तियां हैं, और यहां रहने वाले लोगों के बारे में ज्यादा जानकारी उपलब्ध नहीं है।

छत्तीसगढ़ के चांदामेटा के पास अनियंत्रित वाहन पलटा, चार की मौत, 25 घायल

एजेंसी

जगदलपुर। जिले के दरभा थानाक्षेत्र के चांदामेटा के पास दोपहर तेज रफ्तार एक वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। इस दुर्घटना में तीन महिला और एक पुरुष की मौत हो गई जबकि 25 लोग घायल हैं। सभी घायलों को कोलेंग के स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल ग्रामीणों को बेहतर इलाज के लिए संजीवनी 108 एम्बुलेंस के माध्यम से मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया, इनमें से 5-6 घायलों की स्थिति गंभीर बनी हुई है।

पुलिस के अनुसार दरभा ब्लॉक के चांदामेटा से लगभग 30 ग्रामीणों से भरा टाटा 407 वाहन कोलेंग के साप्ताहिक बाजार के लिए निकला था। बाजार से कुछ दूर पहले मोड़ पर वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। हादसा इतना जबरदस्त था कि टाटा 407 वाहन में सवार ग्रामीण काफी दूर तक गिर गए। इनमें 3 महिला और एक पुरुष की मौके पर ही मौत हो गई जबकि वाहन में सवार अन्य 25 लोग घायल हो गए। इनमें छह से अधिक ग्रामीण गंभीर रूप से हैं जिन्हें संजीवनी 108 एम्बुलेंस की मदद से मेडिकल कॉलेज डिमरापाल भेजा गया है। मृतकों के नाम देवा

सोढ़ी पति ढोरका उम्र 60 वर्ष, बुदरी बेंजामी पति डूंडा बेंजामी उम्र 50वर्ष, पाइके बेंजामी पति सना बेंजामी उम्र 30 वर्ष और बुको मड़कामी पति स्व लखमा मड़कामी उम्र 55 वर्ष है।

वहीं वाहन के पलटने की सूचना मिलते ही दरभा ब्लॉक के चांदामेटा और कोलेंग में तैनात सीआरपीएफ 80 बटालियन के जवान, मानवता की मिसाल पेश करते हुए तत्काल घटना स्थल पहुंचे और वाहन के नीचे दबे ग्रामीणों को बाहर निकालकर चांदामेटा स्वास्थ्य केंद्र ले गए। सीआरपीएफ के डॉक्टरों ने भी घायलों का उपचार किया। बताया गया कि यदि समय रहते सीआरपीएफ जवान दुर्घटनास्थल नहीं पहुंचते तो घायलों को निकालने में विलंब हो सकता था, समय पर मदद मिलने से कई ग्रामीणों की जान बच गयी।

मध्य प्रदेश वर्ष 2025 तक बनेगा टीबी मुक्त राज्य : मोहन यादव

एजेंसी

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश में टीबी मुक्त अभियान के लिए व्यापक प्रचार प्रसार किया जा रहा है। जिला स्तर पर जरूरी निर्देश भी जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश को 2025 तक पूरी तरह टीबी रोग से मुक्त बना दिया जाएगा। इस दिशा में हम लगातार कार्य कर रहे हैं। विशेष कर सघन बस्तियों और अन्य जगहों पर कार्य किया जा रहा है। मध्य प्रदेश में 2000 से अधिक ऐसी ग्राम पंचायत हैं जो पूर्णता टीबी मुक्त हो चुकी हैं। आज उज्जैन जिले की 56 ग्राम पंचायत को भी टीबी मुक्त घोषित किया जा रहा है। मध्य प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मिशन को पूरी तरह से सफल बनाने के लिए 2025 पूर्ण रूप से टीबी मुक्त मध्य प्रदेश राज्य बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव शनिवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा की अध्यक्षता में टीबी मुक्त भारत बनाने के लिए हुई वीडियो कांफ्रेंस में उज्जैन से शामिल होकर प्रदेश में चल रही गतिविधियों की जानकारी दे रहे थे। इस वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में गुजरात, उत्तर प्रदेश, राजस्थान के साथ ही अन्य राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री भी सम्मिलित

हुए।मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश में फूड बास्केट बांटने में देश में हमारा दूसरा स्थान है। प्रदेश में 3000 से अधिक शिविरों का आयोजन किया जा चुका है। साथ ही 122 से अधिक जन जागरूकता रैली भी निकाली गई हैं। यही नहीं 5000 से अधिक लोगों ने निक्षय मित्र बनने की शपथ ली है। मध्य प्रदेश में व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। इसके लिए उद्योग, कारखानों, ईंटभट्टों और सघन बस्तियों में विशेष जांच अभियान भी चलाया जा रहा है।उन्होंने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के साथ ही 40 दिन का विशेष अभियान चलाया जाएगा, जिसमें टीबी परीक्षण और उनके उपचार के संबंध में भी व्यापक जानकारी देने के साथ निक्षय मित्र बनाए जा रहे हैं। आगामी 26 जनवरी तक चलने वाले जन कल्याण अभियान में टीबी मुक्त बनाने के लिए मध्य प्रदेश में पूरे समर्पण के साथ कार्य किया जाएगा।

संकट में होती है व्यक्ति और संस्थान की पहचान, कोई बिखर तो कोई निखर जाता हैः सीएम योगी

एजेंसी

लखनऊ। संकट में हर व्यक्ति और संस्थान की पहचान होती है। जब अचानक कोई चुनौती आती है तो लोग बड़े-बड़े दावे करके मैदान छोड़ भाग जाते हैं। यह वह समय होता है, जब कोई बिखर जाता है और जो चुनौतियों का सामना करता है वो निखर जाता है। हमें बिखरना नहीं है। केजीएमयू के गौरव को बढ़ाना है। ध्यान रहे कि कोई भी मरीज निराश न जाए। सीएम ने कहा कि संस्थान नई-नई सेवाओं के साथ आगे बढ़ रहा है। वर्ष 1905 में जब मेडिकल कॉलेज खुलने की बात आई होगी तो उस समय रियासतों ने सहयोग किया होगा। 10 लाख 75 हजार 800 रुपये से मेडिकल कॉलेज शुरू हो गया। वहीं संस्थान आज अपनी शानदार यात्रा के साथ देश के सबसे बड़े मेडिकल संस्थान के रूप में अग्रणी चिकित्सा संस्थान के रूप में लगातार आगे बढ़ रहा है। आज केजीएमयू का दायरा लगभग 100 एकड़ के क्षेत्रफल में होने जा रहा है।

यह शानदार सफर ऐसे ही आगे बढ़ता रहेगा। यह बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। उन्होंने शनिवार को केजीएमयू के 120वें स्थापना दिवस समारोह में 67 मेधावी छात्रों को मेडल और सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शासन ने संस्थान को सब कुछ दिया है। हमारे पास पैसों की कमी नहीं है। हमें सेवाओं को बेहतर बनाने के बारे में सोचना चाहिये। संस्थान को अगले 100 वर्ष का गोल सेट करके आगे बढ़ना होगा, ताकि संस्थान के गौरव को और आगे बढ़ाया जा सके। उन्होंने कहा कि कोरोना के दौरान केजीएमयू में मिसाल पेश की है। सीएम ने कहा कि एक मेडिकल कॉलेज के कुछ डॉक्टरों ने खुद को क्वारंटीन कर लिया था, लेकिन जांच में वह निगेटिव मिले। इस पर उन्हें निलंबित कर दिया गया जबकि केजीएमयू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरुप पूरी तत्परता से काम किया। परिणाम हम सभी के सामने हैं। उन्होंने कहा कि यहां मेडिकल की सबसे अधिक सीटें हैं, जहां पर छात्र पढ़ाई करके आने वाले समय में चिकित्सा संस्थान की उपलब्धियों को और भी आगे लेकर जाएंगे। सरकार ने भी संस्थान को आगे बढ़ाने के लिए अत्याधुनिक मशीनों और लैब के लिए 300 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की है।

हर महिला में है सफलता की नई कहानी लिखने का सामर्थ्य : मुख्यमंत्री

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हर महिला में सफलता की नई कहानी लिखने का सामर्थ्य है। महिलाओं के लिए काम की भी कोई कमी नहीं है। जरूरत एक फील्ड का चयन कर उसके अनुरूप प्रशिक्षण लेकर खुद को तैयार करने और परिश्रम व पूरी तन्मयता से आगे बढने की है। सीएम योगी शनिवार को योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एसआरएलएम) द्वारा संचालित श्री बाबा गोरखनाथ कृपा दुग्ध उत्पादक संस्था और इस संस्था द्वारा गोरखपुर मंडल के अंतर्गत सात दुग्ध अवशीतन केंद्रों के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाली विद्युत सखियों, बीसी सखियों, लखपति दीदियों, नमो ड्रोन दीदियों और बैंक सखियों को प्रमाण पत्र वितरित करने के अलावा राष्ट्रीय आजीविका मिशन से जुडी 7405 महिला स्वयं सहायता समूहों को 242.30 करोड रुपये की सहायता राशि का हस्तांतरण भी किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आधी आबादी की उपेक्षा करके कोई भी समाज सशक्त और समर्थ नहीं हो सकता है। देश और समाज के विकास तथा इसे सशक्त और शक्तिशाली बनाने के लिए महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन की दिशा में कार्य करना ही होगा। उन्होंने महिलाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि सफलता की सभी जय जयकार करते हैं और विफलता को दुत्कारते हैं। जन्म सफलता के लिए हुआ है, दुत्कारने के लिए नहीं। जब हम सही दिशा में अच्छा कार्य करेंगे तो सफलता के साथ सराहना भी मिलेगी। इसलिए सही दिशा में बडे और कभी असफलता मिले तो उसकी समीक्षा कर कमियों को दूर करें।

मोदी सरकार ने पूर्वोत्तर को विकास के केंद्र में लायाः अमित शाह

एजेंसी

अगरतला। केंद्रीय गृह एवं और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने त्रिपुरा के अगरतला में आयोजित उत्तर पूर्व परिषद (एनईसी) की 72वीं पूर्ण बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी दृष्टि और संवेदनशीलता के साथ पूर्वोत्तर को विकास के केंद्र में लाकर खड़ा किया है।

अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार पूर्वोत्तर राज्यों की सभी समस्याओं को हल करने के लिए उनके साथ खड़ी है। एनईसी विभिन्न क्षेत्रों की जरूरतों और चुनौतियों की पहचान कर प्रभावी समाधान प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। पूर्वोत्तर के विकास में तेजी लाने पर जोर देते हुए गृह मंत्री ने कहा कि

मोदी सरकार का लक्ष्य है कि पूर्वोत्तर के विकास की रफ्तार को तेज किया जाए और इसे बाकी भारत के बराबर लाया जाए। उन्होंने 'एक्ट ईस्ट, एक्ट फास्ट और एक्ट फर्स्ट' के मंत्र को लागू करने की प्रतिबद्धता जताई।शांति और सुरक्षा में सुधार को उन्होंने जरूरत बताते हुए कहा कि पिछले 10 वर्षों में पूर्वोत्तर में हिंसक घटनाओं में 71 फीसदी की कमी और नागरिक मौतों में 86 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। इस दौरान 10,574 उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। अमित शाह ने बताया कि शांति स्थापित करने के लिए विभिन्न शांति समझौतों के माध्यम से मोदी सरकार ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। नए कानूनों से नागरिकों को अधिकार मिलने की बात कहते हुए अमित शाह ने कहा कि अब समय आ गया है कि पूर्वोत्तर के हर नागरिक को संपत्ति, गरिमा और परिवार की सुरक्षा जैसे संवैधानिक अधिकार प्रदान किए जाएं, जो तीन नए आपराधिक कानूनों में निहित हैं। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर वैश्विक बाजारों से जुड़ रहा है। मोदी सरकार ने क्षेत्र में निवेशकों को आकर्षित किया है और वैश्विक बाजारों के द्वार खोलने के प्रयास किए हैं। यह पहल पूर्वोत्तर के विकास को गति देने में मदद कर रही है। अमित शाह ने पुलिस बल के प्रशिक्षण और दिशा में बदलाव का सुझाव देते हुए कहा कि प्रत्येक राज्य को पुलिस की कार्य संस्कृति और दृष्टिकोण में बदलाव के प्रयास करने चाहिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पहल पूर्वोत्तर को विकास और शांति के नए युग में ले जाएगी।

मोहाली में तीन मंजिला इमारत ढही, कई लोगों के दबे होने की आशंका

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के मोहाली में शाम एक तीन मंजिला इमारत ढह गई। इमारत के मलबे में कई लोगों के दबे होने का दावा किया जा रहा है। इमारत की तीसरी मंजिल पर जिम था और हादसे के समय खुला था। पुलिस, फायर ब्रिगेड तथा एनडीआरएफ की टीमों ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिए हैं। पुलिस इमारत के मालिक की तलाश कर रही है। जानकारी के मुताबिक मोहाली के सोहाना में हादसे का शिकार हुई इमारत के बगल में स्थित खाली प्लाट में बेसमेंट निर्माण के लिए खुदाई की जा रही थी। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि ढही इमारत तथा खाली प्लाट का मालिक एक ही है। शनिवार को प्लाट में जेसीबी मशीनों से बेसमेंट की खुदाई चल रही थी, तभी उससे लगी इमारत नींव कमजोर होने के कारण ढह गई। इस इमारत में निजी दफ्तरों के अलावा ऊपरी मंजिल पर जिम भी चल रहा था

और जिस वक्त इमारत गिरी उस समय उसके खुला होने की सूचना है। ऐसे में मलबे में जिम आए लोगों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है। अभी इस बारे में औपचारिक पुष्टि नहीं हुई है। प्रशासन जिम प्रबंधकों से संपर्क कर रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों का दावा है कि जिम में 10 से 15 लोगों मौजूद थे। घटना की सूचना मिलते ही मोहाली के एसएसपी, रूपनगर रेंज के डीआईजी मौके पर पहुंचे। पुलिस की सूचना पर एनडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। मोहाली की उपायुक्त आशिका जैन के मुताबिक मौके पर बचाव दल पहुंच चुका है।

छत्तीसगढ़ में सीआरपीएफ कैंप के पास ट्रक पलटा, 4 की मौत

एजेंसी

जगदलपुर/रायपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के दरभा इलाके के चांदामेटा और कोलेंग गांव के बीच ट्रक पलटने से 4 लोगों की मौत हो गई, वहीं 40 ग्रामीण घायल हैं। अभी मृतकों और घायलों की शिनाख्त नहीं हो पायी है। सीआरपीएफ कैंप के पास हुए इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गयी जबकि 40 लोग घायल हुए हैं। सीआरपीएफ के जवान तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और तत्परता दिखाते हुए घायलों को तुरंत सहायता

प्रदान की। सभी को अस्पताल भेजा गया। बताया जा रहा कि मिनी ट्रक में करीब 45 लोग सवार थे। सभी ग्रामीण स्थानीय बाजार गए हुए थे। इसी दौरान ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया।

महाकुम्भ में जल यातायात नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने तैयार की नदी यातायात प्रबंधन योजना

एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में 13 जनवरी से आयोजित होने जा रहे आस्था के जन समागम में आने वाले श्रद्धालुओं के स्नान की व्यवस्था के लिए प्रशासन ने नदी यातायात प्रबंधन योजना तैयार की है। महाकुम्भ के सभी 50 घाटों के लिए यह योजना लागू हो रही है जिसके लिए नियमित अभ्यास भी किया जा रहा है। प्रयागराज महाकुम्भ में 4000 से अधिक नावों का संचालन होगा। सड़क यातायात प्रबंधन योजना की तर्ज पर ही जल पुलिस ने महाकुम्भ-2025 के लिए 12 किलोमीटर क्षेत्र में नदी यातायात और सुरक्षा प्रबंधन योजना बनाई है। सड़क डिवाइडर और ट्रैफिक चौराहों की तरह ही जल पुलिस कर्मियों द्वारा संचालित फ्लोटिंग रिवर लाइन और नदी ट्रैफिक चौराहे बनाए जा रहे हैं। एसएसपी महाकुम्भ राजेश द्विवेदी का कहना है कि जल यातायात व्यवस्था के अंतर्गत यमुना नदी में 4 किलोमीटर लंबी रिवर लाइन का निर्माण होना है, जिसमें 500 मीटर की रिवर लाइन अभी तक बन चुकी है। डीप वॉटर बैरिकेटिंग बॉक्स से यह रिवर लाइन बन रही है जिसमें आठ से दस मीटर पर प्लेटफॉर्म भी बन रहे हैं जिन्हें जल चौराहों की तरह जल पुलिस इस्तेमाल करेगी। एकल मार्ग में ही नावों का संचालन होगा।

इस विशाल धार्मिक मेले में आने वाले तीर्थयात्रियों और पर्यटकों की सुरक्षा के लिए कई सुरक्षा प्रबंधन उपाय किए जाएंगे, जिनमें भारतीय नौसेना के 25 प्रशिक्षित समुद्री गोताखोर शामिल हैं, जो चौबीसों घंटे निगरानी रखेंगे। इसके अलावा पीएसी, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें भी इस कार्य में सहयोग करेंगी। उप पुलिस अधीक्षक (जल पुलिस) रजनीश यादव के अनुसार, मेले के दौरान किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए 50 स्नान घाटों वाले 12 किलोमीटर के क्षेत्र को जल बैरिकेडिंग प्रणाली से सुरक्षित किया गया है, जिसमें जाल के साथ फ्लोटिंग ब्लॉक शामिल हैं। उन्होंने कहा, ÷तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पीएसी की 10 कंपनियों में 800 प्रशिक्षित कार्मिक, एसडीआरएफ के 150 सदस्य, एनडीआरएफ की 12 टीमों के अलावा जल पुलिस के 35 प्रशिक्षित गोताखोरों की एक कोर टीम शामिल है, जो प्रबंधन और बचाव कार्यों का समन्वय करेगी। इसके अलावा 12 किलोमीटर के क्षेत्र में महत्वपूर्ण बिंदुओं पर फैले 17 सब स्टेशनों के अलावा एक फ्लोटिंग ट्रैफिक कंट्रोल स्टेशन भी स्थापित किया जाएगा।

प्रशिक्षित गोताखोर डूबने की स्थिति में ऑक्सीजन की पूर्ति के लिए ऑक्सीजन सिलेंडर भी साथ लेकर चलेंगे और यदि ऑक्सीजन खत्म हो जाए तो मुख्य यातायात नियंत्रण स्टेशन के अलावा कुछ अन्य स्थानों पर पोर्टेबल ऑक्सीजन सिलेंडरों को मौके पर ही भरने के लिए विशेष ऑक्सीजन कंप्रेसर मशीनें भी लगाई गई हैं।

सर्दियों में सांस के रोगी रहें सचेत

सर्दियों में तापमान में कमी और वातावरण में प्रदूषित तत्वों की बढ़ी हुई मात्रा सेहत के लिए मुसीबत का कारण बन सकती है। सर्दियों का मौसम खासतौर पर सांस के मरीजों के स्वास्थ्य के लिए चुनौती बन जाता है। इस मौसम में सांस संबंधी दिक्कतें जैसे दमा, फ्लू और सर्दी-जुकाम के मरीजों की संख्या काफी बढ़ जाती है।

प्रदूषित कोहरे का दुष्प्रभाव

सर्दियों में होने वाला कोहरा (जो वायुमंडल की जलवाष्प के संघनित होने से बनता है) कमोबेश हानिरहित होता है, लेकिन धुएं और सस्पेन्डिड पार्टिकल्स (छोटे-छोटे प्रदूषित कणों) के इर्द-गिर्द जमने से बना स्मोग (प्रदूषित कोहरा) मानव शरीर और खासतौर पर श्वसन तंत्र के लिए किसी विपत्ति से कम नहीं होता। इस वजह से लोगों की आंखों में जलन, आंसू, नाक में खुजली, गले में खराश और खांसी जैसे लक्षण सामान्य तौर पर देखने को मिलते हैं। सर्दी बढ़ने के साथ ही सांस की नली की संवेदनशीलता तुलनात्मक रूप से बढ़ जाती है, जिससे सांस की नली सिकुड़ती है। इस कारण सांस के रोगियों में समस्या की आशंका बढ़ जाती है।

वृद्ध रहें सजग

वृद्धों में सांस संबंधी समस्याएं कुछ ज्यादा ही बढ़ जाती हैं। दरअसल बुजुर्गों में रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने के कारण उन्हें सांस संबंधी बीमारियों का ज्यादा खतरा रहता है।

दमा या अस्थमा- वातावरण में किसी भी प्रकार के बदलाव से शरीर में परिवर्तन होता है, जिससे, एलर्जी और अस्थमा के रोगी मुख्य रूप से प्रभावित होते हैं। जाड़े में इन मरीजों की परेशानियां बढ़ जाती है। इसलिए उन्हें विशेष तौर पर अपना ख्याल रखने की सलाह दी जाती है।

फ्लू या इंफ्लूएंजा- यह समय फ्लू या इंफ्लूएंजा के वाइरस के सक्रिय होने का है। इस कारण फ्लू के मामलों में काफी वृद्धि हो जाती है। बच्चों, वृद्धों, गर्भवती महिलाएं और एच.आई.वी. से पीड़ित रोगियों में यह संक्रमण गंभीर रूप ले सकता है।

क्या करें

- सांस के रोगी खासकर दमा के मरीज न सिर्फ सर्दी से बचाव करें बल्कि नियमित रूप से डॉक्टर के संपर्क में रहें। डॉक्टर की सलाह से अपने इनहेलर की डोज भी दुरुस्त कर लें। कई बार इनहेलर्स की मात्रा बढ़ानी होती है।
- सर्दी से बचकर रहें। पूरा शरीर ढकने वाले कपड़े पहनें। सिर, गले और कान को खासतौर पर ढकें।
- सर्दी के कारण साबुन-पानी से हाथ धोने की अच्छी आदत न छोड़ें।
- गुनगुने पानी से नहाएं।
- सर्दी के मौसम में मालिश लाभप्रद है।
- सर्दी, जुकाम, खांसी, फ्लू और सांस की अन्य बीमारियों से ग्रस्त रोगियों को सुबह- शाम भाप(स्टीम) लेनी चाहिए।
- फ्लू के रोगी खांसते या छींकते समय मुंह पर हाथ रखें या रूमाल का प्रयोग करें।
- फ्लू के रोगियों द्वारा इस्तेमाल की गई वस्तुओं जैसे रूमाल व चादरों आदि को सुरक्षित विधि से साफ करें।
- अगर आप में फ्लू के लक्षण हैं, तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लें और घर मे ही रहें।
- फ्लू पीड़ित से कम से कम 1 मीटर दूर रहें।
- हाथ मिलाने या गले मिलने से बचें, भारतीय पद्धति के अनुसार नमस्कार करें।

क्या न करें

- सर्दी में सांस के मरीजों को सुबह की सैर नहीं करनी चाहिए।
- सुबह ठंडे पानी से न नहाएं। सांस के रोगियों को अलाव के धुएं से बचना चाहिए, अन्यथा इससे उन्हें सांस का दौरा पड़ सकता है।

घर पर करें गोभी और मिर्च से रोगों का उपचार

जार्जटाऊन यूनिवर्सिटी मैडीकल सैंटर के शोधकर्ताओं के अनुसार फूलगोभी, पत्तागोभी तथा जलकुंभी परिवार की सब्जियों में एक प्रकार का पदार्थ पाया जाता है जो मानव एवं जानवर दोनों में फेफड़े का कैंसर रोकने में सहायक होता है।

शोधकर्ताओं के अनुसार 'प्रेफेक्स' नामक एक ऐसा पदार्थ गोभी में पाया जाता है जो फेफड़े को कैंसरग्रस्त होने से रोकता है। यह पदार्थ सैक्स उत्तेजक भी होता है। इसी प्रकार मिर्च खाने से शरीर की चर्बी कट जाती है और वजन कम हो जाता है।

मिर्च की तासीर के कारण चर्बी बढ़ाने वाली कोशिकाएं खुद ब खुद नष्ट होने लगती है। ताईवान के शोधकर्ता चिन-लिन-शू के अनुसार मिर्च शरीर के चयापचय की प्रक्रिया को तेज करती है और यह मोटापे को कम करने के साथ ही कालरा तथा ब्रांकाइटिस जैसी बीमारियों का उपचार भी करती है।

गोभी और मिर्च से बहुत से रोगों का उपचार घर पर ही किया जा सकता है। आईए जानें कैसे

गोभी

1 गोभी में मौजूद फाइबर पाचन क्रिया को दरूस्त रखते है और पेट संबंधी रोगों से राहत देते हैं।
2 गोभी का सेवन करने से कैंसर जैसी भयानक बीमारी का खतरा कम होता है।
3 गोभी का सेवन मोटापे से निजात दिलाता है।
4 गोभी में कैल्शियम की भरपूर मात्रा पाई जाती है जो शरीर की हड्डियों के लिए काफी फायदेमंद होती है और दांतों को भी मजबूत बनाने में मददगार साबित होती है।

मिर्च

1 जब आप हरी मिर्च अपने दांत से चबाते हैं तो इसका तीखा अनुभव आपके मुंह में अधिक थूक पैदा करता है जो रक्त के थक्कों को घोलने में काफी सहायक होता है।
2 हरी मिर्चों में विटामिन सी की मौजूदगी शरीर को खांसी, जुकाम तथा श्वास संबंधी अन्य समस्याओं से बचाने में सहायता करती है।
3 हरी मिर्च में मौजूद विटामिन के ओस्टियोपोरोसिस के खतरे को कम करता है।
4 हरी मिर्च एक प्राकृतिक दर्द निवारक है और यह ओस्टियोआर्थराइटिस जैसी स्थितियों में इलाज में काफी लाभदायक होती है।
5 मोटापे से पीड़ित लोगों में कोलैस्ट्रॉल के स्तरों को कम करने में हरी मिर्चें काफी सहायक होती हैं।

मानव पर रंगों का प्रभाव

सफेद रंग हल्केपन एवं शीतलता का आभास देता है।

पीला रंग उत्फुल्लता, हल्केपन खुलेपन और गर्माहट का आभास देता है, नब्ज की रफ्तार तेज करता है परंतु आक्रामक प्रतिक्रिया भी पैदा कर सकता है।

बैंगनी रंग थकान और भारीपन का भ्रम उत्पन्न कर थकान, बोरियत या बोझ की अनुभूति करता है।

गहरा नीला रंग मस्तिष्क को विश्रांति देता है किन्तु दुख का बोध भी कराता है। गहरे नीले रंग से पूरा कमरा ठंडा एवं भरा-भरा प्रतीत होता है।

हरा रंग शांति एवं शीतलता का अहसास कराता है। आंखों से दबाव घटाकर नेत्र ज्योति तेज करता है। खून का दबाव भी सामान्य करता है। हल्का नीला रंग शीतलता व अलगाव द्वारा चैन देता है। काला रंग ओजस्विता कम करता है, अवसादकारक एवं उत्पीड़क बोझ देने वाला है। काले रंग पुते तल काफी बड़े प्रतीत होते हैं। भूरा रंग स्थायित्व, गर्म और मानसिक संतुलन बोधकारक होता है। सलेटी रंग को ठंडा, नीरसता व विरक्तिबोधक माना जाता है। श्वेत एवं नीले रंग के सम्मिश्रण को शीतलता और चैन का द्योतक कहा गया है। जामुनी रंग गर्म एवं उत्साहवर्धक माना गया है। लाल रंग गर्मजोशी, मनोबल बढ़ाता है, मगर देर तक हावी रहना थकान एवं धड़कन बढ़ाता है

ठंड में त्वचा रोगों से बचाव के घरेलु नुस्खे

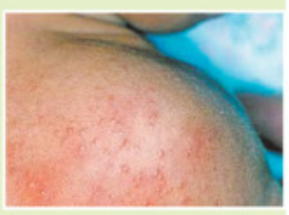

1 सर्दी के मौसम में स्वस्थ त्वचा के लिए जरूरी है नियमित स्नान। भले ही आप प्रतिदिन न नहाएं परंतु हर दूसरे दिन नहाने का नियम बनाएं। जिस दिन नहीं नहाएं, उस दिन स्पंज करें तथा अंदर के कपड़े अवश्य बदलें। नहाने के लिए ठंडा-गर्म जैसा पानी चाहें, इस्तेमाल कर सकते हैं।
2 जाड़े में साबुन का प्रयोग ज्यादा न करें। नहाने से पहले पूरे बदन में तेल लगाएं। नहाने के बाद तेल या माश्चराइजर का उपयोग करें। पानी से करने वाले काम एक ही बार में निपटा लें। बार-बार पानी में हाथ न डालें। यदि पानी का काम करना जरूरी हो तो पहले हाथों में मलाई लगाएं। दस्ताने पहन कर काम करने से त्वचा सुरक्षित रहती है।
3 सर्दियों में धूप का नियमित सेवन करके चिलब्लेंस व डर्माटाइटिस जैसे रोगों से बचा जा सकता है। धूप में उतना ही बैठें जितनी देर आराम महसूस करें। अगर त्वचा लाल पडने लगे या सूजने लगे, तो धूप से हट जाएं। जिन्हें धूप से एलर्जी है उनके लिए सर्दी की धूप भी नुक्सानदायक है। ऐसे लोग धूप में कम निकलें। जब भी धूप में निकलें तो सिर पर स्कार्फ बांध लें या छतरी भी लगा सकते हैं।
4 हाथ-पैर की उंगलियों के सुन्न होने, खून का दौरा कम होने या त्वचा के फटने से बचने का सबसे अच्छा उपाय है संतुलित आहार। भोजन में दूध, दही और हरी सब्जियां खूब लें। विटामिन ए ज्यादा से ज्यादा लें। त्वचा के लिए गाजर का सेवन बहुत फायदेमंद है।
5 यूरिया आयंटमैंट त्वचा के फटने, सूजन और लाल होने वाली त्वचा के उपचार के लिए बहुत उपयोगी है। यह यूरिया से बनती है। इसको मलने से त्वचा काफी देर तक मुलायम बनी रहती है। इसके नियमित इस्तेमाल से त्वचा में होने वाले रोगों से बचा जा सकता है तथा त्वचा स्वस्थ रहती है।

कहीं आप भी खून की कमी का शिकार तो नहीं हो रहे

आज के भागदौड़ भरे जीवन में फास्ट फूड का प्रचलन बढ़ रहा है। जिससे भोजन में पौष्टिक आहार की कमी के कारण आज प्रत्येक वर्ग के लोग खून की कमी से जूझ रहे हैं। जिसमें अधिकतर संख्या युवाओं की है जिसके कारण उन्हें कमजोरी आदि की शिकायतें होने लगी हैं। खून की पाई जाने वाली इस कमी को एनीमिया कहते हैं। एनीमिया का प्रमुख कारण सही प्रकार की डाइट न लेना है। पुरुषों में खून की मात्रा 14 से 18 ग्राम प्रति डैसीलीटर होनी चाहिए। वहीं महिलाओं में यह 12 से 16 ग्राम प्रति डैसीलीटर है। इससे कम मात्रा में पाए जाने वाले खून को एनीमिया कहते हैं। वैसे 10 ग्राम से अधिक खून वाले भी स्वस्थ रहते हैं, परंतु इससे कम खून वाले को अधिक से अधिक डाइट लेनी चाहिए।

एनीमिया की 3 स्टेज होती हैं, जिनमें प्रथम स्टेज को माइलड कहते हैं, जो 10 से 12 ग्राम होती है। वहीं 6 से 10 ग्राम को मोडरेट व 6 ग्राम से कम की स्थिति खतरनाक होती है। जिसे सीवियर एनीमिया कहते हैं।

एनीमिया अत्यधिक गंभीर रोग तब होता है जब हैपिटाइटिस बी, सी तथा एच.आई.वी. जैसे संक्रमण होते हैं। डाक्टरों का सुझाव है कि अधिक मात्रा में भी आयरन का सेवन नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि इससे हृदय संबंधी समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

कैसे करें खून की कमी पूरी

1 एनीमिया से निजात पाने के लिए बैलेंस डाइट जरूरी है। प्रोटीन, आयरन, फोलिक एसिड, विटामिन, मांस, मछली में ही नहीं दूध, हरी सब्जियां, मटर, फलियों तथा पत्तेदार सब्जियों, शीरा, गुड़, किशमिश, खजूर, सेब इन सबमें अलग-अलग रूप में मिल जाते हैं। इन तत्वों में खून बनने में सहायता मिलती है।

2 खाना खाने से पहले व बाद में आधे घंटे तक चाय का सेवन भी नहीं करना चाहिए। चाय खाने में मिलने वाले पौष्टिक तत्वों को डाइजेस्ट नहीं होने देती।

3 आयरन युक्त डाइट तभी फायदेमंद होती है, जब उसके साथ विटामिन सी का भी सेवन किया जाए। विटामिन सी के लिए अमरूद, आंवला और संतरे का जूस लें। वैसे तो बैलेंस्ड डाइट और हैल्दी लाइफ स्टाइल ही काफी है लेकिन फिर भी किसी कारण से एनीमिया हो जाता है तो प्रापर ट्रीटमैंट लेना आवश्यक है। डाक्टर की सलाह से ब्लड टैस्ट कराएं ताकि बीमारी का कारण पता चल सके। उसके बाद ही डाक्टर आपका सही ट्रीटमैंट कर सकेंगे।

रूखी त्वचा को कोमल बनाता है नारियल तेल

ठंड के कारण कई समस्याएं होती हैं. इस मौसम में त्वचा के रोग और सर्दी-जुकाम होना आम बात है. इन समस्याओं से निबटने के लिए प्रस्तुत हैं कुछ आसान घरेलू उपाय, जिनसे इन समस्याओं से निबटा जा सकता है.

- रूखी त्वचा से बचने के लिए नैचुरल मॉस्च्यूराइजर, जैसे- नारियल तेल लगाएं.

- शहद के साथ गुलाब जल मिला कर चेहरे पर लगाएं. इससे त्वचा में चमक आयेगी और चेहरा साफ होगा.
- स्नान से पहले नारियल तेल लगा लें, इससे चिकनाई और कोमलता आयेगी.
- नीबू का रस लगाएं. इसमें मौजूद विटामिन-सी चेहरे की चमक बनाये रखती है.
- सर्दी के मौसम में विटामिन की कमी के कारण होठ फटने लगते हैं, इसलिए टमाटर, गाजर, साबूत अनाज और फल-सब्जियों का सेवन करें.
- नारंगी के छिलके के पाउडर में शहद मिला कर लगाने से त्वचा निखरती है.
- जितना हो सके, आहार में विटामिन-इ युक्त खाद्य पदार्थो, जैसे- पालक, बादाम, कद्दू आदि का सेवन करना बेहतर होता है.

सेहत का खजाना है पालक

हरी सब्जियों में पालक का नाम सबसे ऊपर है. यह शरीर के लिए काफी फायदेमंद है. इसमें शरीर के लिए आवश्यक अमीनो एसिड, विटामिन ए, फोलिक एसिड, प्रोटीन और लौह तत्व भरपूर मात्र में होते हैं. इसके सेवन कई रोगों से भी छुटकारा मिलता है.

यह हरी पत्तेदार सब्जी गुणों से भरपूर है. पोषक तत्वों की प्राप्ति के लिए इसका नियमित सेवन बेहतर माना जाता है. पालक में विटामिन ए और सी प्रचुर मात्र में होते हैं. इसके अलावा विटामिन बी कॉम्पलैक्स, फोलिक एसिड, मैग्नीशियम की भी प्रचुरता होती है. शोध के अनुसार एक कप पालक से दिन भर की मैग्नीशियम की जरूरत का 40 प्रतिशत प्राप्त हो जाता है. मधुमेह पीड़ित लोगों के लिए भी पालक अच्छा विकल्प है. दही के साथ कच्चे पालक का रायता बहुत ही स्वादिष्ट और गुणकारी होता है.

इन रोगों से बचाता है -

ऑस्टियोपोरोसिस - खनिज तत्वों की प्रचुरता के कारण यह हड्डियों को मजबूत बनाता है और ऑस्टियोपोरोसिस को दूर रखता है.

आंखों की रोशनी - पालक मैकुलर डिजेनरेशन का जोखिम भी कम करता है. मैकुलर डिजेनरेशन 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में अंधेपन का मुख्य कारण है. इसके अलावा, विटामिन ए की कमी से रतौंधी और आंखों की रोशनी में कमी जैसे लक्षण उत्पन्न होते हैं.

शरीर की क्षतिपूर्ति में सहायक - प्रचुर मात्र में मौजूद फोलेट डीएनए और कोशिकाओं की सामान्य क्षति को पूरा करता है और इससे शरीर स्वयं अपने नुकसान की भरपाई कर लेता है.

एंटीऑक्सीडेंट - यह शरीर में उपापचय व अन्य सामान्य क्रियाओं के दौरान बननेवाले फ्री-रेडिकल्स से लड़ने में सहायक है. फ्री रेडिकल्स कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं और कैंसर तथा हृदयरोगों के कारण बन सकते हैं.

वजन घटाने में सहायक - इसमें फाइबर प्रचुर मात्र में होता है, इसलिए यह मोटापा घटाने के इच्छुक लोगों के लिए आदर्श आहार है. सलाद, सब्जी और जूस में पालक का ज्यादा-से-ज्यादा उपयोग बेहतर होता है.

पोस्टमेनोपॉजल सिंड्रोम - पालक में मौजूद मैग्नीशियम पीएमएस के लक्षणों में कमी लाता है. इस अवस्था में पेट फूलने जैसी शिकायतों से बचने के लिए पालक बेहतर विकल्प है.

प्रतिरक्षा प्रणाली बनाता है मजबूत - पालक में मौजूद पोषक तत्व प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाते हैं और शरीर को सामान्य संक्रमणों से बचाते हैं.

बालों को मिले मजबूती - इसमें बालों के लिए आवश्यक विटामिन भी विशेष मात्र में होते हैं. बाल झड़ने से परेशान लोगों को कच्चे पालक का सेवन करना चाहिए.

ये लोग न करें सेवन - पालक में कैल्शियम और फॉस्फोरस होता है, जो मिल कर कैल्सियम फॉस्फेट बनाता है. यह पानी में घुलता नहीं है, जिससे पथरी बन जाती है. इसलिए पथरी के

रोगियों को सिर्फ पालक की सब्जी नहीं खानी चाहिए. पालक और हरी पत्तेवाली मेथी मिला कर साग बना कर खाने से पथरी नही बनती है. कच्चे पालक के रस के सेवन करने से भी पथरी नहीं होती है.

बॉक्सिंग डे टेस्ट से पहले जडेजा ने कहा- शीर्ष क्रम को रन बनाने की जरूरत

एजेंसी

मेलबर्न। भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने चल रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट से पहले कहा कि भारत के शीर्ष क्रम को रन बनाने की जरूरत है। पर्थ में सीरीज के पहले मैच में दूसरी पारी में शानदार प्रदर्शन के अलावा भारत का शीर्ष क्रम एडिलेड और ब्रिसबेन में ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजी आक्रमण के सामने संघर्ष करता नजर आया है। जब से सीरीज पर्थ से बाहर गई है, तब से अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की भागीदारी चोट के कारण सीमित हो गई है। हेजलवुड एडिलेड टेस्ट से चूक गए और सीरीज के तीसरे टेस्ट के दौरान चोटिल होने के बाद मैदान पर नहीं उतरे। ऑस्ट्रेलिया के पास गेंदबाजी संसाधनों की कमी के बावजूद भारतीय शीर्ष क्रम लगातार रन बनाने में विफल रहा है। केएल राहुल (77) और यशस्वी जायसवाल (161) की 201 रनों की ओपनिंग साझेदारी और पर्थ में विराट कोहली के नाबाद शतक के बाद शीर्ष क्रम कमजोर नजर आया है। जायसवाल लगातार मिशेल स्टार्क का शिकार रहे हैं, जबकि कोहली ऑफ स्टंप के बाहर की गेंदों से जूझते रहे हैं। हालांकि, राहुल तीनों में सबसे अधिक संयमित दिखे हैं। जडेजा ने मेलबर्न में संवाददाताओं से कहा, शीर्ष क्रम को रन बनाने की जरूरत है। यदि शीर्ष क्रम रन नहीं बनाता है, तो निश्चित रूप से मध्य और निचले क्रम के बल्लेबाजों पर दबाव होता है। जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है।

67वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी प्रतियोगिता में सुरुचि ने जीता चौथा स्वर्ण

नई दिल्ली। हरियाणा की युवा निशानेबाज़ सुरुचि ने दिल्ली के डॉ करणी सिंह शूटिंग रेंज (डीकेएसएसआर) में चल रहे 67वें राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप प्रतियोगिताओं (एनएससीसी) के पिस्टल इवेंट्स में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दो दिनों में चौथा स्वर्ण पदक जीता है। महिला 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने के बाद, शनिवार को उन्होंने सम्राट राणा के साथ मिलकर उत्तराखंड के अभिनव देशवाल और यशस्वी जोशी को 16-2 से हराकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम यूथ गोल्ड मेडल मैच में स्वर्ण जीता। इस मैच में हरियाणा की जोड़ी एक समय 14-0 से आगे थी, और तब तक उत्तराखंड टीम का खाता भी नहीं खुला था। सुरुचि के मजबूत प्रदर्शन ने इस शानदार जीत में अहम भूमिका निभाई, क्योंकि उन्होंने पूरे मैच के दौरान मिड-टू-हाई 10ह्य का शॉट लेकर जीत सुनिश्चित की। जबकि कर्नाटक के जोनाथन गेविन एंटनी और अवंथिका मधु ने होम फेवरेट्स जसवीर सिंह सहनी और सैना भरवानी को 17-13 से हराकर कांस्य पदक जीता।

आल इंडिया एडवोकेट्स टी-20 के लिए हाईकोर्ट लायर्स स्पोर्ट्स एसोसिएशन की टीम गठित, प्रतुल होंगे कप्तान

लखनऊ। कोलकाता में होने वाले आल इंडिया एडवोकेट्स टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए हाईकोर्ट लायर्स स्पोर्ट्स एसोसिएशन की टीम गठित हो गयी है। प्रतुल प्रताप सिंह को हाई कोर्ट लॉयर्स स्पोर्ट्स एसोसिएशन की टीम का कप्तान नियुक्त किया गया। प्रतुल प्रताप सिंह को आगामी ऑल इंडिया एडवोकेट्स टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए हाई कोर्ट लॉयर्स स्पोर्ट्स एसोसिएशन, लखनऊ की 15 सदस्यीय टीम का कप्तान बनाया गया है। टीम का चयन वरिष्ठ अधिवक्ता संजय भसीन, अजय सिंह, अवनींद्र सिंह परिहार, अजय कमल और एस.एस.एच. अब्बास द्वारा किया गया। चयनित टीम 22 दिसंबर को कोलकाता के लिए रवाना होगी। इसकी घोषणा न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान, न्यायमूर्ति मनीष कुमार और न्यायमूर्ति सौरभ लवानिया की उपस्थिति में संगठन और अवध बार के अध्यक्ष आर.डी. शाही, वरिष्ठ उपाध्यक्ष आर.यू. पांडेय और सचिव मनोज कुमार द्विवेदी द्वारा की गई। यह कार्यक्रम लखनऊ हाई कोर्ट के परिसर स्थित महामना मदन मोहन मालवीय हॉल में आयोजित किया गया था। हाई कोर्ट लॉयर्स स्पोर्ट्स एसोसिएशन लखनऊ के कोच अजय सिंह और प्रबंधक अवनींद्र सिंह परिहार ने कहा कि इस वर्ष ऑल इंडिया एडवोकेट्स टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट 24 से 29 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा।

एनआरएआई को मिले आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप 2025 की मेज़बानी के अधिकार

नई दिल्ली। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) को एक और प्रमुख अंतरराष्ट्रीय शूटिंग प्रतियोगिता, इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) जूनियर वर्ल्ड कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन 2025 की मेज़बानी के अधिकार मिल गए हैं। यह देश में आयोजित होने वाली तीसरी प्रमुख आईएसएसएफ प्रतियोगिता होगी, इससे पहले 2023 में भोपाल में सीनियर वर्ल्ड कप और इस साल के अंत में आईएसएसएफ वर्ल्ड कप फाइनल का आयोजन हुआ था। एनआरआई को आईएसएसएफ से अधिकार मिलने की आधिकारिक पुष्टि के बाद इस विकास पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए एनआरआई के अध्यक्ष कालिकेश नारायण सिंह देव में कहा, पिछले महीने रोम में आईएसएसएफ की कार्यकारी समिति की बैठक बहुत लाभकारी रही थी, और सभी सदस्य संघों के साथ-साथ आईएसएसएफ के अध्यक्ष लुसियानो रोसी ने भी भारत में आयोजित प्रमुख अंतरराष्ट्रीय शूटिंग प्रतियोगिताओं की तारीफ की थी और वैश्विक स्तर पर खेल को बढ़ावा देने में भारत की भूमिका को सराहा था। हमें तभी से एहसास हो गया था, लेकिन अब जब आधिकारिक पुष्टि मिल गई है, हम उत्साहित और प्रेरित हैं कि हम अपनी पूरी ताकत से इस आयोजन को सफल बनाएंगे। हम निश्चित रूप से भारत सरकार और खेल मंत्रालय के प्रति आभारी हैं जिन्होंने हमारे प्रयासों का समर्थन किया है ताकि हम खेल को हर संभव तरीके से बढ़ावा दे सकें।

पटना पाइरेट्स को गुजरात जाएंट्स ने रोका टाई पर

एजेंसी

पुणे। अपने अंतिम लीग मैच में पटना पाइरेट्स को गुजरात जाएंट्स के खिलाफ टाई खेलना पड़ा। बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में शनिवार को खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 125वें मैच में गुजरात ने पटना को 40-40 की बराबरी पर रोक दिया। इस टाई के बाद पटना के लीग स्तर पर अंतिम रूप से दूसरे स्थान पर जाने की संभावना को ठेस पहुंची है।पटना की टीम 22 मैचों में 13 जीत, सात हार और दो टाई से 77 अंक लेकर अभी भी तालिका में दूसरे स्थान पर है लेकिन यूपी योद्धाज और दबंग दिल्ली के उससे आगे निकलने की संभावना है। बहरहाल, पटना के लिए इस मैच में देवांक ने 10, सुधाकर ने सात अंक लिए जबकि गुजरात के लिए राकेश ने नौ तथा गुमान और डिफेंडर जीतेंद्र ने 8-8 अंक लिए।

पटना ने दूसरे मिनट में ही देवांक को बचाने के प्रयास में रिव्यू गंवाया। उस समय गुजरात 2-1 से आगे थे लेकिन अयान ने मल्टीप्वाइंटर के साथ पटना को 3-2 से आगे कर दिया लेकिन फिर राकेश ने सुपर रेड के साथ स्कोर 5-3 कर दिया। इसके बाद गुजरात ने पटना को आलआउट की ओर धकेला और इसे अंजाम तक

पहुंचाकर 10-4 की लीड ले ली।

आलइन के बाद पटना ने सुधरा हुआ खेल दिखाते हुए पांच अंक लिए लेकिन वह गुजरात को भी इतने ही अंक लेने से नहीं रोक सकी। 10 मिनट की समाप्ति तक गुजरात 15-9 से आगे थे। इसके बाद के छह मिनट के खेल के दौरान भी गुजरात ने 5-6 की लीड के साथ अपनी पकड़ बनाए रखी। रेडिंग में बेहतर कर रही पटना ने हालांकि 18वें मिनट में गुजरात के लिए सुपर टैकल आन कर दिया लेकिन अगली रेड पर वह जीतेंद्र द्वारा लपक लिए गए। सुपर टैकल अभी भी आन था। सुधाकर आए और नीरज का शिकार कर गुजरात को आलआउट की ओर धकेल दिया। बहरहाल, गुजरात ने 22-18 के स्कोर पर पाला बदला।

हाफटाइम के बाद पटना ने आलआउट लेते हुए स्कोर 22-24 कर दिया। इसके बाद दोनों टीमों को तीन-तीन अंक मिले। फासला दो का बना रहा लेकिन मोनू ने सुधाकर को लपक फासला 3 कर दिया। हालांकि अंकित ने गुमान के साथ फासला फिर 2 का कर दिया। 30 मिनट की समाप्ति तक हालांकि पटना ने स्कोर 28-29 कर दिया। ब्रेक के बाद अयान ने चार के ड़िफेंस में एक शिकार कर न सिर्फ स्कोर बराबर किया बल्कि गुजरात को सुपर टैकल सिचुएशन में ला दिया। डू ओर डाई रेड पर राकेश के बोनस के बाद नीरज ने अयान को सुपर टैकल कर गुजरात को 32-29 से आगे कर दिया। इसके बाद गुजरात ने देवांक को लपक तीसरे सुपर टैकल के साथ 34-30 की लीड ले ली।

रिवाइव होकर आए देवांक फिर रेड पर गए और फिर लपक लिए गए। जीतेंद्र ने टीम के लिए चौथा सुपर टैकल कर स्कोर 38-32 कर दिया। पटना ने हालांकि लंबे इंतजार के बाद आलआउट लेकर स्कोर 37-38 कर दिया। अब सिर्फ दो मिनट बचे थे। आलइन के बाद नवदीप ने गुमान को लपक स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद सुधाकर ने सातवें रेड प्वाइंट के साथ पहली बार पटना को आगे कर दिया लेकिन राकेश ने स्कोर बराबर कर दिया। अगली रेड पर सुधाकर लपके गए। गुजरात फिर आगे थे लेकिन देवांक ने स्कोर 40-40 कर दिया। अब सिर्फ 24 सेकेंड बचे थे और इसी स्कोर पर मैच समाप्त हुआ।

बीसीसीआई के सचिव, कोषाध्यक्ष के लिए चुनाव की तारीख घोषित

एजेंसी

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सचिव और कोषाध्यक्ष के रिक्त पदों के लिए

शनिवार को चुनाव की घोषणा कर दी। बोर्ड ने बताया कि 12 जनवरी 2025 को मुंबई में एक विशेष आम बैठक (एसजीएम) आयोजित की जाएगी, जिसका प्राथमिक एजेंडा नए पदाधिकारियों का चुनाव होगा। यह चुनाव बीसीसीआई सचिव जय शाह के इस्तीफे के कारण हो रहे हैं जिन्होने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के स्वतंत्र अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था। इसी तरह, कोषाध्यक्ष आशीष शेलार ने महाराष्ट्र सरकार में शामिल होने के बाद पद छोड़ दिया था। शाह के इस्तीफे के बाद देवजीत सैकिया को बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने अंतरिम सचिव नियुक्त किया था जबकि कोषाध्यक्ष की भूमिका के लिए कोई अंतरिम नियुक्ति नहीं की गई है। बीसीसीआई के चुनाव अधिकारी एके जोती के अनुसार दोनो पदों के चुनाव के लिये नामांकन तीन और चार जनवरी, 2025 को स्वीकार किए जाएंगे। नामांकन पत्रों की जांच छह जनवरी को होगी और उम्मीदवार सात जनवरी तक नाम वापस ले सकते हैं। उम्मीदवारों की अंतिम सूची सात जनवरी को शाम पांच बजे घोषित की जाएगी। चुनाव और परिणाम 12 जनवरी को निर्धारित किए जाएंगे।

मैकस्वीनी को अखर रहा है आस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम से बाहर रहना

एजेंसी

मेलबर्न।भारत के खिलाफ पहले तीन टेस्ट मैच में सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभाने वाले नेथन मैकस्वीनी को सैम कॉन्सटास के लिये आस्ट्रेलिया टेस्ट टीम से बाहर रहना काफी अखर रहा है। भारत के खिलाफ सीरीज में पदार्पण करने वाले मैकस्वीनी को भरोसा है कि वह जल्द ही टेस्ट टीम में वापसी कर सकेंगे। मैकस्वीनी की जगह सीरीज के अगले दो टेस्ट मैच के लिये 19 साल के कॉन्सटास को बुलाया गया है और उनके मेलबर्न में बॉक्सिंग डे टेस्ट में ओपनर की भूमिका में उतरने की प्रबल संभावना है।

मैकस्वीनी ने भारत के खिलाफ छह पारियों में महज़ 72 रन बनाए थे। उन्होने एक स्पोर्टस चैनल से बातचीत में कहा ÷ हां मैं बिल्कुल टूट सा गया हूं। पहले ऐसा लगा कि मेरा सपना सच हो गया लेकिन फिर जैसा मैं चाहता था वैसा हो नहीं सका। लेकिन यह सब खेल का एक हिस्सा है। मुझे इसे स्वीकार करना होगा। मै कड़ी मेहनत करुंगा और टीम में अपनी जगह

बनाऊंगा। गौरतलब है कि आस्ट्रेलियाई युवा बल्लेबाज ने भले ही रन ज़्यादा न बनाए हों लेकिन गेंद को पुराना करने और क्रीज़ पर समय बिताने के लिए उनकी तारीफ़ भी हुई थी। ख़ासतौर से एडिलेड में खेले गए पिंक बॉल टेस्ट की पहली पारी में जब रात में लाइट के अंदर वह और लाबुशेन ने एक अहम साझेदारी निभाते हुए उस सत्र को ख़त्म किया था।सलामी बल्लेबाज ने कहा हम एक ऐसे खेल में हैं, जहां अवसर को नहीं भुनाया तो जगह सुरक्षित नहीं है।

अनमोलप्रीत बने सबसे तेज शतक जड़ने वाले भारतीय

एजेंसी

अहमदाबाद। विजय हजारे ट्राफी के एक मैच में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ पंजाब के अनमोलप्रीत सिंह ने मात्र 35 गेंदों में शतक पूरा किया। इस कारनामे के साथ वह लिस्ट ए में सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय बन गये हैं। इस मामले में जैक फ़्रेज़र-मक्गर्क (29 गेंदें) और एबी डिविलियर्स (31 गेंदें) उनसे आगे हैं। अरुणाचल प्रदेश के ख़िलाफ़ नंबर तीन पर बल्लेबाज़ी करने आए अनमोलप्रीत ने 11 चौकों और 8 छक्कों की मदद से अपना शतक पूरा किया। अनमोलप्रीत ने ऑफ़ स्पिनर तेची नेरी को विशेष रूप से निशाना बनाया, जिन्होने अपने एकमात्र ओवर में 31 रन लुटाये। अनमोलप्रीत के विस्फोटक अंदाज की बदौलत पंजाब ने अरुणाचल प्रदेश के 164 रन के लक्ष्य को मात्र 12.5 ओवर में हासिल कर लिया। अनमोलप्रीत ने 45 गेंदों में 115 रन बनाए वहीं प्रभसिमरन सिंह 25 गेंदों में 35 रन बनाकर नाबाद रहे।डीविलियर्स ने 2015 में जोहैंसबर्ग में वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़

44 गेंदों में 149 रन बनाकर सबसे तेज़ लिस्ट ए शतक का रिकॉर्ड तोड़ा था, जो अभी भी सबसे तेज़ वनडे शतक है। इससे पहले यह रिकॉर्ड 2014 में न्यूज़ीलैंड के कोरी एंडरसन ने वेस्टइंडीज के ख़िलाफ़ 36 गेंदों में बनाया था। डीविलियर्स का लिस्ट ए रिकॉर्ड तब टूटा, जब तक फ़्रेज़र मक्गर्क ने अक्तूबर 2023 में मार्श कप में 29 गेंदों में शतक नहीं बना दिया। अनमोलप्रीत इंडियन प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेल चुके हैं। हालांकि हाल में हुयी आईपीएल नीलामी में उन्हें कोई ख़रीददार नहीं मिला था।

सचिन को आउट करना मेरे करियर का खास पलः आमिर

एजेंसी

अबूधाबी। विराट कोहली को मौजूदा पीढ़ी का सबसे महान बल्लेबाज बताते हुये पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने शनिवार को कहा कि क्रिकेट लीजेंड सचिन तेंदुलकर को आउट करना उनके जीवन का सबसे खास पल था। आमिर ने क्रिकेट प्रिडिक्टा शो में सुनील यश कालरा के साथ बातचीत में कहा सचिन तेंदुलकर को आउट करना मेरे लिए सबसे खास पल था। मैंने अपने जीवन में केवल एक बार 2009 चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान, जो दक्षिण अफ्रीका में आयोजित हुई थी, उन्हें गेंदबाजी की थी और भारत के खिलाफ खेलते हुए उन्हें आउट किया था। मैंने उन्हें टीवी पर क्रिकेट खेलते देखा था और हमेशा सोचता था कि सचिन कितने शानदार बल्लेबाज थे। उन्होने कहा सचिन तेंदुलकर को गेंदबाजी करना मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। उनके आउट होने के तीन दिन बाद तक मैं अपने होश में नहीं था। मुझे विश्वास ही नहीं हो रहा था कि मैंने सचिन पाजी का विकेट ले

लिया है। मैं क्रिकेट में नया था और वह सचिन तेंदुलकर थे। आमिर ने कहा जब कप्तान ने मुझे गेंद सौंपी तो मेरा दिल जोरों से धड़क रहा था और मैंने एक गहरी सांस ली और उन्हे गेंदबाजी की। मेरी हालत बिल्कुल वैसी ही थी जैसी मैं पहली बार वसीम अकरम से मिला था। यह दक्षिण अफ्रीका में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2009 का छठा मुकाबला था, जिसमें पाकिस्तान ने चिर प्रतिद्वंद्वी भारत को 54 रनों से हराया था। मोहम्मद आमिर ने सचिन तेंदुलकर और पावर-हिटर यूसुफ पठान के दो महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए थे। विराट कोहली के बारे में आमिर ने कहा, विराट कोहली इस पीढ़ी के सबसे महान खिलाड़ी हैं। मुझे हंसी आती है जब उनके और बाबर आजम, स्टीव स्मिथ या जो रूट के बीच तुलना की जाती है। हम विराट कोहली की तुलना नहीं कर सकते। उन्होंने भारत के लिए इतने सारे मैच जीते हैं, जो किसी एक प्रारूप में नहीं, बल्कि तीनों प्रारूपों में असंभव लगता है, विराट इस पीढ़ी के सबसे महान बल्लेबाज हैं।÷ उन्होने कहा विराट कोहली की शैली उन्हें सभी खिलाड़ियों से अलग करती है। 2014 में इंग्लैंड में अपने बुरे दौर के बाद, उन्होंने जिस तरह से वापसी की और फिर अगले 10 वर्षों तक लगातार शानदार प्रदर्शन किया, वह कोई सामान्य उपलब्धि नहीं थी। 2017 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में उनका विकेट हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण था, जिससे हमें फाइनल जीतने में मदद मिली अगर विराट आउट नहीं होते तो हम फाइनल हार जाते क्योंकि हम सभी जानते हैं कि रनों का पीछा करते समय विराट का रिकॉर्ड कितना असाधारण है।

गज़नफ़र के पंजे में फंसा जिम्बाब्वे, मैच के साथ सीरीज भी गंवाई

एजेंसी

हरारे। ए एम ग़ज़नफ़र (33 रन पर पांच विकेट) और राशिद खान (38 रन पर तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी की मदद से अफगानिस्तान ने शनिवार को जिम्बाब्वे को एकतरफा मुकाबले में आठ विकेट से हरा कर तीन मैचों की एक दिवसीय श्रंखला पर 2-0 से कब्जा कर लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुये जिम्बाब्वे की पारी 30.1 ओवर में 127 रन पर ढेर हो गयी। मेजबान टीम की ओर से शॉन विलियम्स (60) ही अफगानी गेंदबाजों का कुछ हद तक सामना कर सके। उनके अलावा बेन करन (12) और रिचर्ड एन्गरावा (10) ही दहाई के अंक तक पहुंचने में सफल हो सके। जीत के लिये 128 रन के आसान लक्ष्य का पीछा करते हुये सेदिक़ुल्लाह अटल (52) और अब्दुल मलिक (29) की सलामी जोड़ी ने पहले

विकेट के लिये 18.3 ओवर में 84 रन जोड़ दिये। दोनो के आउट होने के बाद रहमत शाह (17 नाबाद) और हशमतउल्लाह शहीदी (20 नाबाद) ने जीत दिला कर ही दम लिया।

ट्रेविस भारत के लिये सरदर्द,खोजना होगा इलाजः शास्त्री

एजेंसी

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया के धाकड़ बल्लेबाज ट्रेविस हेड को भारत के लिये सरदर्द बताते हुये पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा कि रोहित एंड कंपनी को ट्रेविस नामक सरदर्द के इलाज को खोजना होगा।शास्त्री ने कहा भारत ट्रेविस नामक 'सरदर्द' के लिए 'बॉम' की तलाश कर रहा है। रोहित एंड कंपनी को जल्द ही ट्रेविस नामक सरदर्द का इलाज खोजना होगा। गौरतलब है कि बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में आग उगल रहे ट्रेविस हेड के बल्ले का तोड़ अब तक टीम इंडिया नहीं खोज सकी है। भारत के खिलाफ मौजूदा सीरीज की पहली पारी में मात्र 11 रन आउट होने वाले हेड ने अपने अगले तीन मैचों में 89 रन, 140 रन और 152 रन बनाए हैं। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के अलावा अन्य गेंदबाज उन पर लगाम कसने में लगभग बेअसर साबित हुये हैं। शास्त्री ने ट्रेविस की शानदार फार्म की तारीफ करते हुये मजाकिया अंदाज में कहा ÷ ट्रेविस हेड भारतीयों के लिये ट्रेविस हेडेक (सरदर्द) साबित हो रहे हैं। अब भारतीय टीम को इस बल्लेबाज को आउट करने का तरीका ढूंढना होगा।

उन्होने कहा मुझे लगता है कि हेड बहुत स्मार्ट है। मैंने उन्हें तीन साल पहले देखा था लेकिन अब उनकी बल्लेबाजी काफी सुधरी है। उन्होंने कई गेंदों का अच्छे से छोड़ना सीख लिया है। वो जिस तरह से शॉर्ट बॉल खेल रहे हैं और छोड़ रहे हैं। वहीं उन्हें आगे ले जा रहा है। उन्होंने इस गेंद को खेलना अच्छे तरीके से सीख लिया है। हेड के पास सही स्ट्रोक खेलने की क्षमता है। वो लाइन और लेंथ जल्दी पिक कर लेते हैं, जिससे उन्हें खेलने के लिए ज्यादा समय मिलता है।

शास्त्री ने कहा ऐसा नहीं है कि हमेशा शॉर्ट गेंद पर बड़ा शॉट लगाना होता है। वह या तो इसे छोड़ने या बड़े शॉट लगाने के लिए तैयार रहते हैं। अगर गेंद मिडिल या ऑफ स्टंप है, तो वह इसे स्क्वायर के सामने भी मारते हैं। उन्होने कहा कि हेड के ऑफसाइड के शॉट अविश्वसनीय होते हैं। कुल मिला यह कहा जाये कि वह अपने क्रिकेट करियर की सर्वश्रेष्ठ फार्म में है,अतिश्योक्ति नहीं होगा। सीरीज में 10.9 की औसत से 21 विकेट लेने वाले बुमराह के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के लगभग हर बल्लेबाज ने संघर्ष किया है लेकिन हेड पर इसका कोई असर पड़ता दिखायी नहीं दे रहा है।

चेन्नइयन एफसी को हरा मुम्बई सिटी एफसी ने जारी रखा जीत का अभियान

एजेंसी

मुंबई। मुम्बई सिटी एफसी ने शनिवार को अपने घरेलू मैदान मुम्बई फुटबॉल एरिना में खेले गए इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में चेन्नइयन एफसी को 1-0 से हरा दिया। मेजबान टीम की जीत में ग्रीक स्ट्राइकर निकोलाओस करेलिस ने 8वें मिनट में एकमात्र गोल किया। मुम्बई सिटी के स्पेनिश सेंटर-बैक टिरी को डिफेंस में दमदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। इस परिणाम के साथ ही आइलैंडर्स ने चेन्नइयन एफसी के खिलाफ अपने अपराजित रहने के सिलसिले को 10 आईएसएल मुकाबलों (आठ जीत और दो ड्रा) तक पहुंचा दिया है। आज आइलैंडर्स की घरेलू मैदान पर क्लीन शीट के साथ जीत से चेक हेड कोच पीटर क्रेटकी निश्चित रूप से प्रसन्न होंगे। मुम्बई सिटी एफसी 12 मैचों में पांच जीत, पांच ड्रा और दो हार से 20 अंक लेकर तालिका में सातवें से चौथे स्थान पर आ गई है। वहीं, मरीना माचान्स की हार से स्कॉटिश हेड कोच ओवेन कॉयल जरूर निराश होंगे। चेन्नइयन एफसी 13 मैचों में चार जीत, तीन ड्रा और छह हार से 15 अंक लेकर तालिका में नौवें स्थान पर बनी हुई है।मैच का एकमात्र गोल 8वें मिनट में आया, जब ग्रीक स्ट्राइकर निकोलाओस करेलिस ने मुम्बई सिटी एफसी को शुरुआती बढ़त दिलाते हुए स्कोर 1-0 कर दिया। डच मिडफील्डर योएल वान नीएफ गेंद लेकर अकैटिंग थर्ड से बॉक्स की तरफ आगे बढ़ रहे थे, तभी उन्हें पीछे से इरफान याडवाड़ ने धक्का दिया गया और गिरने से पहले उन्होंने बॉक्स के अंदर थ्रू-पास डाला, जिसे चेन्नइयन के इंग्लिश सेंटर-बैक रयान एडवर्ड्स सही ढंग से क्लीयर नहीं कर पाए और गेंद उनके टच से डिफ्लेक्ट होकर दाहिनी तरफ मौजूद करेलिस के पास पहुंची।

उथप्पा के खिलाफ पीएफ धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तारी वारंट जारी

एजेंसी

बेंगलुरु। पूर्व भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा को उनकी बेंगलुरु स्थित कपड़ा कंपनी, सेंटोरस लाइफस्टाइल ब्रांड्स प्राइवेट लिमिटेड के कर्मचारियों के भविष्य निधि (पीएफ) खाते में कथित धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तारी वारंट का सामना करना पड़ रहा है। उथप्पा, जो कंपनी के निदेशक के रूप में सूचीबद्ध हैं, पर कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) को योगदान राशि भेजने में विफल रहने और अपने कर्मचारियों के वेतन से भविष्य निधि में कटौती को रोकने का आरोप है। यह मामला तब सामने आया जब कंपनी कथित रूप से 23,36,602 रुपये की बकाया राशि चुकाने में विफल रही, जिसमें कर्मचारियों के वेतन से काटा गया भविष्य निधि योगदान भी शामिल है। क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, सदाक्षरी गोपाल रेड्डी ने बकाया भुगतान जमा करने में कंपनी की विफलता के बाद चार दिसंबर को गिरफ्तारी वारंट जारी किया। वारंट में कहा गया है कि उथप्पा को 27 दिसंबर तक बकाया राशि का भुगतान करना होगा वरना उन्हें गिरफ्तारी सहित कानूनी परिणाम भुगतने होंगे। क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने इस बात पर बल दिया कि धनराशि का भुगतान नहीं करने से उन श्रमिकों के भविष्य निधि खातों के निपटान में बाधा उत्पन्न हुई है जो कंपनी द्वारा अपने कानूनी दायित्वों को पूरा करने में विफलता से प्रभावित हुए हैं। उथप्पा (39 वर्षीय) भारतीय क्रिकेट में अपने योगदान के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने 59 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है और 1,183 रन बनाए हैं जिसमें सात अर्धशतक शामिल है। उनके करियर में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का एक प्रमुख कार्यकाल भी शामिल है, जहां उन्होंने एक विश्वसनीय मध्य-क्रम बल्लेबाज के रूप में अपनी पहचान बनायी। हालांकि, नई कानूनी चुनौती उनके क्रिकेट के बाद के करियर को जांच के दायरे में लाती है, जिससे उनके व्यापारिक लेनदेन पर चिंताएं बढ़ गई है। यह मामला व्यवसायों में वित्तीय अनियमितताओं के एक व्यापक मुद्दे पर प्रकाश डालता है जो श्रमिकों के कल्याण को प्रभावित करता है, विशेष रूप से भविष्य निधि जैसे अनिवार्य कर्मचारी लाभों को। भुगतान की समय सीमा 27 दिसंबर निर्धारित होने के साथ ही यह देखना बाकी है कि क्या उथप्पा इस मामले को सुलझाने और आगे के कानूनी कार्रवाई से बचेंगे। अब तक, उथप्पा ने अपनी गिरफ्तारी वारंट पर कोई भी सार्वजनिक टिप्पणी नहीं की है।

14 मैचों से अजेय दबंग दिल्ली ने जयपुर को 2 अंक से हराया, तीसरे स्थान पर पहुंची

एजेंसी

पुणे। दबंग दिल्ली केसी ने 14 मैचों से अजेय रहते हुए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन की अंक तालिका में तीसरा स्थान हासिल कर लिया है। पहले ही प्लेआफ में पहुंच चुकी दिल्ली ने बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में शनिवार को जयपुर पिंक पैंथर्स को 33-31 से हराया। जयपुर ने अपना 22वां मैच खेला और वह पांचवें स्थान पर रहते हुए प्लेआफ में पहुंच चुकी है लेकिन दिल्ली के पास अभी भी एक मैच है। निश्चित तौर पर वह सीधे सेमीफाइनल खेलना चाहेगी और इस क्रम में आज उसके हीरो रहे आशू (12) की अहम भूमिका होगी। जयपुर के लिए आज अर्जुन ने सुपर-10 लगाया जबकि अंकुश ने चार अंक लिए।प्लेआफ में पहुंच चुकी दो टीमों के इस मैच में जयपुर ने अच्छी शुरुआत करते हुए 3-1 की लीड बना ली थी लेकिन आशू के मल्टीप्वाइंटर के साथ दिल्ली ने स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद दिल्ली ने दो अंक लेकर जयपुर के लिए सुपर टैकल आन कर दिया। फिर नवीन ने सुरजीत का शिकार कर उसे ऑलआउट की ओर धकेल दिया। अगली रेड पर आशू ने लकी और अंकुश का शिकार कर जयपुर को ऑलआउट कर दिया। दिल्ली 10-4 से आगे थे। आशू ने अर्जुन के बोनस के बाद एक और मल्टीप्वाइंटर के साथ स्कोर 12-5 कर दिया लेकिन अभिजीत ने

मल्टीप्वाइंटर के साथ इसका जवाब दिया। 10 मिनट के बाद स्कोर 13-8 था। ब्रेक के बाद दोनों टीमों को 2-2 अंक मिले लेकिन आशू ने मल्टीप्वाइंटर के साथ फर्क पैदा कर स्कोर 17-10 कर दिया। हालांकि अर्जुन ने मल्टीप्वाइंटर के साथ फासला 5 का कर दिया। इस बीच आशीष ने अंकुश को आउट कर नवीन को रिवाइव कर लिया। फिर दिल्ली के डिफेंस ने डू ओर डाई रेड पर पहली बार अर्जुन का शिकार स्कोर 19-12 कर दिया। इसके बाद आशू ने डू ओर डाई रेड पर सुपर-10 पूरा किया। फिर गौरव ने अभिजीत को लपक जयपुर के लिए सुपर टैकल आन कर दिया। बहरहाल, दिल्ली ने 21-12 के स्कोर पर पाला बदला। हाफटाइम के बाद जयपुर को सुपर टैकल के दो अंक मिले और फिर सोमवीर ने भी एक अंक उठाकर स्कोर 15-21 कर दिया। अगली रेड पर सुपरसब मोहित ने नवीन को रिवाइव करा लिया। फिर डू ओर डाई रेड पर अर्जुन असफल रहे। जयपुर फिर सुपर टैकल सिचुएशन में थे। आशू डू ओर डाई रेड पर आए लेकिन अंकुश ने उन्हें जाने नहीं दिया। फिर सुरजीत ने डू ओर डाई रेड पर नवीन का शिकार कर स्कोर 19-23 कर दिया। 30 मिनट बाद दिल्ली 24-19 से आगे थे। मैच डू ओर डाई रेड पर चल रहा था और इसी तरह की रेड पर अभिजीत ने मोहित का शिकार कर स्कोर 20-24 कर दिया। टैकल में अंक लेने के बाद अभिजीत ने इस तरह की रेड पर दो अंक लेकर दिल्ली को आलआउट की कगार पर ला दिया। आशीष ने उसे थोड़ी देर बचाया लेकिन अंततः जयपुर ने आलआउट लेकर स्कोर 27-27 कर लिया। अंकुश ने आशू का शिकार किया और जयपुर ने दो अंक की बढ़त ले ली। इसके बाद दिल्ली ने सुरजीत और अर्जुन को आउठ कर स्कोर फिर बराबर कर दिया। इसी बीच सुपर-10 पूरा कर चुके आशू ने दिल्ली को आगे कर दिया और फिर योगेश ने अभिजीत का शिकार कर स्कोर 31-29 कर दिया।

कटरीना कैफ

को छोड़ सलमान खान ने इस फिल्म में करवाई थी जरीन की एंट्री

साल 2010 में सलमान खान की फिल्म वीर रिलीज हुई थी, जिसमें जरीन खान ने डेब्यू किया था. हालांकि, फिल्म के मेकर के हिसाब से जरीन इस फिल्म के लिए एक नया चेहरा थीं, लेकिन दर्शकों ने उन्हें कटरीना के हमशक्ल के तौर पर पहचान दे दी. कुछ वक्त पहले दिए गए एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि कटरीना से हर वक्त उनकी तुलना उनके पक्ष में कभी नहीं थी. हाल ही में वीर के डायरेक्टर ने खुलासा किया कि फिल्म में उनकी एंट्री सलमान खान की वजह से हुई थी.

वीर फिल्म को अनिल शर्मा ने डायरेक्ट किया था, फिल्म की कास्टिंग के बारे में बात करते हुए उन्होंने एक इंटरव्यू में बात की. उन्होंने बताया कि पहले इस फिल्म में कटरीना का नाम जुड़ रहा था, लेकिन मेकर्स को नया चेहरा चाहिए था. उन्होंने बताया कि जरीन खान को सलमान खान ने खोजा था, उन्होंने ने ही डायरेक्टर से कहा था कि वो एक बार एक्ट्रेस से मुलाकात कर लें. जरीन और कटरीना के लुक्स की तुलना की बात करते हुए इस बात पर हामी भरी कि जरीन कटरीना जैसी दिखती हैं.

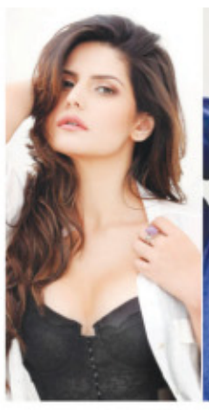

कटरीना से की जाती है तुलना

सिद्धार्थ कन्नन के साथ हाल ही में हुए एक इंटरव्यू में अनिल शर्मा ने बताया कि वीर फिल्म की शूटिंग के शुरुआत में कटरीना चाहती थीं कि वो इस फिल्म का हिस्सा बनें. लेकिन मेकर्स की अलग इच्छा होने की वजह से जरीन को कास्ट किया गया. कटरीना से अपने लुक्स की तुलना के बारे में जरीन ने एक पुराने इंटरव्यू में कहा था कि इंडस्ट्री में लोग खुद की एक नई पहचान बनाने की कोशिश करते हैं, यहां कोई किसी का हमशक्ल या उसकी परछाई नहीं बनना चाहता है.

करियर में हुई काफी दिक्कत

तुलना होने की वजह से जरीन खान के करियर पर काफी फर्क पड़ा है. अपनी परेशानी के बारे में बात करते हुए जरीन ने कहा कि इंडस्ट्री में कई साल से होने के बावजूद आज भी लोग उन्हें कटरीना के हमशक्ल के तौर पर लेबल किया जाता है. आगे उन्होंने कहा कि कोई भी डायरेक्टर किसी एक्ट्रेस के हमशक्ल या उसके डुप्लिकेट के साथ काम नहीं करना चाहता है. जरीन खान की फिल्मों की बात करें, तो उन्होंने रेडी, हाउसफुल 2, हेट स्टोरी 3, अक्सर 2 जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं. हालांकि, वो अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट पर एक्टिव रहती हैं. वीर फिल्म में मिथुन चक्रवर्ती, सोहेल खान, नीना गुप्ता जैसे कई कलाकार शामिल थे.

जब इस शख्स की वजह से रातोंरात सैफ अली खान की मां को पूरे शहर से हटवाने पड़े थे फिल्म के पोस्टर

जिस दौर में औरतें फिल्मों में ही कम नजर आती थीं और अगर आती भी थीं तो सिर्फ साड़ी या सूट पहनती थीं, उस दौर में अगर कोई एक्ट्रेस बिकिनी या मोनोकिनी पहन ले तो हंगामा होना तय था. कुछ ऐसा ही हुआ था सैफ अली खान की मां शर्मिला टैगोर के साथ. जब फिल्म 'एन इवनिंग इन पेरिस' की शूटिंग में उन्होंने मोनोकिनी पहन ली थी. इस बात को लेकर काफी हंगामा हुआ था. हालांकि शर्मिला टैगोर को इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ा था. लेकिन उसी दौरान कुछ ऐसा हुआ था कि शर्मिला टैगोर को खुद आधी रात में मोनोकिनी वाले पोस्टर हटवाने पड़े थे. चलिए वो किस्सा जानते हैं.शर्मिला टैगोर ने टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए एक पुराने इंटरव्यू में कहा था, फिल्म 'एन इवनिंग इन पेरिस' में मेरा काफी ग्लैमरस रोल था. मुझे वो रोल पसंद आया था, लेकिन तब मुझे ये भी लगा था कि ग्लैमरस रोल तो अच्छा है, लेकिन अगर मैं चाहती हूं कि लोग मुझे गंभीरता से लें, तो मुझे कुछ मीनिंगफुल किरदार भी करने होंगे.

शर्मिला टैगोर ने क्या कहा था ?

उन्होंने बताया, जब मैंने मोनोकिनी पहनी तो पूरी फिल्म इंडस्ट्री हैरान रह गई थी. लोगों ने सवाल उठाए थे. लेकिन आज की फिल्मों को देखें तो उसके मुकाबले वो सीन और फिल्म कुछ भी नहीं लगती है.शर्मिला टैगोर को लेकर एक किस्सा और है कि उन दिनों शर्मिला टैगोर पूर्व क्रिकेटर मंसूर अली खान पटौदी को डेट कर रही थीं. नवाब पटौदी, शर्मिला टैगोर से शादी करना चाहते थे. उन्होंने ये बात अपनी मां को बताई थी.

रातोंरात हटाए गए थे पोस्टर

मंसूर अली खान की मां साजिदा सुल्तान भोपाल की नवाब बेगम हुआ करती थीं. उन्होंने अपनी होने वाली बहू को देखने की इच्छा जताई. उसी वक्त 'एन इवनिंग इन पेरिस' फिल्म रिलीज हुई थी तो शर्मिला टैगोर के मोनोकिनी वाले पोस्टर मुंबई शहर में लगे हुए थे.

जब शर्मिला को इस बात की जानकारी हुई कि उनकी होने वाली सासू मां आ रही हैं तो उन्होंने घबराकर फिल्म के प्रोड्यूसर को फोन किया. शर्मिला ने उनसे रिक्वेस्ट की कि इन पोस्टर्स को हटा दिया जाए. प्रोड्यूसर ने शर्मिला की बात मानी और आधी रात में ही सारे पोस्टर शहर से हटवाए गए. इसके बाद उनकी मां शर्मिला टैगोर से मिलीं और फिर दोनों की शादी हो गई.

मैं घबरा गया था...हजारों फैन्स की भीड़ में फंस गए थे विवेक ओबेरॉय, ऐसी हो गई थी हालत

विवेक ओबेरॉय इन दिनों फिल्मों से दूरी बनाए हुए आ रहे हैं. कहा जा रहा है कि वो फिलहाल अपने बिजनेस पर ध्यान दे रहे हैं. विवेक ओबेरॉय ने साल 2002 में रानी मुखर्जी के साथ फिल्म 'साथिया' में काम किया था. दोनों ने अपनी जबरदस्त कैमिस्ट्री से फैंस का दिल जीत लिया था. अब फिल्म की रिलीज के 22 साल बाद विवेक ओबेरॉय ने खुलासा किया है कि जब वो 'साथिया' की शूटिंग कर रहे थे तो उनको करीब 2000 लोगों की भीड़ ने घेर लिया था और उन्होंने बताया कि वो कैसे वहां से बचकर भागे.

इंडियन एक्सप्रेस के साथ एक चैट के दौरान विवेक ओबेरॉय ने 'साथिया' की शूटिंग के दौरान सेट पर हुए एक वाक्ये को याद किया, जब फैन्स की भीड़ ने उनको घेर लिया था. उस वक्त को याद करते हुए विवेक ओबेरॉय ने बताया, जब 12 अप्रैल 2002 को मेरी पहली फिल्म कंपनी रिलीज हुई थी और उसी रविवार को हम 'साथिया' फिल्म के एक यादगार सीन की शूटिंग कर रहे थे, जिस सीन में मुझे रानी मुखर्जी का पीछा करना होता है. उस समय तक रानी मुखर्जी एक स्टार बन गई थीं और उनके पास गार्ड्स हुआ करते थे.

मैं घबरा रहा था और फैंस चिल्ला रहे थे

विवेक ओबेरॉय ने आगे कहा, चूंकि उस दिन गेयटी गैलेक्सी रेलवे चैनल के पास वो एक नॉर्मल दिन की तरह लग रहा था तो उन्होंने शूटिंग शुरू कर दी. लेकिन लगभग 11 बजे के करीब लोगों ने चंदू भाई (कंपनी में विवेक ओबेरॉय के किरदार का नाम) करके चिल्लाना शुरू कर दिया. मैं तो बहुत मगन हो गया, लेकिन फिर जब 4-5 लोगों को देखते-देखते वहां 2000 लोगों की भीड़ जमा हो गई. सारी सिक्योरिटी धरी की धरी रह गई. मैं घबरा रहा था, क्योंकि इसके चक्कर में एक दिन बर्बाद हो रहा था. शाद मुझे वहां से बाहर निकालना चाहते थे तो उन्होंने मुझे रानी के मेकअप वैन में धकेल दिया. मैं खिड़की से बाहर देख रहा था और वो फैंस मेरे डायलॉग्स चिल्ला रहे थे.

पुलिस मुझे क्रिमिनल की तरह लेकर गई

विवेक ओबेरॉय ने बताया, आखिरकार टीम को पुलिस को बुलाना पड़ा और उन्होंने कहा कि मुझे वहां से निकल जाना चाहिए. फिर शाद ने वैनिटी का दरवाजा खोला और उन्होंने मुझसे कहा कि रुको और देखो कि ये भीड़ यहां पर तुम्हारे लिए आई है. उन्होंने मुझे बताया कि तुम एक स्टार हो. इसके बाद तो पुलिस ने मुझे अपनी वैन में डाला और एक आम अपराधी की तरह मुझे वहां से लेकर चली गई. अगले संडे के दिन हम वापस आए और फिर पुलिस की सिक्योरिटी के साथ उसी सीन को शूट किया.

इस शख्स को डेट कर रही हैं कपूर खानदान की लाडली

खुशी कपूर

ओरी के वीडियो से मिला हिंट

कपूर खानदान की लाडली खुशी कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. वो अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं और लाइफ के बारे में अपडेट भी देती रहती हैं. उन्हें कई बार एक्टर वेदांग रैना के साथ देखा गया है और सोशल मीडिया पर में इस बात की चर्चा है कि वेदांग और खुशी एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं और रिलेशनशिप में हैं. हालांकि दोनों ने कभी आधिकारिक रूप से इस बात का खुलासा नहीं किया है. अब ओरी का एक वीडियो सामने आया है, जिससे दोनों के डेट करने को लेकर हिंट मिल रहे हैं.ओरी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने लिखा है कबाब में हड्डी. इस वीडियो में उनके साथ कई कपल हैं और उन कपल के बीच में ओरी दिख रहे हैं. वहीं वो खुशी और वेदांग के साथ भी पोज देते दिख रहे हैं.

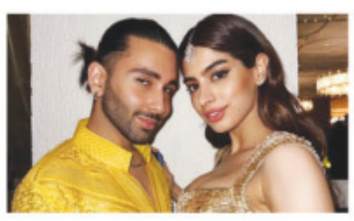

साथ में दिखे खुशी और वेदांग

दरअसल, ये वीडियो अनुराग कश्यप की बेटी आलिया कश्यप और शेन ग्रेगोइरे की शादी का है. वीडियो में सबसे पहले तो न्यूली मैरिड कपल नागा चैतन्य और शोभिता धूलिपाला नजर आ रहे हैं. शिखर पहाड़िया और जाह्नवी कपूर, अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट पोज देते हुए दिखे. इसके बाद ओरी ने एक फोटो वेदांग रैना के साथ शेयर की और दूसरी फोटो में वो खुशी और वेदांग के बीच में दिखे. वहीं वीडियो के अंत में रेखा और अनन्या पांडे नजर आईं.

ओरी ने खुद को बताया कबाब में हड्डी

इस वीडियो को ओरी ने कैप्शन दिया है, कबाब में हड्डी, हम सभी इस कहावत को जानते हैं. दरअसल ओरी ने यहां हड्डी खुद को बताया है और इसीलिए वो हर एक कपल के बीच में खड़े होकर फोटो खिंचाते हुए नजर आ रहे हैं. इस वीडियो में साउथ से लेकर बॉलीवुड तक के कई सारे सितारे नजर आ रहे हैं.